



त्रिपुरा बॉर्डर पर अमित शाह का बड़ा एक्शन

भारत-बांग्लादेश सीमा सुरक्षा: नया प्लान 5 साल के लैंड रिकॉर्ड की होगी गहन जांच

सौदों और
वित्तीय
लेनदेन का
रिकॉर्ड
खंगाला
जाएगा

एजेंसी ► नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने त्रिपुरा के सालबगान में भारत-बांग्लादेश सीमा सुरक्षा की समीक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीमा सुरक्षा केवल सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की ही नहीं, बल्कि पूरे नागरिक और पुलिस प्रशासन की सामूहिक ► शेष पेज 4 पर



केंद्रीय मंत्री शाह बीएसएफ जवानों से चर्चा करते हुए

सिंडिकेट को ध्वस्त
करने का प्लान

इस बड़े एक्शन प्लान का सबसे अहम हिस्सा आर्थिक गतिविधियों पर कड़ा नियंत्रण स्थापित करना है। अमित शाह ने कड़े निर्देश दिए हैं कि ► शेष पेज 4 पर

कोर्ट ने
कहा
कैसे बेटे
हो पिता
से लड़
रहे हो

एजेंसी ► नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के तहत एक पिता की संपत्ति से बेटे को बेदखल करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस बी. मोहना की पीठ ने राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए बेटे को कड़ी फटकार लगाई।



पिता को शांति से जीने दो: कोर्ट

कोर्ट ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, तुम किस तरह के बेटे हो जो अपने ही पिता से लड़ रहे हो? यह दुर्भाग्यपूर्ण है। जाओ और अपने पिता की देखभाल करो, उन्हें शांति से जीने दो। यह विवाद राजस्थान के बिलाड़ा स्थित एक आवासीय घर से जुड़ा है। पिता ने ट्रिब्यूनल में शिकायत की थी कि उनका बेटा उन्हें प्रताड़ित करता है, जिसके बाद फरवरी 2024 में ट्रिब्यूनल ने बेटे को घर ► शेष पेज 4 पर

बड़ी बैठक: पश्चिम एशिया संकट के बीच पीएम मोदी की इकोनॉमिक एडवाइजरी काउंसिल के साथ बैठक

तेल की कीमतों, सप्लाई चेन व महंगाई को थामने के लिए पीएम ने किया मंथन

एजेंसी ► नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को इकोनॉमिक एडवाइजरी काउंसिल (पीएम-ईएसी) की बैठक की अध्यक्षता की, जहां बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारत की आर्थिक रफ्तार को बनाए रखने की रणनीतियों पर चर्चा की गई। बैठक में आर्थिक विकास को मजबूत करने, अर्थव्यवस्था की मजबूती बढ़ाने, देश में ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बेहतर बनाने के लिए सुधारों को तेज करने से जुड़े कई सुझावों और नीतिगत उपायों पर विचार किया गया। काउंसिल के सदस्यों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की बदलती परिस्थितियों की समीक्षा की, इसके साथ ही पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के भारत और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संभावित प्रभावों का आकलन किया गया। चर्चाओं में भू-राजनीतिक अस्थिरता के ऊर्जा बाजारों, आपूर्ति श्रृंखलाओं, महंगाई और वैश्विक व्यापार प्रवाह पर संभावित प्रभाव को शामिल किया गया, ये सभी मुद्दे दुनिया भर के नीति- ► शेष पेज 4 पर

पीएम ने कहा कि भारत ने सामूहिक राष्ट्रीय प्रयासों के दम पर मजबूती दिखाई है और विकास केंद्रित नीतियों पर वह लगातार आगे बढ़ रहा है

काउंसिल के
सदस्यों ने
वैश्विक
अर्थव्यवस्था
की बदलती
परिस्थितियों
की समीक्षा की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बैठक लेते हुए

ये प्रमुख विषय

इन पर हुई सर्वाधिक चर्चा

ईंधन की कीमतें

वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की आपूर्ति में आने वाली बाधाओं और कीमतों में अस्थिरता पर चिंता जताई गई

आपूर्ति श्रृंखला

युद्ध और तनाव के कारण वैश्विक लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन में होने वाले व्यवधानों का विश्लेषण किया गया

महंगाई

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कमोडिटी की बढ़ती कीमतों का घरेलू मुद्रास्फीति पर असर रोकने के उपायों पर बात हुई

वैश्विक व्यापार प्रवाह

दुनिया भर के नीति-निर्माताओं के लिए चिंता का विषय बने व्यापारिक गतिरोधों के बीच भारतीय निर्यात को सुरक्षित रखने की बजाई गई रणनीति

व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण बनाना भी रहा मुद्दा

काउंसिल ने उन उपायों पर भी चर्चा की जो घरेलू आर्थिक गतिविधि को मजबूत करने,

निवेश को समर्थन देने, उत्पादकता बढ़ाने और व्यवसायों के लिए अधिक अनुकूल

वातावरण बनाने में मदद कर सकते हैं। बैठक के दौरान अनुपालन ► शेष पेज 4 पर

पीएम मोदी ने कहा
दुनिया चुनौतियों के दौर से
गुजर रही

प्रधानमंत्री मोदी की हालिया टिप्पणियों के मद्देनजर ये चर्चाएं काफी महत्वपूर्ण हो जाती हैं, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी है कि दुनिया अमूर्तपूर्व चुनौतियों के दौर से गुजर रही है। सूरत में एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने मौजूदा दशक को आपदाओं का दशक बताया, उन्होंने कोविड-19 महामारी और सशस्त्र संघर्षों से लेकर ऊर्जा बाजारों ► शेष पेज 4 पर

पीएम मोदी के आर्थिक सुधार
देश की समृद्धि को लगातार
दे रहे हैं बढ़ावा: शाह

वित्त वर्ष 2026 में देश द्वारा दर्ज की गई 7.7 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए सुधार आर्थिक समृद्धि को लगातार बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है। एक्स पर एक पोस्ट में अमित शाह ने कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया ► शेष पेज 4 पर

दिल्ली में 'काँकरोच जनता पार्टी' का 5 घंटे प्रदर्शन

अभिजीत दीपके ने शिक्षा मंत्री का 'इस्तीफा' मांगा

अगले
शनिवार
फिर
जंतर
मंतर पर
जुटने का
एलान

बाबा साहेब की बुक लेकर आए अभिजीत दीपके

एजेंसी ► नई दिल्ली

नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर काँकरोच जनता पार्टी, यानी सीजेपी ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर 5 घंटे प्रदर्शन किया। पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा था कि मंत्री शनिवार शाम 5 बजे तक इस्तीफा दें, नहीं तो पूरे देश में प्रदर्शन किया जाएगा। अगले शनिवार, यानी 13 जून को जंतर-मंतर पर फिर प्रदर्शन करेंगे। सीजेआई को जंतर-मंतर पर शनिवार शाम 5 बजे तक प्रदर्शन करने की अनुमति मिली थी, लेकिन दोपहर 3:30 बजे अभिजीत की तबीयत खराब हो जाने के बाद यह समाप्त हो गया। इसके बाद में सोमनाथ वांगचुक के साथ धरनास्थल से रवाना हो गए। ► शेष पेज 4 पर

प्रदर्शन पर बोले भाजपा अध्यक्ष

कुछ ताकतें युवाओं को
नकारात्मकता की तरफ
धकेल रही: नबीन

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि



नितिन नबीन

कुछ ताकतें युवाओं को नकारात्मक राजनीति की ओर धकेलने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन देश का युवा राष्ट्र निर्माण में विश्वास रखता है। उन्होंने काँकरोच जनता पार्टी को लेकर भी अप्रत्यक्ष टिप्पणी की। रांची में उन्होंने कहा कि युवा स्टार्टअप और नवाचार से देश को आगे बढ़ा रहे हैं और भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में तेजी से ► शेष पेज 4 पर

युवा सितारे प्रज्ञानंद ने रचा इतिहास नॉर्वे शतरंज खिताब जीतने वाले वे 'पहले' भारतीय बने

एजेंसी ► भोपाल

विश्व नंबर-1
गैमिंग
कार्लसन को
भी दी मात

भारतीय शतरंज के युवा सितारे और ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने इतिहास रचते हुए प्रतिष्ठित नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। उन्होंने अंतिम राउंड में जर्मनी के विसेंट कोमर को हराकर यह बड़ी उपलब्धि हासिल की और इस टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए। 20 वर्षीय प्रज्ञानंद ने अंतिम दिन बेहद दबाव में खेलते हुए क्लासिकल जीत दर्ज की, ► शेष पेज 4 पर

वैश्विक मंच पर भारतीय रेल का डंका मारी माल ढुलाई वाले विशिष्ट देशों के क्लब में शामिल भारत

एजेंसी ► नई दिल्ली

मालगाड़ियों की
क्षमता और गति
बढ़ाकर भारत ने
हासिल किया दर्जा

भारत भारी माल ढुलाई रेल प्रणालियों का संचालन करने वाले चुनिंदा देशों के क्लब में शामिल हो गया है। भारत माल ढुलाई संचालन की सुरक्षा, विश्वसनीयता और दक्षता को बढ़ाने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं व उन्नत प्रौद्योगिकी अपनाने की दिशा में अग्रसर है। यह बात डीएफसीसीआईएल के प्रबंध निदेशक प्रवीण कुमार ने कही। भारतीय सर्पित माल ढुलाई गलियारा निगम लिमिटेड ► शेष पेज 4 पर

सरकार सिविल सेवा नियमों में करेगी बदलाव दो से अधिक बच्चे तो नहीं मिलेगी सरकारी नौकरी

हरिभूमि न्यूज ► भोपाल

नियम, 2026
का नया मसौदा
(ड्राफ्ट) जारी
किया गया

राज्य सरकार सिविल सेवा नियमों में एक बार फिर से बदलाव करने जा रही है। एक बार फिर से 25 साल पुराने नियम ही लागू किए जाएंगे। इस नियम के तहत दो से अधिक बच्चे होंगे तो सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। सरकार इस नियम के तहत जनसंख्या बढ़ोतरी पर रोक लगाने का भी प्रयास करेगी। इसके जरिए एक संदेश भी दिया जाएगा। इस नियम के लागू होने के बाद दो से अधिक बच्चे होने पर सरकारी ► शेष पेज 4 पर

कूनों नेशनल पार्क से दुख भरी खबर फिर मौत: 27 महीने की मादा चीता केजीपी 11 की हुई मृत्यु

हरिभूमि न्यूज ► श्योपुर

पहाड़गढ़ के
पास घायल
मिली थी मादा
चीता

कूनों नेशनल पार्क में चीतों की मौत का सिलसिला धमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को 27 माह की भारतीय मूल की मादा चीता केजीपी 11 की उपचार के दौरान मौत हो गई। इस घटना के बाद एक बार फिर चीता प्रोजेक्ट की निगरानी व्यवस्था और मॉनिटरिंग सिस्टम पर सवाल खड़े होने लगे हैं। जानकारी के अनुसार, 1 जून को मुरैना जिले के पहाड़गढ़ क्षेत्र के पास मादा चीता घायल अवस्था में मिली थी। ► शेष पेज 4 पर

बालाघाट में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

मायरा रिसोर्ट संचालक समेत 13 लोगों पर लगा करीब 5 करोड़ का बड़ा जुर्माना

एक माह के भीतर
मरना होगा जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ► बालाघाट



ए.के. अग्रवाल सहित 13 व्यक्तियों पर कुल 4 करोड़ 99 लाख 6 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया है। संबंधित पक्षों को यह राशि 30 दिनों के भीतर अपर कलेक्टर न्यायालय में जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित अवधि में राशि जमा नहीं करने पर दंड राशि बढ़कर 9 करोड़ 98 लाख 10 हजार रुपए हो जाएगी, जिसकी वसूली भू-राजस्व बकाया की तरह की जाएगी। जानकारी में आया कि संबंधित मामले में प्रशासन ने जांच की तो प्रशासनिक जांच में पाया कि ग्राम गोहारा स्थित निर्माणाधीन मायरा रिसोर्ट परिसर के लिए निजी भूमि से लगभग 35 हजार 270 घन मीटर मिट्टी एवं मुरम का अवैध रूप से उत्खनन कर परिवहन किया गया। यह उत्खनन ग्राम गोहारा के भूमि स्वामियों इतवारी ► शेष पेज 4 पर

रकने पर दंड राशि बढ़कर 9 करोड़ 98 लाख 10 हजार रुपए हो जाएगी, जिसकी वसूली भू-राजस्व बकाया की तरह की जाएगी। जानकारी में आया कि संबंधित मामले में प्रशासन ने जांच की तो प्रशासनिक जांच में पाया कि ग्राम गोहारा स्थित निर्माणाधीन मायरा रिसोर्ट परिसर के लिए निजी भूमि से लगभग 35 हजार 270 घन मीटर मिट्टी एवं मुरम का अवैध रूप से उत्खनन कर परिवहन किया गया। यह उत्खनन ग्राम गोहारा के भूमि स्वामियों इतवारी ► शेष पेज 4 पर

हरिभूमि न्यूज ► भोपाल

राजधानी सहित अधिकांश जिलों में शनिवार को प्री-मानसून बारिश का दौर कुछ देर के लिए चला। इससे शाम को गर्मी से राहत मिली। लेकिन, दोपहर में धूप और हवाओं के रफ्तार मध्यम रहने से अधिकांश जिलों में औसत पारा 3 डिग्री तक बढ़ा है। श्योपुर में सर्वाधिक 7 डिग्री की बढ़त रही। अब तीन दिन में प्रदेश के कुछ जिलों में लू ► शेष पेज 4 पर

प्रदेश में प्री-मानसून गतिविधियों में 3 से 4 दिन के लिए आएगी कुछ कमी

तीन दिन बाद कुछ जिलों में फिर लू चलेगी, कुछ में झमाझम जारी रहेगी

शनिवार को 12 से अधिक जिलों में दिन का पारा औसतन 3 डिग्री बढ़कर 40 से 42 डिग्री तक पहुंचा, नौगांव में 42.5 डिग्री रहा



एमपी नगर जल-2 का दृश्य, दोपहर 1:30 बजे

पारा बढ़ा, सामान्य से 2 डिग्री तक कम शनिवार को अधिकांश जिलों में दोपहर के समय धूप से औसत पारा 3 डिग्री तक बढ़ गया। भोपाल में 3.6 डिग्री बढ़कर 38.8 डिग्री रहा, जो नॉर्मल से 1.7 डिग्री कम है। सर्वाधिक पारा नौगांव में 42.5 डिग्री तक पहुंच गया है। करीब 12 जिलों में पारा 40 से 42 डिग्री तक रहा। पूर्वी मगध के सागर में 41.5 डिग्री रहा। सभी ► शेष पेज 4 पर

आज यहां आंधी-बारिश का अलर्ट

रविवार तक भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुर्ना, ► शेष पेज 4 पर, ► पढ़ें पेज 03 भी

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

भोपाल, रविवार 7 जून 2026



जीवन रक्षा की दिशा में मध्यप्रदेश की अभिनव पहल

24/7 पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा

जहां हर पल कीमती हो यह सेवा देती है जीवन की उम्मीद

टोल फ्री नं.
18004199006

सुविधा किसके लिए है

- आपात स्थिति विशेषकर सड़क एवं औद्योगिक दुर्घटना में गंभीर घायल
- बीमारी की गंभीर अवस्था नवजात शिशु, बच्चे, अंग प्रत्यारोपण, हृदय संबंधी आदि मामले



शुल्क

- आयुष्मान कार्ड धारक के लिए प्रदेश के भीतर तथा प्रदेश के बाहर शासकीय एवं आयुष्मान सम्बद्ध अस्पताल में निःशुल्क परिवहन
- गैर आयुष्मान कार्ड धारक के लिए प्रदेश के भीतर शासकीय अस्पताल में निःशुल्क लेकिन प्रदेश के बाहर अनुबंधित दर पर परिवहन, विशेष परिस्थितियों में निःशुल्क सुविधा
- अनुबंधित दर - ₹ 1,94,500 प्रति घंटा एवं ₹ 1,78,900 प्रति घंटा



अनुमति कैसे मिलेगी

- चीफ मेडिकल ऑफिसर/ शासकीय चिकित्सालय के डीन द्वारा अनुमोदन
- जिला कलेक्टर/कमिश्नर हेल्थ/ संचालनालय, चिकित्सा शिक्षा द्वारा स्वीकृति



बीमा सुरक्षा

- थर्ड पार्टी कवर
- हितग्राही बीमा
- मेडिकल सुरक्षा प्रावधान



एयर एम्बुलेंस में सुविधाएं

- क्रिटिकल चिकित्सा राहत एवं रात्रि परिवहन हेतु अनुभवी एवं दक्ष पायलट
- उच्च प्रशिक्षित चिकित्सक एवं पैरामेडिकल टीम
- वेंटिलेटर, ऑक्सीजन सपोर्ट, कार्डियक केस में लाइफ सेविंग सपोर्ट

निर्बाध सेवा और बैकअप व्यवस्था

- आपातकालीन सेवा के लिए 24x7 एयरक्राफ्ट तैनात
- तकनीकी खराबी या मेटेनैस की स्थिति में तुरंत बैकअप

मरीज को कहाँ ले जाया जा सकेगा

- राज्य के भीतर अथवा राज्य के बाहर सुपर स्पेशलिटी/उच्च चिकित्सा संस्थानों में

अब तक

140 लोगों ने लिया लाभ
50 से अधिक
सफल इमरजेंसी ऑपरेशन

15 सितंबर 2025 को इंदौर में एक ट्रक हादसे में मेरी बेटी संस्कृति बेहद गंभीर रूप से घायल हो गई थी। उसे प्राथमिक इलाज के बाद मध्यप्रदेश सरकार द्वारा पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से इंदौर से एयरलिफ्ट कर मुंबई भेजा गया, जहां संस्कृति का सफल इलाज हुआ। आयुष्मान कार्ड धारक न होने के बावजूद भी हमारी बेटी का निःशुल्क इलाज संभव हुआ।

- श्री अशोक वर्मा, पिता



मैरिज गार्डन, मांगलिक भवन, सामाजिक भवन
होटलों में बैंक्वेट हॉल बुक

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

अभी अधिमास चल रहा है, जो 15 जून तक चलेगा। इसके खत्म होते ही 19 जून से पुनः शादी-ब्याह के मुहूर्त शुरू होंगे, जो 12 जुलाई तक रहेंगे। इन दिनों में 18 से अधिक विवाह के मुहूर्त हैं। इस दौरान भोपाल सहित मप्र में हजारों युवक-युवती विवाह बंधन में बंधेंगे। जिन घरों में शादी है, वहां पर तैयारी शुरू होगी। इसके चलते राजधानी के मैरिज



गार्डन, मांगलिक भवन, सामाजिक भवन और होटलों में बैंक्वेट हॉल बुक हो चुके हैं।

19 जून से 12 जुलाई तक गूंजेंगी शहनाई, इस बार 18 से ज्यादा विवाह के मुहूर्त, राजधानी में करीब 1500 से ज्यादा शादियां होने का अनुमान

भोपाल में करीब 1500 से अधिक विवाह होने का अनुमान है। बड़े गार्डन और प्रीमियम वेन्यू की तारीखें तेजी से भर रही हैं। राज्य के विभिन्न दर्शनीय और पर्यटन स्थलों में प्री वेडिंग शूटिंग का भी दौर चल रहा है। वहीं कुछ लोगों की तैयारी भी चल रही है। मां चामुंडा दरबार के पुजारी पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि अधिक मास 15 जून से समाप्त हो रहे हैं। 18 जून के बाद शुक्र उदय और अन्य ग्रहों की शुभ स्थिति के

चलते विवाह के लिए अच्छे मुहूर्त उपलब्ध होंगे। 19 जून से पुनः शहनाइयां गूंजने लगेंगी, इसके साथ ही 12 जुलाई तक शादी-विवाह का सिलसिला जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि बताया कि विक्रम संवत 2083 में ज्येष्ठ अधिकांश 17 मई से 15 जून तक रहेगा। इस अवधि में विवाह, गृह प्रवेश और अन्य मांगलिक कार्य निषेध माने गए हैं। इसके चलते अब 19 जुलाई से विवाह होंगे।

छह सूर्य संक्रांतियों में नहीं होता विवाह

पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि पंचांग में विवाह मुहूर्त का निर्णय सूर्य संक्रांतियों और गुरु व शुक्र तारे के उदय से देखा जाता है। उन्होंने बताया कि कर्क, सिंह, कन्या, तुला, धनु और मीन सूर्य क्रांतियों में विवाह नहीं होता। हिंदू पंचांग सूर्य संक्रांतियों व चंद्रमा की गति पर आधारित होता है, जबकि अंग्रेजी कैलेंडर लगभग 365 दिन 6 घंटे का होता है, जबकि चंद्र वर्ष करीब 354 दिन का माना जाता है। इस बार कर्क संक्रांति के बाद मंडली नवमी होने की वजह से इस बार मंडली नवमी पर विवाह मुहूर्त नहीं होगा।

यह विवाह मुहूर्त
19 जून से 12 जुलाई के बीच 18 दिन विवाह मुहूर्त रहेंगे। इसके बाद 16 जुलाई से 8 अगस्त तक गुरु तारा अस्त रहेगा, जबकि 25 जुलाई से 20 नवंबर तक देव शरणी व चतुर्मास होने से विवाह नहीं होंगे। इसके बाद नवंबर और दिसंबर में सीमित मुहूर्त उपलब्ध रहेंगे।
जून- 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29
जुलाई- 01, 02, 06, 07, 08, 11, 12
नवंबर - 20, 21, 22, 24, 25, 26, 30
दिसंबर - 01, 02, 03, 04, 05, 06, 09, 10, 11 व 12 तक

परेशान पार्शट बोले- हर 15 दिन में नाले की करवा रहे हैं सफाई, लोगों से भी सहयोग की उम्मीद

घनी आबादी वाले इलाकों में नालों की सफाई में आ रही मुश्किलें, निकल रहे रजार्ई, गद्दे, तकिए



जेसीबी के माध्यम से की जा रही नाले की सफाई।

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

नगर निगम भले ही शहर में नालों की सफाई का काम 90 फीसदी पूरा होने का दावा कर रहा हो, लेकिन, लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट है। शहर के कई बड़े नाले अब भी गंदगी से पटे हैं। जबकि घनी आबादी वाले इलाके में तो सफाई करना ही मुश्किल भरा बन गया है। वार्ड-41 के जिस नाले की सफाई 15 दिन पहले हुई थी वो

जब जेसीबी के साथ नाला सफाई टीम पहुंची तो सफाई के दौरान छोटे नाले से रजार्ई, गद्दे, तकिए तक निकले। मौके पर मौजूद स्थानीय पार्शट इस बात को लेकर नाराज भी हुए



कचरे से पटा पुल पातरा नाला।

देबारा चोक हो गया। शनिवार को जब जेसीबी के साथ नाला सफाई टीम पहुंची तो सफाई के दौरान छोटे नाले से रजार्ई, गद्दे, तकिए तक निकले। मौके पर मौजूद स्थानीय पार्शट इस बात को लेकर नाराज भी हुए। उन्होंने लोगों से ऐसा नहीं करने की अपील की। संकरे इलाके का यह नाला अगर बारिश में ओवर फ्लो हुआ तो निचले इलाकों में जल भराव के हालात बन सकते हैं। इधर महापौर और निगम आयुक्त ने सख्त निर्देशों के बावजूद शहर के कई नाले अब भी

सोनिया कॉलोनी, अहमद नगर, हाउसिंग बोर्ड सहित शहर के कई नालों में भरा कचरा

बारिश सिर पर, संजय नगर पातरा पंचशील नालों की सफाई अधूरी

भोपाल। राजधानी में 20 जून तक मानसून आने की उम्मीद है, ऐसे में तेज बारिश होने पर शहर के लोगों को नालों के उफान पर आने से दिक्कत हो सकती है। शहर के संजय नगर, पातरा, पंचशील, साकेत नगर, स्लाटर हाउस, नया बसेरा, सोनिया कॉलोनी, अहमद नगर, हाउसिंग बोर्ड, काजीकैप अशोक गार्डन समेत एक दर्जन नाले ऐसे हैं, जो तेज बारिश होने से उफान पर आ जाते हैं। ऐसे में किनारे के इलाकों में पानी भर जाता है। छान, बागमगुलिया, जाटखेड़ी, छोला, मानपुर, रासलाखेड़ी, शिवनगर, निशातपुरा, नेवरी, पंचशील नगर इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। बावजूद इसके अब तक इन नालों की सफाई नहीं की गई है। निगम कमिश्नर संस्कृति जैन ने जोन अफसरों को बारिश के दौरान जल भरवा वाले प्लांट की नोट कर उनके यहां जल निकासी का इंतजाम करने की हिदायत दी। इन जगहों पर चार साल पहले 2022 में भी बाढ़ के हालात बने थे। दरअसल शहर के करीब 38 बड़े



पुष्पा नगर के नाले में गंदगी।

मुहिम से जुड़ने दूसरों को किया प्रेरित
एसपीएम कॉलेज: पौधे रोप कर मनाया पर्यावरण दिवस



एसपीएम कॉलेज में पौधरोपण।

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

राजधानी स्थित शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण अभियान का आयोजन किया गया। यह पर्यावरण-हितैषी पहल महाविद्यालय की एनसीसी, एनएसएस और ईको क्लब के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुई। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस स्वयंसेवकों ने न केवल

हर शनिवार को स्कूलों में मेगा अपार दिवस का किया जाएगा आयोजन
छात्रों के सभी शैक्षणिक रिकॉर्ड रहेंगे डिजिटल रूप से सुरक्षित

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

प्रदेश के हर विद्यार्थी विशिष्ट अपार आईडी तैयार कराई जाएगी। इसके साथ ही विद्यार्थी के सभी शैक्षणिक रिकॉर्ड डिजिटल रूप से सुरक्षित किए जाएंगे। प्रत्येक शनिवार को सभी स्कूलों में मेगा अपार दिवस का 30 जून तक आयोजन किया जाएगा। यह बदलाव स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विशेष अभियान के तहत किया जाएगा। दरअसल, प्रदेश के सभी विद्यार्थियों का शैक्षणिक रिकॉर्ड डिजिटल रूप से सुरक्षित और एक ही जगह पर उपलब्ध हो, इस उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश में अपार आईडी निर्माण के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी की अपार आईडी बनाने का कार्य किया जाएगा।

सूची की तैयार

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जिले एवं विकासखंड-वार "अपार आईडी विहीन विद्यार्थियों" की विद्यालयवार सूची तैयार कर मेदानी अधिकारियों को उपलब्ध कराई गई है। जिन विद्यार्थियों के पास आधार नहीं है, उनके लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जिला आधार नामांकन केंद्र, बैंक/ डाकघर के माध्यम से आधार नामांकन का कार्य भी प्राथमिकता से करवाया जा रहा है। जिससे आधार के अभाव में इस अपार आईडी के निर्माण में कोई बाधा ना आए।

30 जून तक होगा खास आयोजन

प्रदेश में है 1 करोड़ 39 लाख से अधिक स्कूली विद्यार्थी

स्कूल शिक्षा के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में लगभग 1 करोड़ 39 लाख 38 हजार स्कूली विद्यार्थियों की अपार आईडी बनाई जाएगी। अब तक 93 लाख 97 हजार विद्यार्थियों की अपार आईडी का निर्माण हो चुका है। शेष 44 लाख 41 हजार विद्यार्थियों की अपार आईडी का निर्माण आगामी 30 जून तक पूरा जाएगा। प्रदेश के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में नर्सरी से कक्षा 12वीं तक लगभग 1 करोड़ 39 लाख 38 हजार विद्यार्थी नामांकित हैं। इनमें शासकीय स्कूलों के 70 लाख 09 हजार 516 विद्यार्थी तथा अशासकीय स्कूलों के 69 लाख 28 हजार 218 विद्यार्थी शामिल हैं।

प्रधानाध्यापक होंगे उत्तरदायी

विद्यार्थियों को अपार आईडी पंजीयन में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े, इसके लिए भारत सरकार द्वारा अपार पोर्टल पर विद्यार्थी के पंजीयन के अधिकार संबंधित शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्य एवं प्रधानाध्यापकों को प्रदान किए गए हैं। विद्यार्थी अपनी शाला के प्राचार्य से संपर्क कर अपनी अपार आईडी तैयार करवा सकते हैं। स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि शालावार शत प्रतिशत विद्यार्थियों की अपार आईडी तैयार करवाने के लिए स्कूल के प्राचार्य ही उत्तरदायी होंगे।

क्या है अपार आईडी

अपार आईडी 12 अंकों की एक विशिष्ट पहचान संख्या है। यह छात्र के शैक्षणिक जीवन का डिजिटल पहचान पत्र है। विद्यार्थी के जीवन भर के शैक्षणिक रिकॉर्ड को सुरक्षित रखती है। मार्कशीट, डिग्री, वैज, पुरस्कार, प्रमाणपत्र एवं उपलब्धियों का डिजिटल संग्रह करती है।

फलों के सुंदर कुंज में विराजे श्री राधावल्लभ लाल



श्री राधावल्लभ जी का अद्भुत श्रृंगार।

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

अधिक मास के पावन अवसर पर श्री हित रसिक राधावल्लभ मंदिर इतवारा में ठाकुर श्री राधावल्लभ लाल फलों के मनोहर कुंज में विराजमान हुए। इस विशेष कुंज को आम, अमरं, सेब, अनार, केले तथा विभिन्न ऋतु-फल एवं हरित लताओं से सुसज्जित किया गया। रंग-बिरंगे फूलों से निर्मित इस अनुपम कुंज ने सम्पूर्ण मंदिर परिसर को वृंदावन की प्राकृतिक छटा से आलोकित कर दिया। वैष्णव परंपरा में फल समर्पण को प्रेम, माधुर्य एवं सेवा-भाव का प्रतीक माना जाता है।

प्रभु का मनोहारी श्रृंगार



श्रीजी मंदिर में प्रभु श्रीनाथजी का सफेद वस्त्र के साथ सर पर मोती का कतरा एवं कमल मोती की माला से सिंगार किया है। संख्या काल में प्रभु पुष्प वितान में विराजमान किया गया। स्वा कुंटल मोगरे एवं 500 कमल से निर्मित वितान में प्रभु विराजमान हुआ वारों नरक मोगरे एवं पुष्प की सुगंध महक रही थी प्रभु के पास गो गोपियां एवं क्वाल थे। इसके पीछे ये भावना है सखियों ने पुष्पों से निर्मित सुंदर महल प्रभु के लिए निर्मित किया था। उसमें प्रभु और स्वामी निजी सुख से विराजमान हुए।

करोड़ों के बजट के बावजूद भोपाल स्टेशन का ठीक नहीं ड्रेनेज सिस्टम, आरकेएमपी व बीना स्टेशन पर गंदगी

कई बार स्टेशनों का आला-अधिकारी कर चुके निरीक्षण, फिर पानी हो रहा इकट्ठा, गंदगी ही गंदगी



भोपाल स्टेशन पर गंदगी का आलम

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

भोपाल रेल मंडल सहित देशभर के स्टेशनों पर स्वच्छता व सफाई को लेकर रेलवे की ओर से करोड़ों रुपए का बजट हर साल जारी किया जाएगा। इसके बाद भी भोपाल मंडल के स्टेशनों पर सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं दिखाई दे रहा है। स्टेशनों पर सफाई व्यवस्था को लेकर कई बार आला-अधिकारी निरीक्षण कर चुके हैं। लगातार दिशा-निर्देश जारी कर चुके हैं। इसके बाद भी व्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रही है। भोपाल स्टेशन पर जहां ड्रेनेज सिस्टम नहीं ठीक नहीं होने से यहां पर पानी जाम होता रहता है। इसी तरह आरकेएमपी स्टेशन का हाल है। तो बीना स्टेशन से भी लगातार गंदगी की शिकायतें यात्रियों द्वारा रेलवे अधिकारियों से की जा रही है।

ड्रेनेज सिस्टम ठीक नहीं

भोपाल स्टेशन रेलवे बोर्ड स्तर से लेकर जीएम व डीआरएम कई बार निरीक्षण के बाद भी अधिकारी भोपाल रेलवे स्टेशन का अंडर ग्राउंड ड्रेनेज सिस्टम ठीक नहीं करा सके। इसके चलते यहां पर लगातार नालियों से गंदे पानी की निकासी नहीं होती, मछर पनपते हैं। गंदगी के कारण चूहे, कोंकरोच पनप रहे हैं। वहीं भोपाल स्टेशन पर गंदगी व पान की पौक को लेकर पहले हरिभूमि ने प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी। इसको लेकर अधिकारी ने जल्द ही सफाई कराने की बात कही थी। लेकिन अभी वहां



पटरी पर गंदगी।

गंदगी को साफ नहीं किया गया। आम यात्रियों को इनका शिकार होना पड़ रहा है। जबकि आला-अधिकारियों ने निरीक्षण कर समस्या का समाधान करने के दिशा-निर्देश दे चुके हैं। लेकिन समस्या जस के तस बनी हुई है। बता दें कि भोपाल रेलवे स्टेशन का अंडर ग्राउंड ड्रेनेज सिस्टम ठीक नहीं होने से यहां पर पानी जाम होता है। बांच प्रमुखों में सनन्वय की कमी भोपाल स्टेशन के कार्यालय के लिए कुछ बांच प्रमुख गंभीर नहीं हैं। इसका नालियों का स्लोप ठीक नहीं होगा।

वर्ल्ड क्लास रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर कचरा, यात्री गंदगी से हो रहे परेशान

100 करोड़ की लागत से तैयार देश के पहले वर्ल्ड क्लास रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर अवसर गंदगी का अंबार लगा रहता है। इसके चलते यात्रियों को खाली परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तो वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान को सकार नहीं होने दे रही है। यहां पर रेलवे पटरियों के बीच गंदगी जाम है। कई बार ट्रेनों की रफ्तार से कचरा व गंदगी पंजी



पटरी पर गंदगी।

उठकर यात्रियों के आस-पास तक पहुंच जाती है। इसी तरह बीना स्टेशन पर भी यात्री गंदगी से परेशान हैं। यहां पर पानी के नालों के आस-पास जमा गंदगी से लोग परेशान हैं। इसको लेकर लगातार शिकायतें आ रही हैं।

IES UNIVERSITY®
B H O P A L
DEPARTMENT OF AGRICULTURE SCIENCES
JUNIOR RESEARCH FELLOW (JRF)
Research Project entitled –
Maximizing tomato crop value through nano zinc
Applications under different growing conditions:
An Integrated Field-to-Fork Study
Salary – Rs 20000/- per month for one year,
Qualification – M.Sc. Agriculture / Horticulture
Principle Investigator : Dr. Vishal Vijayvargiya, Co-PI: Ms. Pratima Jaiswal
Send your latest CV – drvishal.vijayvargiya@iesuniversity.ac.in
IES Campus, Ratibad Main Road, Bhopal. Call 7073985738

खबर संक्षेप

नक्शा संशोधन प्रकरण के निराकरण के निर्देश

भोपाल। लघु उद्योग भारती, मप्र द्वारा प्रदेशभर के उद्यमियों एवं औद्योगिक इकाइयों की समस्याओं के निराकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों को बड़ी सफलता मिली है। पिछले दिनों संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न विभागों के मंत्रियों, प्रमुख सचिवों एवं वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर उद्योग, कृषि प्रसंस्करण, ऊर्जा, वेयरहाउसिंग, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान कई वर्षों से लंबित विषयों के निराकरण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई तथा अनेक मामलों में त्वरित निर्णय लिए गए हैं। इसके साथ ही एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप के निवास पर आयोजित लगभग पांच घंटे की मेराथन उच्चस्तरीय बैठक रही, जिसमें उद्योग आवृक्त दिलीप कुमार (आईएसएस) सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में प्रदेशभर से प्राप्त उद्योगों एवं उद्यमियों की समस्याओं पर चर्चा की गई तथा कई विषयों पर निर्णय लिए गए। बैठक की सबसे बड़ी उपलब्धि कटनी के बरगवां औद्योगिक क्षेत्र से संबंधित 15 वर्षों से अधिक समय से लंबित नक्शा संशोधन प्रकरण के निराकरण के लिए तत्काल कार्रवाई के निर्देश रहे। इसके अतिरिक्त वर्षों से लंबित लीज प्रकरणों तथा प्रशासनिक मामलों के समाधान हुआ।

बिजली सप्लाई नहीं होने से जलापूर्ति में भी रुकावट

हरिभूमि न्यूज ►► मोपाल

कटारा हिल्स स्थित बीडीए कॉलोनी के गौरीशंकर परिसर में बिजली कंपनी की लापरवाही का खामियाजा सैकड़ों रहवासी भुगत रहे हैं। ट्रांसफार्मर के चार में से तीन फेज उड़ जाने के कारण पिछले तीन दिनों से इलाके के कई घरों में बिजली आपूर्ति ठप है।

लागातार शिकायतों के बावजूद बिजली कंपनी के अधिकारियों ने समस्या के समाधान की कोई कोशिश नहीं की। रहवासियों का आरोप है कि तीन दिन पहले विवेकानंद बिजली कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई गई थी, लेकिन ट्रांसफार्मर की खराबी दूर नहीं की गई।

ट्रांसफार्मर के तीन फेज उड़ने से तीन दिन से अंधेरे में कॉलोनी, पानी के लिए तरसे लोग, एई बोलीं- जो करना है कर लो, हम आपके नौकर नहीं

कटारा हिल्स स्थित बीडीए कॉलोनी गौरीशंकर परिसर में बिजली सप्लाई हो रही बाधित



टंकियों में पानी आने का इंतजार करते कॉलोनी के रहवासी।

बिजली नहीं होने से जलापूर्ति प्रभावित

शनिवार को स्थिति तब और गंभीर हो गई, जब परिसर में पानी की सप्लाई बंद हो गई और लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ा। रहवासियों ने वाटर प्लांट पर संपर्क किया तो वहां से बताया गया कि पानी पर्याप्त मात्रा में है, लेकिन बिजली नहीं होने से सप्लाई नहीं की जा सकती। इससे लोगों में आक्रोश बढ़ गया। जब रहवासी शिकायत लेकर संबंधित सहायक यंत्री (एई) रेणुका के बिजली कार्यालय पहुंचे तो वे मौजूद नहीं थीं। करीब दो घंटे बाद फोन उठाने पर उन्होंने कथित तौर पर कहा, 'जो करना है कर लो, जब मन होगा तब ट्रांसफार्मर की लाइट सही करवाएंगे। हम आपके नौकर नहीं हैं।'



बिजली दफ्तर शिकायत करने पहुंचे कॉलोनी के लोग।

जनवरी से मार्च तक नियमित ई-अटेंडेंस लगाने वाले लोक सेवक माने जाएंगे पात्र

तबादला नीति जारी: कल से शुरू होंगे आवेदन... ई-अटेंडेंस बनेगी आधार

हरिभूमि न्यूज ►► मोपाल

प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग में पदस्थ शिक्षकों व गैर शैक्षणिक स्टाफ के लिए तबादला नीति जारी कर दी गई है। प्रशासनिक एवं स्वीच्छिक स्थानांतरण के लिए जारी की गई नीति-2026 के तहत प्रक्रिया 8 जून से शुरू हो जाएगी और 15 जुलाई 2026 तक चलेगी। पहले तबादले प्रशासनिक और इसके बाद स्वीच्छिक आधार पर किए जाएंगे। आगामी वर्षों के लिए अलग से तबादला नीति जारी नहीं की जाएगी। प्रशासनिक स्थानांतरण प्रस्तावों का पंजीयन 8 जून और अंतर्जिला स्थानांतरण के लिए 8 से 15 जून तक आवेदन किए जा सकेंगे। जिला केंद्र-संभाग और राज्य केंद्र स्थानांतरण के लिए 8 से 17 जून तक आवेदन होंगे।

स्वीच्छिक स्थानांतरण के लिए ऐसे लोक सेवक पात्र होंगे, जिनके द्वारा नियमित ई-अटेंडेंस लगाई जा रही हो। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में जनवरी से मार्च तक नियमित करेंगे, हालांकि इसके लिए ऐसे लोक सेवक पात्र होंगे, जिनके द्वारा नियमित ई-अटेंडेंस लगाने वाले लोक सेवक पात्र माने जाएंगे। स्थानांतरण आदेश लागू होने के बाद कर्मचारी का वेतन पुराने संस्थान से नहीं निकलेगा। आदेश का पालन नहीं करने, बिना अनुमति अवकाश पर जाने या कार्यभार ग्रहण नहीं करने नाम, पता सहित अन्य जानकारी अपडेट कर सकेगा।

70 दुकान और 42 झुग्गियों से अटका था प्रोजेक्ट दस साल से अटका फोरलेन प्रोजेक्ट होगा पूरा, शाम छह बजे तक चला बुलडोजर

हरिभूमि न्यूज ►► मोपाल

पिपलानी-इंद्रपुरी के लेबर कॉलोनी में शुक्रवार सुबह जिला प्रशासन के अमले ने दस साल से अटके भोपाल-रायसेन फोरलेन प्रोजेक्ट की जड़ में आ रही 70 दुकानें और 42 झुग्गियों को जमींदोज किया गया। जिसके लिए टीम सुबह छह बजे पहुंच गई थी। जिस में एस डी एम भुवन गुप्ता और तहसीलदार सौरभ वर्मा समेत जिला प्रशासन के 20 से अधिक अधिकारी और पुलिस बल के 100 से ज्यादा जवान तैनात रहे।

यहां से हटाए गए परिवारों को लालपुरा जमुनिया में जगह दी जा रही है। अतिक्रमण हटाने से अधूरे ब्रिज को बनाने का पूरा हो सकेगा। इसके लिए 112 अतिक्रमण हटाए गए। इससे सीधे 3 लाख आबादी को मिलेगा फायदा होगा। सड़क के करीब 210 मीटर हिस्से में दुकानें, मकान और झुग्गियां बन जाने से यातायात प्रभावित हो रहा था। इसके चलते एक तरफ की सड़क का काम पूरा अधूरा पड़ा हुआ था।

लालपुरा जमुनिया में दी जाएगी विस्थापितों को जगह

पिपलानी-इंद्रपुरी के लेबर कॉलोनी में मलबे को हटाती जेसीबी।



सड़क पर बहते सीवेज से परेशान वाहन चालक।

आरिफ नगर के सामने चैंबर ओवरफ्लो, रोड पर गंदगी

भोपाल। शहर के व्यस्ततयातायात के दबाव वाले आरिफ नगर रोड पर शनिवार को एक चैंबर ओवरफ्लो हो गया। रोड पर गंदा पानी भर गया। इसके चलते वाहन चालकों को गंदे पानी के भराव के बीच गुजरना पड़ा।

मेगा ब्लॉक की यात्रियों को नहीं थी सूचना, ट्रेन लेट होने से देरी से पहुंचे यात्री

हरिभूमि न्यूज ►► मोपाल

भोपाल रेल मंडल के बीना-विदिशा रेलखंड पर शनिवार को मेगा ब्लॉक लिया गया। इसके चलते कई प्रमुख ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ। पर्वई रेलवे स्टेशन पर चल रहे तकनीकी और रखरखाव कार्यों के चलते मुंबई - गोरखपुर पंजाब मेल और बिलासपुर एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें देरी से चलीं, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। किसी ट्रेन को एक घंटा, किसी को 30 मिनट तक रोका रखा गया। इसके चलते गर्मी व उमस से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। भोपाल से बीना जाने वाले कुछ यात्रियों ने बताया कि इस संबंध में रेलवे की ओर से पहले कोई सूचना जारी नहीं की गई थी। इसके चलते उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा।

पंजाब मेल समेत कई ट्रेनों को विदिशा, सांची में रोका, उमस से घंटों तक परेशान हुए यात्री

यात्रियों को आगे की यात्रा और कनेक्टिंग ट्रेनों के समय को लेकर असुविधा का सामना करना पड़ा

विदिशा में पंजाब मेल एक घंटे खड़ी रही

भोपाल से मुंबई-गोरखपुर की ओर जाने वाली पंजाब मेल एक्सप्रेस को शनिवार सुबह करीब 10:45 बजे विदिशा रेलवे स्टेशन पर पहुंची। इसके बाद मेगा ब्लॉक के कारण यह ट्रेन लगभग एक घंटे तक स्टेशन पर खड़ी रही। सुबह 11:45 बजे इस बीना की ओर रवाना की गई। इसी तरह भोपाल से बीना की ओर जाने वाली बिलासपुर एक्सप्रेस भी इस ब्लॉक से प्रभावित हुई। इस ट्रेन को सांची रेलवे स्टेशन पर 35 मिनट तक रोका गया। ट्रेनों के देरी होने के कारण यात्रियों को परेशानी हुई, तो कई यात्रियों को अपनी आगे की यात्रा और कनेक्टिंग ट्रेनों के समय को लेकर असुविधा का सामना करना पड़ा। रेलवे अधिकारी का कहना था कि पर्वई स्टेशन पर आवश्यक तकनीकी और रखरखाव कार्यों के लिए यह मेगा ब्लॉक लिया गया था। ब्लॉक के दौरान इस रेलखंड से गुजरने वाली ट्रेनों का संचालन नियंत्रित गति से किया गया। ब्लॉक समाप्त होने के बाद ट्रेनों का संचालन धीरे-धीरे सामान्य कर दिया गया।

मध्यम हवाओं के साथ पड़ी बौछारों के बाद गर्मी में कमी शाम को कहीं बौछारें, कहीं उड़ी धूल, देर रात हुई हल्की बारिश

हरिभूमि न्यूज ►► मोपाल

शनिवार को शहर में सुबह से आसमान साफ रहने से तेज धूप का असर रहा। दोपहर बाद इंदौर की ओर से आए बादलों से मध्यम हवाओं के साथ बैरिसिया से लेकर भानपुर, गांधी के कुछ हिस्से, अयोध्या नगर, पटेल नगर, राजीव नगर, भेल इलाके, पिपलानी, कटारा हिल्स सहित शहर के बाहरी हिस्सों में कुछ देर मध्यम से तेज बौछारें पड़ीं। इस बीच आदि इलाकों में बौछारें नहीं पड़ने से धूल उड़ती रही। देर रात तक कुछ इलाकों में बौछारें पड़ीं। इससे तेज गर्मी से कुछ राहत मिली।

रात का पारा बढ़कर भी सामान्य से 5 डिग्री कम

शहर में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात का पारा 2.2 डिग्री बढ़कर 22 डिग्री पर रहा। यह नॉर्मल से 5 डिग्री कम है। इससे रात में उमस और तेज गर्मी से राहत रही। यह क्रम रविवार और सोमवार को भी जारी रह सकता है। शहर में अगले दो से तीन दिन मौसम का मिजाज ऐसा ही रहने से फिलहाल भीषण गर्मी को उम्मीद नहीं है।

टनल बोरिंग मशीन रोजाना दो से तीन मीटर तक कर रही खुदाई, रिहायशी क्षेत्र होने से गति धीमी

पुल पातरा पर अंडरग्राउंड टनल के अंतिम छोर पर खुदाई का काम तेज...दूसरी टनल के लिए मशीन तैयार



पुल पातरा पर अंडरग्राउंड टनल के अंतिम छोर पर खुदाई करती जेसीबी।

मेट्रो प्रशासन का तर्क- कमी भी शुरू हो सकता है दूसरी टनल का काम

मेट्रो प्रशासन का कहना है कि एक ही दिशा में दूसरी टनल बनाने के लिए खुदाई करने का काम कभी भी शुरू हो सकता है। इसके लिए तैयारियां पूरी हो चुकी हैं जबकि पुल पातरा पर भी काम तेज कर दिया गया है।

दोनों मशीनें पुल पातरा से निकलेंगी बाहर

रेलवे स्टेशन से पुल पातरा तक टनल का बनाने का काम पूरा होने के बाद टनल बोरिंग मशीनें बाहर निकाली जाएंगी। यह मशीनें दोबारा रेलवे स्टेशन पहुंचाई जाएंगी। इन्हीं मशीनों से नादरा बस स्टैंड तक अंडरग्राउंड टनल बनाने का काम शुरू होगा।

टीबीएम को बूस्टिंग थ्रस्ट देने का काम पूरा

अल्पना तिरहों पर पहले अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन से टनल बनाने का काम टीबीएम ने 30 मार्च से शुरू किया था। धीरे-धीरे मशीन आगे बढ़ रही है। रिहायशी क्षेत्र होने के कारण दो से तीन मीटर खुदाई की जा रही है। जबकि समतल क्षेत्र में मशीन की क्षमता 14 मीटर खुदाई की है। पुल पातरा पर टनल का काम पूरा होने पर मशीन को इसी जगह से बाहर लाया जाएगा। जबकि इसी दिशा में दूसरी टनल बनाने के लिए टीबीएम को बूस्टिंग थ्रस्ट देने का काम पूरा कर लिया गया है।

कलेक्टोरेट में होगा नई बिल्डिंग का निर्माण अब कृषक छात्रावास में शिफ्ट किया कृषि विकास कार्यालय

हरिभूमि न्यूज ►► मोपाल

कलेक्टोरेट में नई बिल्डिंग निर्माण किया जाना है, जिसको लेकर दफ्तरों को दूसरी जगहों पर अस्थायी तौर पर शिफ्ट किया जा रहा है। शनिवार को संभागीय किसान कल्याण एवं कृषि विकास कार्यालय को अस्थायी रूप से बरखेड़ी कलां स्थित संभागीय कृषक छात्रावास भवन में शिफ्ट कर दिया गया है।

उप संचालक कृषि सुमन प्रसाद ने बताया कि कलेक्टोरेट परिसर में निर्माण का काम शुरू होने से कार्यालय भवन खाली किया जाना है। इसके तहत विभागीय कार्यालय को राज्य स्तरीय कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर बरखेड़ीकलां में संचालित किया जा रहा है। अब यहां आना पड़ेगा।

जी-7 और जी-7 बिल्डिंग बनेंगी

कलेक्टोरेट, संगम कमिश्नर और आईजी दफ्तर को मिलाकर जी-7 और जी-2 बिल्डिंग बनाई जा रही है। हाउसिंग बोर्ड ने इसके लिए 217.96 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया है। प्रस्तावित जी-7 कार्यालय भवन के साथ आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

जैकेट एक का शेष

पहले शिव एवं ...

प्रदेश अध्यक्ष और दोनों प्रत्याशी कार्यालय परिसर स्थित शिव एवं हनुमान मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना कर जीत का आशीर्वाद लिया। इसके बाद सभी नेता विधानसभा के लिए रवाना हुए। राज्यसभा नामांकन दाखिल करने से पहले रजनीश अग्रवाल की पत्नी ने तिलक लगाकर उनकी आरती उतारी। वह परिवार के आशीर्वाद के साथ नामांकन के लिए रवाना हुए। राजनीतिक सफर के अहम पड़ाव से पहले घर में पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। इस दौरान उनकी पत्नी भावुक दिखीं।

क्या बोले भाजपा...

मिल रहा है। सामान्य कार्यकर्ता को बड़ी जिम्मेदारी देने का कार्य सिर्फ भाजपा में ही संभव है, अन्य किसी भी दल में ऐसा नहीं होता। उन्होंने कहा कि संगठन कार्यकर्ताओं का ऐसा नियोजन करता है कि साधारण कार्यकर्ता भी संगठन और शासन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाते हुए देश और समाज की सेवा कर सके।

लैटिन अमेरिकी देशों ...

अधिकारी- प्रतिनिधि शामिल हुए। मप्र के व्यापार और निवेश की दृष्टि से ये दिन बेहद खास रहा। भारत के साथ-साथ मप्र के भी लैटिन अमेरिका-कैरिबियन (एलएसी) देशों के साथ व्यापार निवेश संबंध गहरे हुए। मप्र ने इन देशों के बीच खुद को निवेश के केंद्र के रूप में स्थापित किया। प्रदेश ने लैटिन अमेरीकी-कैरिबियन देशों की फार्मा, ऑटोमोबाइल, टेक्स्टाइल, खाद्य प्रसंस्करण और सेवा क्षेत्रों में ठोस साझेदारियां बनाने का प्रयास किया।

पेरू के साथ

डिफेंस सेक्टर, टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में मप्र ने अपनी अलग पहचान बनाई है। प्रदेश में उद्योगों की स्थापना के लिए पर्याप्त लैंड बैंक है और मध्यप्रदेश लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी का प्रमुख हब बन चुका है।

भारत के लिए ...

अवसर है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में लैटिन अमेरिकी देशों के साथ मप्र का निर्यात लगभग 3 हजार 835 करोड़ तक पहुंच गया है। यह 19 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। फार्मा सेक्टर के निर्यात में प्रदेश विशेष स्थान रखता है। ब्राजील, मैक्सिको, अर्जेंटीना, पेरू, कोलंबिया जैसे कई देशों के साथ मप्र निर्यात गतिविधियों को आगे बढ़ा रहा है। हम मिलकर ग्रीन एनर्जी, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल टेक्नोलॉजी, माइनिंग जैसे क्षेत्रों में नया इतिहास रच सकते हैं।

जो एक बार...

करा रहा है। पीथमपुर ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग प्रोडक्ट, इंडस्ट्रियल पैकिंग में मप्र की रीढ़ की तरह है। ब्राजील की औद्योगिक जरूरतों के लिए मप्र सबसे भरोसेमंद और सप्लाई चेन पार्टनर की भूमिका निभा सकता है। इंदौर तेजी से बढ़ते

जैकेट दो का शेष

भारत-बांग्लादेश सीमा...

जिम्मेदारी है। इस नए सुरक्षा खिंड के तहत जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक और स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों को सीधे तौर पर सीमा निगरानी तंत्र से जोड़ा जाएगा। इसके साथ ही क्षेत्र में टोटल टैरिटरियल डिफेंस मॉडल लागू किया जाएगा, जिसके अंतर्गत सीमावर्ती गांवों के नागरिकों को तस्करी और देश विरोधी हरकतों से निपटने के लिए जागरूक व प्रशिक्षित किया जाएगा।

सिंडिकेट को ध्वस्त ...

भारत-बांग्लादेश सीमा के पास पिछले 5 वर्षों में हुए जमीन के सौदा और वित्तीय लेनदेन के रिकॉर्ड की गहन जांच की जाए। संदिग्ध भू-माफियाओं, बड़े अवैध निर्माणों, जाली मुद्रा (फेक करेंसी) और ड्रग्स तस्करी के सिंडिकेट को ध्वस्त करने के लिए केंद्रीय व प्रांतीय जांच एजेंसियां मिलकर सघन अभियान चलाएंगी।

पिता को शांति ...

खाली करने का आदेश दिया। हाईकोर्ट ने भी इस पर मुहर लगाई थी। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि यह दावे की कमी का पैतृक संपत्ति है और इस पर बेटे का भी कानूनी अधिकार है। साथ ही दलील दी गई कि बेइखली से उसकी पत्नी और बच्चे बेघर हो जाएंगे।

तेल की कीमतों...

निर्माताओं के लिए प्रमुख चिंता का विषय बने हुए हैं। यह विचार-विमर्श ऐसे समय में हो रहा है, जब सरकार ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बढ़ती अनिश्चितता और भारत सहित प्रमुख आयातक देशों पर इसके संभावित प्रभाव के बीच क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रही है।

व्यापार के लिए ...

संबंधी बोझ को कम करने, सेवा विवरण में सुधार करने और नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के उद्देश्य से किए गए सुधारों सहित कई मुद्दों पर चर्चा की गई।

पीएम मोदी ने

और आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान तक के लगातार वैश्विक संकटों का जिक्र किया।

पीएम मोदी के ...

आर्थिक संकट से जूझ रही है, भारत की 7.7 प्रतिशत की विकास दर दुनिया के प्रमुख अर्थव्यवस्था से कई अधिक है, जो पिछले 12 वर्षों में हमारी अर्थव्यवस्था द्वारा हासिल की गई मजबूती का प्रमाण है।

अभिजीत दीपके ने ...

अभिजीत सुबह ही अमेरिका से दिल्ली लौटे थे। वे एयरपोर्ट से सीधे जंतर-जंतर पहुंचे थे।

कुछ ताकतें युवाओं

बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के युवा राष्ट्र निर्माण और अपने भविष्य को सुरक्षित करने में विश्वास रखते हैं तथा वे किसी के हाथ की कठपुतली नहीं बनेंगे।

नवोदित खिताब ...

जिसके उन्हें पूरे 3 अंक मिले। इस जीत के साथ उन्होंने कुल 18 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर खिताब अपने नाम कर लिया। दिन की शुरुआत में वह 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर थे, लेकिन आखिरी राउंड में बेहतरीन प्रदर्शन कर उन्होंने सभी को पीछे छोड़ दिया। इस जीत की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि प्रधानंद ने इस टूर्नामेंट में विष्वक् नंबर-1 मैनेजस कार्लसन को दो बार क्लासिकल मुकाबलों में हराया।

पीएम बोले-यह अद्भुत उपलब्धि: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नॉर्वे शतरंज

गोड, निस्तोर, मनोहर, अनुस्तिन, चैनसिंह, सीताबाई, मेटुबाई और शांताबाई की भूमि से किया गया। जांच में यह भी पाया गया कि उत्खनन एवं परिवहन कार्य में जेसीबी मशीनों तथा डम्पर वाहनों का उपयोग किया गया।

तीन दिन बाद कुछ...

की वापसी होगी। विशेषकर पूर्वी मप्र के जिलों में भीषण गर्मी का दौर चार से पांच दिन के लिए लौटेगा। प्रदेश के पश्चिमी और उत्तरी हिस्सों में प्री-मानसून मध्यम रहने से गर्मी का असर कुछ कम रहेगा। भोपाल में भी हल्की बौछारों और खुंदबांदी के बीच तेज हवाओं से तापमान में 3 से 4 डिग्री तक

कार्यालय वनमंडल अधिकारी वनमंडल बैतूल (उत्पादन) म.प्र.

दूरभाष क्रमांक 07141-234408

क्रमांक / स्टोर/2026/12

ई-निविदा सूचना

Email- dfopbetul@mp.gov.in

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वन वृत्त बैतूल अंतर्गत उत्पादन वनमण्डल बैतूल अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-2027 (31 मार्च 2027) तक कार्यालयीन उपयोग हेतु लगने वाली स्टेशनरी / सफाई सामग्री के क्रय हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र की शर्तें एवं विस्तृत जानकारी हेतु मध्यप्रदेश की वेबसाईट <https://mptenders.gov.in> पर लॉग ऑन करें। निविदा प्रपत्र का मूल्य राशि रूपए 1,000/- तथा सत्यंकार की राशि रूपए 9,000/- हैं। निविदा प्रपत्र ऑन लाईन ही क्रय किया जा सकेगा एवं निविदा ऑनलाइन ही प्रस्तुत करने पर मान्य होगी। निविदा का कुल मूल्य लगभग रूपए 3,00,000/- है। निविदा में किसी प्रकार का संशोधन होने की स्थिति में संशोधन की जानकारी वेबसाईट पर दी जाएगी।

क्र.	विवरण	दिनांक	समय
1.	Publishing Date	08/06/2026	निविदा ऑन लाईन प्रस्तुत करने तथा खोलने का समय वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर दर्शित हैं।
2.	Document Download/Sale Start Date	08/06/2026	
3.	Bid Submission Start Date	08/06/2026	
4.	Pre-bid Meeting	22/06/2026	
5.	Bid Submission Closing Date	29/06/2026	
6.	Bid Opening Date	01/07/2026	

टीप :- निविदा में पर्याप्त निविदाकार नहीं आने, या अन्य किसी कारण से निविदा निरस्त होती है, तथा अद्योहस्ताक्षरकर्ता को पुनः निविदा चलाना आवश्यक हो तो, निविदा निरस्त होने के 1 सप्ताह के भीतर 07 दिवस की अल्प कालिक निविदा मध्यप्रदेश की वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर लगा दी जावेगी। उसे समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

(विजेन्द्र खोब्रागड़े) भा.व.से. वनमंडल अधिकारी (उत्पादन) वनमंडल बैतूल	
जी - 14022/26	स्वच्छता ही सेवा

आवश्यकता है

खरीदना है

बेचना है

व्यापार

विक्रित्या

ज्योतिष

डिजिटल विज्ञापन

हरिभूमि

वलासीफाइड

संपर्क सूत्र : 9407279644

भोपाल की सबसे कम कीमत में सबसे ज्यादा सुविधा के साथ

क्लॉसेस रात्रि 10 बजे तक उपलब्ध है।

DCA PGDCA

में प्रवेश लेने पर ...

FREE GYM+CPCT +LIBRARY

एक साल तक फ्री

और साथ में Free DCA, PGDCA की All Subject की Books, Q Bank Notes आदि भी फ्री उपलब्ध है।

ONLY LIBRARY 299/-

भोपाल कम्प्यूटर एकेडमी

(अफिलिज्द : माध्यमस्थाल विश्वविद्यालय)

Plot No. 15, NIRMAL TOWER, NEAR APSARA CINEMA, ABOVE SBI BANK, ASHOKA GARDEN, BHOPAL

M. 86027-11111

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उत्तरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

— व्यावस्थापक

हरिभूमि

जगह ही नहीं, फिर भी

भोपाल बाजार

मो.9977912473

प्लेट मात्र

3,55,000

हजार में

आसान किश्तों पर

साईट:-

220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई

डायवर्सन एवं NOC एप्लूड

आफिस इंडिया प्रोपर्टी करैंड भोपाल

मो. 7772079910

WE PROVIDE THE BEST SOLAR ENERGY

भारत का सबसे सस्ता और अच्छा सोलर

COMPLETE Solar Solutions

Solar Lagaye

3.3kW

Bachat ka Naya Tareeka!

Na 2 Lakh Mein..

Na 1.5 Lakh Mein..

99932-41867

Contact us

सोलर लगवाने से पहले एक बार हमसे जरूर संपर्क करें।

Solar

adani

ECE

INDIA

Sun for Everyone

Medical Help Line

विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद

सफेद दाग

सफल ईलाज का 40 वर्षों का अनुभव

Timing 10:30 am to 8:00 pm

Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC

कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें।

M : 9425006131, 9827249409

5/4, संजय कॉम्प्लेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सोलत मंजिल पुपनी कछियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

शब्द पहेली - 6249						
1	2	3	4	5	6	7
8			9			10
		11			12	13
14				15	16	17
			18		19	
20	21	22		23		25
		26				
27		28	31	32		29
		30	31	32		
33	34		35			36
37				38		

बाएँ से दाए

- पवनपुत्र, हनुमान-3,3
- मजार-4
- बगीचा (अंग्रेजी में)-2
- तटजीब, तमोजी-3
- सत्य, तेज-2
- पतंगा-4
- ईसाई साध्वी-2
- इंकार करना-4
- उत्तम, आदर्शवादी-3
- रोमांच, उद्देश-4
- पागलपन, सनक-5
- पालन-पोषण-5
- आनंद लेना-2,2
- बैभैरानी, अमानत में खयानत-3
- अप्रधान, गौण-4
- ठाठ-बाट-2
- अति काला, एक प्रकार की लकड़ी-4
- रहस्य-2
- गरुड़ जो रावण से

लड़ा था-3

- कमरा,रूम-2
 - जल में रहने वाला-4
 - धर्म के उपदेश देनेवाला-6
- उपर से नीचे
- पलायन करने वाला-6
 - जंगल- 2
 - दांत से छोटे टुकड़े करना-4
 - जिब्बा, जीभ-3
 - घर, भवन-3
 - यात्री गाड़ी-2
 - चौबीस घंटे का समय-4
 - परीक्षण करना-4
 - भौंगा हुआ-2
 - खीजना-4
 - उपस्थिति-3
 - रोमांच, उद्देश-4
 - संपत्ति-2
 - उज्जित, सही-3
 - पंख, पराया-2
 - देश निर्वासन-4

25. अंगरक्षक-3,3

- हाथी-4
- मद,सरूर-2
- अनुसार, समान-4
- निगाह, दृष्टि-3
- हथियार-3
- पानी, नीर-2
- सिंगरेट का धुआं

खींचना, सुट्टा-2

शब्द पहेली - 6248 का हल													
उ	प	च	र	मि	वि	रा	स	त					
	र	मु	ग	द	र	ही	न						
क		ब	रा	ह	ह	का	ह						
म	हा	की	र	बा	ल	क	मा	ई					
जो	र	म	गी	रा	ना	न	श	ख					
	र	म	गी	रा	ना	न	श	ख	बी	न	त		
	न	म		ज	ल	ट	र						
अ	क	ल		शू	ल	नी	र	ब	त				
रा		न	प्र	ख	र			र					
रा	ल	म	ह	ब्रा	स	मी							
घ	इ	क	न	ह	त	र	त	य्य					

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम सविहा इलियास उर्फ इस्तेखार इलियास है तथा पति का नाम हारून इलियास उर्फ इलियास अरब है निवासी म. न. 825, हिलाल मंजिल गली न. 1. नियर सेन्ट्रल बैंक इब्राहिमपुरा भोपाला मेरे घर का नाम इस्तेखार है। सविहा इलियास उर्फ इस्तेखार इलियास पत्नी हारून इलियास उर्फ इलियास अरब दोनों मेरे ही नाम है। भविष्य में मुझे सभी सरकारी व गैर सरकारी दस्तावेजों में सविहा इलियास उर्फ इस्तेखार इलियास पत्नी हारून इलियास उर्फ इलियास अरब जाना व पहचाना जाए।

क्र.	विवरण	दिनांक	समय
1.	Publishing Date	08/06/2026	निविदा ऑन लाईन प्रस्तुत करने तथा खोलने का समय वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर दर्शित हैं।
2.	Document Download/Sale Start Date	08/06/2026	
3.	Bid Submission Start Date	08/06/2026	
4.	Pre-bid Meeting	22/06/2026	
5.	Bid Submission Closing Date	29/06/2026	
6.	Bid Opening Date	01/07/2026	

टीप :- निविदा में पर्याप्त निविदाकार नहीं आने, या अन्य किसी कारण से निविदा निरस्त होती है, तथा अद्योहस्ताक्षरकर्ता को पुनः निविदा चलाना आवश्यक हो तो, निविदा निरस्त होने के 1 सप्ताह के भीतर 07 दिवस की अल्प कालिक निविदा मध्यप्रदेश की वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर लगा दी जावेगी। उसे समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

(विजेन्द्र खोब्रागड़े) भा.व.से. वनमंडल अधिकारी (उत्पादन) वनमंडल बैतूल	
जी - 14022/26	स्वच्छता ही सेवा

आवश्यकता

आवश्यकता

भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़े। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन ₹ 500- ₹1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के । जुड़ने के लिए कॉल करें - 8929449955

8-9-87, 10-11-12, 19-20-21-22, 24/26/28, 31, 32, 33, 34/36

जिलास्तरीय कंपनी में भर्ती परमानेंट बेसेस पर पद- फॉरेस्ट गार्ड, क्लर्क, वनपाल, चपरासी । हेतु आवेदन करें 10वीं-12वीं पास लड़के लड़कियाँ, उम्र सीमा (18 से 40) सैलरी -(28000/- से 35000/-) आवेदन हेतु - मार्कशीट, आधारकार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो ,ब्याटपाए / कॉल करें - 7384880262

8-7-34/36/28

छोटा लिंग निराश क्यों?

जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंगको 8-9 ईंच लम्बा मोटर, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं नसों की कमजोरी नाभंदी,धातु का पातलापन,शुक्ल,वी.पी. में भी जलदस्तर लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नहीं तो पैसे वापिस।

09083218330

वैवाहिकी

वसु चाहिए

वसु चाहिए

अपवादल मोन- मोवल उम्र- 34, हाइट 5'-10" व्यवसायी युवक खंडन (म.प्र.) निवासी दर के लिए रैजुएट एवं गृहकार्य में दक्ष वसु चाहिए तलकशुदा भी मान्या सर्व वैश्य मान्या वसु पक्ष फोटो, ब्यांजोडटा काट,साध कटं

सम्पर्क करें 9131604310 9300328290

बीटन भुल्लो खस करें

हरिभूमि

आम सूचना, कोर्ट नोटिस, इस्तराफ,आदिह सूचना

1200/-

अच्छा नोटिस

अच्छा नोटिस में

40 sq.m

1 अप्रैल 2025 से लागू

राशिफल

मेष

वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में लाभ के अवसर बढ़ेंगे।

मिथुन

आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्चों की अधिकता रहेगी। सुरवातु खानपान में रुचि रहेगी।

मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। कारोबार में परिश्रम भी अधिक रहेगा।

आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। वैदेशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु वैदेशीलता में कमी हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग हैं।

व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचे। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं।

मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु वैदेशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। कुछ कठिनाइयां भी आ सकती हैं।

शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। खर्चों की अधिकता रहेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

पे-रोल लिंकड एसआईपी वेतन से सीधे निवेश करने का नया रास्ता

कर्मचारियों के लिए धन सृजन का सबसे आसान फॉर्मूला

सेबी का प्रस्ताव बचत व निवेश की आदत को मजबूत करेगा

जोखिमभरी ट्रेडिंग से दूर होकर दीर्घकालिक संपत्ति बना सकेंगे

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

भारत में म्यूचुअल फंड निवेश लगातार लोकप्रिय हो रहा है और करोड़ों लोग रिटर्नमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के माध्यम से अपने भविष्य को सुरक्षित बनाने का प्रयास कर रहे हैं। अब भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) ने निवेश को और सरल तथा अनुशासित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखा है। इसके तहत वेतनभोगी कर्मचारियों की सैलरी से सीधे म्यूचुअल फंड में निवेश की व्यवस्था की जा सकती है। इस व्यवस्था को पे-रोल-लिंकड एसआईपी कहा जा रहा है। इसका उद्देश्य कर्मचारियों में नियमित निवेश की आदत विकसित करना, उन्हें जोखिमपूर्ण प्यूअर्स एंड ऑप्शंस (एफएएओ) ट्रेडिंग से दूर रखना और शेयर बाजार में स्थिर घरेलू पूंजी का प्रवाह बढ़ाना है। यदि यह योजना लागू होती है तो कर्मचारियों को हर महीने अलग से निवेश करने की चिंता नहीं रहेगी, बल्कि वेतन मिलने के साथ ही तय राशि स्वतः म्यूचुअल फंड में निवेश हो जाएगी। विशेषज्ञ इसे भारत में निवेश संस्कृति को बढ़ा दिशा देने वाला कदम मान रहे हैं। सेबी के परामर्श पत्र के अनुसार सूचीबद्ध कंपनियां और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से पंजीकृत नियोक्ता अपने कर्मचारियों की सैलरी से एक निश्चित राशि काटकर सीधे म्यूचुअल फंड योजनाओं में निवेश कर सकेंगे। कर्मचारी स्वयं यह तय करेंगे कि उन्हें किस फंड में और कितनी राशि निवेश करनी है। यह प्रक्रिया उसी प्रकार होगी जैसे कर्मचारी भविष्य निधि (पीएफ) या कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) के लिए वेतन से राशि काटी जाती है। अंतर केवल इतना होगा कि यह राशि कर्मचारी के चुने हुए म्यूचुअल फंड में निवेश होगी और उसकी यूनिट्स कर्मचारी के डीमैट खाते में जमा हो जाएंगी।



सफलता अगले स्तर पर ले जाने की कोशिश

एसआईपी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह निवेश को नियमित और स्वचालित बनाती है। निवेशक को हर महीने अलग से निर्णय लेने की आवश्यकता नहीं होती। यही कारण है कि देश में **SIP** के माध्यम से हर महीने हजारों करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है। पेरोल-लिंकड एसआईपी इस अवधारणा को और आगे बढ़ाता है। इसमें कर्मचारी को निवेश शुरू करने या हर महीने गुगलान की चिंता नहीं करनी होगी। वेतन जारी होते ही निश्चित राशि निवेश हो जाएगी। इससे निवेश की निरंतरता बनी रहेगी और धन सृजन की प्रक्रिया स्वतः चलती रहेगी।

पहले बचत, फिर खर्च की आदत

अधिकांश लोग वेतन मिलने के बाद पहले खर्च करते हैं और बाद में बची राशि निवेश करने की सोचते हैं। कई बार महीने के अंत तक निवेश के लिए पैसा ही नहीं बचता। पेरोल एसआईपी इस समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। निवेश की राशि पहले ही कट जाएगी, जिससे बचत और निवेश को प्राथमिकता मिलेगी।

निवेश में अनुशासन

निवेश का सबसे कठिन हिस्सा नियमितता बनाए रखना होता है। नौकरी, घरेलू खर्च और अन्य जिम्मेदारियों के कारण लोग एसआईपी बंद कर देते हैं या किसी छोड़ देते हैं। पेरोल आधारित व्यवस्था निवेश को स्वचालित बनाकर इस समस्या को काफी हद तक समाप्त कर सकती है।

लंबी अवधि में बड़ा फंड

नियमित निवेश और चक्रवृद्धि (कंपाउंडिंग) का लाभ मिलकर समय के साथ बड़ी संपत्ति तैयार कर सकते हैं। यदि कोई कर्मचारी लंबे समय तक हर महीने छोटी राशि में निवेश करता है तो वह भविष्य में बड़ा कोष तैयार कर सकता है। यही कारण है कि वित्तीय विशेषज्ञ लंबे समय तक **SIP** जारी रखने पर जोर देते हैं।

एफएंडओ ट्रेडिंग में नुकसान
 हाल के वर्षों में प्यूअर्स एंड ऑप्शंस ट्रेडिंग में खुदरा निवेशकों की भारीहारी तेजी से बढ़ी है। हालांकि आंकड़े बताते हैं कि अधिकांश निवेशकों को इसमें नुकसान उठाना पड़ रहा है। सेबी के अनुसार वित्त वर्ष 2025 में लगभग 91 प्रतिशत व्यक्तिगत डेरिवेटिव ट्रेडर्स को नुकसान हुआ और कुल नुकसान एक लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा।

घरेलू पूंजी को मजबूत करना

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है, लेकिन वैश्विक परिस्थितियों के कारण विदेशी निवेश में उतार-चढ़ाव आता रहता है। इसके विपरीत घरेलू संस्थागत निवेशक और SIP निवेश लगातार बाजार को सहारा देते हैं। पेरोल-लिंकड SIP के माध्यम से घरेलू निवेश का आधार और मजबूत हो सकता है।

व्यवहारिक मनोविज्ञान का उपयोग

इस प्रस्ताव की खास बात यह है कि यह लोगों की वित्तीय आदतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। पहला, पैसा निवेश होने के बाद ही कर्मचारी के हाथ में पहुंचेगा, इसलिए उसे खर्च करने या जोखिमपूर्ण ट्रेडिंग में लगाने की संभावना कम होगी। दूसरा, अधिकांश लोग किसी डिफॉल्ट व्यवस्था को बदलना पसंद नहीं करते। यदि डिफॉल्ट विकल्प निवेश है तो लोग नियमित निवेश जारी रखेंगे। तीसरा, हर महीने बढ़ती निवेश राशि कर्मचारियों को अपने वित्तीय लक्ष्यों के प्रति अधिक जागरूक बनाएगी और उनमें निवेशक की सोच विकसित होगी।

योजना की सफलता के लिए क्या जरूरी है

विशेषज्ञों का मानना है कि म्यूचुअल फंड से निकासी की प्रक्रिया को और तेज बनाना होगा। वर्तमान में इक्विटी म्यूचुअल फंड से पैसा निकालने पर आमतौर पर एक से दो दिन का समय लगता है। जबकि बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट तोड़ने पर राशि अपेक्षाकृत जल्दी मिल जाती है। यदि निवेशकों को जरूरत पड़ने पर जल्द पैसा उपलब्ध हो जाए तो उनका भरोसा बढ़ेगा और वे अधिक उत्साह से इस योजना में भाग लेंगे। डिजिटल भुगतान और यूपीआई के दौर में निवेशकों की अपेक्षा भी तेज और सुविधाजनक सेवाओं की है।

अब मनमर्जी से ब्याज नहीं दे पाएंगे बैंक !

कमर्शियल और स्मॉल फाइनेंस बैंकों के लिए आरबीआई ने जारी किए नए ड्राफ्ट निर्देश

भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई ने देश के कमर्शियल बैंकों और स्मॉल फाइनेंस बैंकों के लिए जमा राशि डिपॉजिट और बल्क डिपॉजिट बड़ी जमा राशि के ब्याज नियमों में बदलाव के लिए नए मसौदा संशोधन निर्देश, जारी किए हैं। नए नियमों के अनुसार, अब सभी बैंकों को हर कामकाजी दिन शुरू होने से पहले अपनी वेबसाइट पर ब्याज दरों की सूची सार्वजनिक करनी होगी।

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई ने देश की बैंकिंग प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाने और बैंकों के लिक्विडिटी मैनेजमेंट को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय बैंक ने देश के सभी कमर्शियल बैंकों और स्मॉल फाइनेंस बैंकों के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट एफडी और बल्क डिपॉजिट (बड़ी जमा राशि) पर दिए जाने वाले ब्याज से जुड़े नियमों को संशोधित करने के लिए दो अलग-अलग ड्राफ्ट निर्देश जारी किए हैं। इन नए ड्राफ्ट नियमों का नाम क्रमशः भारतीय रिजर्व बैंक (कमर्शियल बैंक- जमा पर ब्याज दर) संशोधन निर्देश, 2026 और भारतीय रिजर्व बैंक (स्मॉल फाइनेंस बैंक- जमा पर ब्याज दर) संशोधन निर्देश, 2026 रखा गया है। यह संशोधन 28 नवंबर, 2025 को जारी किए गए पुराने मास्टर निर्देशों की समीक्षा के बाद तैयार किया गया है।

►► आरबीआई का बड़ा एक्शन, केनरा बैंक पर लगाया लाखों रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने केनरा बैंक पर 41.8 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। आरबीआई के अनुसार बैंक ने कुछ नियामकीय प्रावधानों का पालन नहीं किया। इनमें नो गैर कस्टमर यानी केवायसी नियमों से जुड़े प्रावधान भी शामिल हैं। आरबीआई ने बैंक की 31 मार्च 2025

तक की वित्तीय स्थिति के आधार पर किए गए पर्यवेक्षी मूल्यांकन के दौरान इन कमियों को पाया। केंद्रीय बैंक ने कहा कि कार्रवाई नियामकीय अनुपालन में पाई गई कमियों के आधार पर की गई है। यह किसी ग्राहक के साथ किए गए लेनदेन या समझौते की वैधता पर टिप्पणी नहीं है।

सेज इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा तनिष्का को केंद्रीय मंत्री शिवराज व पूर्व उपराष्ट्रपति वैकैया नायडू ने किया सम्मानित

वाणिज्य प्रतिनिधि ►► मोपाल

सेज इंटरनेशनल स्कूल, अयोध्या नगर की प्रतिभाशाली छात्रा तनिष्का हटवालने को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर, नई दिल्ली में आयोजित 'अपनापन' पुस्तक के प्रतिष्ठित विमोचन समारोह में सम्मानित किया गया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वैकैया नायडू ने तनिष्का को सम्मानित कर उसकी प्रतिभा एवं समर्पण की सराहना की। उल्लेखनीय



जो सेज परिवार में बच्चों को निखारने के लिए प्रदान किया जाता है।



अब बिना सैलरी वाले भी ले सकते हैं किराए पर टैक्स छूट

- **फ्रीलांसर, बिजनेसमैन और सेल्फ-एम्प्लॉयड लोगों के लिए राहत**
- **एचआरए के बिना भी उपलब्ध है टैक्स छूट, जाने सेवशन 80जीजी नियम**
- **छूट का दावा करने से पहले कुछ शर्तों को भी पूरा करना जरूरी**
- **छोटी-सी चूक पड़ सकती है भारी, इन सामान्य गलतियों से बचें**

बचत मंत्र

बिजनेस डेस्क

आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने का मौकाम शुरू हो चुका है और अधिकांश लोग टैक्स बचाने के विकल्प तलाश रहे हैं। आम धारणा यह है कि मकान किराए पर टैक्स छूट यानी हाउस टैट अलाउंस (एचआरए) का लाभ केवल नौकरीपेशा लोगों को मिलता है, क्योंकि यह उन्हे वेतन पैकेज का हिस्सा होता है, लेकिन वास्तविकता इससे अलग है। यदि आप नौकरीपेशा नहीं हैं, फ्रीलांसर हैं, स्वरोजगार करते हैं, व्यवसायी हैं या आपकी कंपनी आपको एचआरए उपलब्ध नहीं कराती, तब भी आप घर के किराए पर टैक्स छूट का दावा कर सकते हैं। आयकर अधिनियम की धारा 80जीजी तथा नए आयकर कानून 2025 की धारा 134 के तहत ऐसे करदाताओं को किराए पर टैक्स राहत प्रदान की जाती है। हालांकि इसका लाभ लेने के लिए कुछ निर्धारित शर्तों का पालन करना आवश्यक है। साथ ही यह छूट केवल पुरानी कर व्यवस्था चुनने वाले करदाताओं को ही उपलब्ध होती है।

क्या है सेवशन 80जीजी

सेवशन 80जीजी उन लोगों के लिए बनाया गया है जिनमें किसी भी रूप में एचआरए नहीं मिलता, लेकिन वे किराए के मकान में रहते हैं और नियमित रूप से किराया अदा करते हैं। यह प्रावधान विशेष रूप से फ्रीलांसर, डॉक्टर, वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट, छोटे व्यापारी, सलाहकार और अन्य स्वरोजगार से जुड़े लोगों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। हालांकि इस छूट का लाभ लेने के लिए कुछ महत्वपूर्ण शर्तें पूरी करनी होती हैं।

जरूरी पात्रता शर्तें

करदाता को नौकरी या व्यवसाय से किसी प्रकार का एचआरए प्राप्त नहीं होना चाहिए। वह वास्तव में किराए के मकान में रह रहा हो और किराया चुका रहा हो। जिस शहर में वह रहता या काम करता है, वहां उसके नाम, उसके जीवनसाथी, नाबालिग बच्चों या हिंदू अधिमाजित

पर्यावरणीय जागरूकता व संरक्षण पर जोर

एलएनसीटी समूह में वृहद पौधरोपण कार्यक्रम का शुभारंभ

वाणिज्य प्रतिनिधि ►► मोपाल

पर्यावरणीय जागरूकता एवं प्राकृतिक संरक्षण हेतु शनिवार को एलएनसीटी , एलएनसीटीएस, एलएनसीटीई में डॉ अनुपम चौकसे , सचिव एलएनसीटी समूह एवं चांसलर जेएनसीटी प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ने नीम के पौधे रोप कर एलएनसीटी समूह वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया। डॉ चौकसे ने सभी से आह्वान किया है की वे अपनी संस्था, घर, कॉलोनी में बीजारोपण, पौधारोपण करें और पूर्ण विकसित होने तक देखभाल करें। एलएनसीटी समूह भारत सरकार और मप्र सरकार के एक पेड़ मां के नाम और मेरी लाइफ कार्यक्रम के अंतर्गत विविध पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता के कार्यक्रम सतत आयोजित कर रहा है।

डॉ अनुपम चौकसे ने सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने, जल संरक्षण, ऊर्जा बचत के लिए सभी को प्रेरित किया। समूह के चेयरमैन जे एन चौकसे एवं वाइस चेयरपर्सन पूनम चौकसे ने सभी



को प्रकृति संरक्षण हेतु अपने घर और कार्य स्थल से ही स्ट्रेनेबल डेवलपमेंट में योगदान सुनिश्चित करने का आह्वान किया। दूसरे चरण में अमिताभ श्रीवास्तव समन्वयक जन अभियान परिषद, राज्य कार्यालय,भोपाल ने एनएसपीसी और इकोमित्रम एप की जानकारी स्टूडेंट्स को दी।

इस अवसर पर डॉ अशोक कुमार राय डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन एलएनसीटी समूह, डॉ अमितबोध उपाध्याय, प्राचार्य, एचआडी, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने वृक्षारोपण अभियान में हिस्सा लिया। उल्लेखनीय है की एलएनसीटी समूह का क्वेस्ट नेचर क्लब वर्ष भर पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता हेतु विविध कार्यक्रम संचालित करता है।



एसआईपी में पैसा लगाने के बाद भी क्यों नहीं बन पाती दौलत? अक्सर ये गलतियां कर बैठते हैं निवेशक

बिजनेस डेस्क

देश में म्यूचुअल फंड और एसआईपी निवेश तेजी से बढ़ रहा है। हर महीने लाखों लोग भविष्य की आर्थिक सुरक्षा और बड़ा फंड बनाने के उद्देश्य से एसआईपी शुरू कर रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि मार्च 2026 में एसआईपी के जरिए निवेश 32 हजार करोड़ रुपये के पार पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में काफी ज्यादा है। इसके बावजूद कई निवेशक लंबे समय तक निवेश करने के बाद भी उम्मीद के मुताबिक संपत्ति नहीं बना पाते। इसकी सबसे बड़ी वजह गलत एसेट एलोकेशन यानी निवेश का सही बंटवारा न होना है। अधिकतर लोग "सबसे अच्छा फंड" चुनने में समय लगाते हैं, लेकिन यह तय नहीं करते कि पैसा इक्विटी, डेट, गैरल्ड या लिक्विड फंड में किनरा बांटना चाहिए। विशेषज्ञों का

गलती नंबर 1 : जोखिम उठाने की क्षमता और इच्छा में भ्रम

कई निवेशक सोचते हैं कि वे ज्यादा जोखिम उठा सकते हैं, इसलिए पूरा पैसा इक्विटी में लगा देते हैं। लेकिन बाजार गिरते ही घबरा कर निवेश निकाल लेते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक जोखिम उठाने की इच्छा और वास्तविक वित्तीय क्षमता अलग-अलग चीजें हैं। यदि किसी व्यक्ति पर हमला लीन, परिवार की जिम्मेदारी या नौकरी की अनिश्चितता है तो उसके लिए 100 प्रतिशत इक्विटी निवेश सही नहीं माना जाता। बाजार में बड़ी गिरावट आने पर ऐसे निवेशक अक्सर नुकसान में पैसा निकाल लेते हैं।

गलती नंबर 2 : डेट फंड को पूरी तरह नजरअंदाज करना

आजकल अधिकतर निवेशक केवल इक्विटी एसआईपी पर फोकस कर रहे हैं। डेट फंड को कई लोग बेकार समझते हैं। जबकि विशेषज्ञों का कहना है कि डेट निवेश पोर्टफोलियो का "शांक एजेंजर" होता है। जब बाजार गिरता है तो डेट फंड पोर्टफोलियो को स्थिर रखने में मदद करते हैं। साथ ही निवेशकों को कम जोखिम पर इक्विटी खरीदने का मौका भी मिलता है। यदि पूरा पैसा इक्विटी में हो तो बाजार गिरावट के समय नुकसान ज्यादा दिखाई देता है और निवेशक घबरा सकते हैं।

गलती नंबर 3 : हालिया टॉप परफॉर्मर फंड के पीछे भागना

कई निवेशक हर साल सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड में पैसा डालने लगते हैं। इससे उनका मूल एसेट एलोकेशन बिगड़ जाता है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी निवेशक ने शुरूआत में 70-30 का इक्विटी-डेट अनुपात तय किया था, लेकिन बाद में केवल तेजी वाले इक्विटी फंड में निवेश करता रहा, तो धीरे-धीरे उसका पोर्टफोलियो 90-10 बन सकता है। यह असंतुलन भविष्य में बड़ा जोखिम पैदा कर सकता है।

गलती नंबर 4 : जरूरत से ज्यादा फंड खरीद लेना

कुछ लोग मानते हैं कि ज्यादा फंड लेने से जोखिम कम हो जाएगा। इसी सोच में वे 10-12 इक्विटी फंड खरीद लेते हैं, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि कई फंड्स में एक जैसे शेयर होते हैं। यानी निवेशक अलग-अलग फंड लेकर भी वही कंपनियां खरीद रहे होते हैं। इससे पोर्टफोलियो जटिल हो जाता है और ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है। असली विविधता अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश से आती है, न कि बहुत सारे फंड रखने से।

गलती नंबर 5 : लिक्विडिटी को नजरअंदाज करना

अधिकतर निवेशक अपना पूरा पैसा लंबी अवधि के निवेश में लगा देते हैं। लेकिन आपात स्थिति में तुरंत पैसे की जरूरत पड़ सकती है। यदि मेडिकल इमरजेंसी, नौकरी छूटने या किसी पारिवारिक जरूरत के समय पैसा उपलब्ध न हो, तो निवेशक मजबूरी में बाजार गिरावट के दौरान इक्विटी बेच देते हैं। इससे बड़ा नुकसान हो सकता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि पोर्टफोलियो का कुछ हिस्सा हमेशा लिक्विड फंड या इमरजेंसी फंड में रखना चाहिए।

गलती नंबर 6 : समय-समय पर पोर्टफोलियो की समीक्षा न करना

कई लोग एक बार एसआईपी शुरू करने के बाद वर्षों तक पोर्टफोलियो की समीक्षा नहीं करते। जबकि उस और जिम्मेदारियों के साथ निवेश रणनीति भी बदलनी चाहिए। शादी, बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना या रिटायरमेंट जैसे बड़े जीवन बदलावों के अनुसार एसेट एलोकेशन बदलना जरूरी होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक साल में कम से कम एक बार पोर्टफोलियो की समीक्षा और रीबैलेंसिंग करनी चाहिए।

सही एसेट एलोकेशन जरूरी

विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय में निवेश का पुर्णणम केवल अच्छे फंड चुनने पर निर्भर नहीं करता। असली फर्क सही एसेट एलोकेशन बनता है। एक संतुलित पोर्टफोलियो बाजार की गिरावट में भी स्थिर रहता है और निवेशक को घबराहने से बचाता है। वहीं गलत एसेट एलोकेशन वाला पोर्टफोलियो तेजी के समय अच्छा दिख सकता है, लेकिन गिरावट में भारी नुकसान दे सकता है।

अनुशासन और संतुलन ही सफलता का मंत्र

एसआईपी के जरिए संपत्ति बनाने के लिए केवल नियमित निवेश काफी नहीं है। निवेशकों को अपने लक्ष्य, जोखिम क्षमता और जरूरतों के अनुसार सही एसेट एलोकेशन बनाना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि सफल निवेशक लंबे होते हैं जो बाजार की चक्क-दक्क से प्रभावित हुए बिना अनुशासन बनाए रखते हैं।

पिछले कुछ सालों में भारत में पेपर लीक की घटनाएं एक गंभीर राष्ट्रीय समस्या बनकर उभरी हैं। इसने न सिर्फ लाखों युवाओं के करियर पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि पूरी शिक्षा और भर्ती प्रणाली के भरोसे को भी गहरा धक्का पहुंचाया है। एक अदद सरकारी नौकरी या प्रतिष्ठित संस्थान में दाखिले के लिए दिन-रात एक करने वाले करोड़ों विद्यार्थियों के लिए यह स्थिति एक मानसिक विभीषिका जैसी है। तकनीक के बेहतर इस्तेमाल के बड़े-बड़े दावों के बीच आखिर चुक हो गई। इसके लिए सीबीएसई को परीक्षकों के लिए एक अनिवार्य और व्यापक डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करना होगा, ताकि वे स्क्रीन पर भी न्यायपूर्ण मूल्यांकन कर सकें। पेपर लीक की समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि प्रतियोगी परीक्षाओं को लगातार अत्यधिक कठिन बनाया जा रहा है। जेईई एडवांस्ड और नीट जैसी परीक्षाओं में कई प्रश्न ऐसे पूछे जाते हैं जो भले ही औपचारिक रूप से पाठ्यक्रम के अंतर्गत हों, लेकिन उनकी जटिलता सामान्य विद्यालयी शिक्षा के स्तर से कहीं अधिक होती है। शिक्षा व्यवस्था का लक्ष्य प्रतिभा को पहचानना होना चाहिए, उसे अनावश्यक दबाव और असमानताओं के जाल में फंसाना नहीं। अब समय आ गया है कि एक पारदर्शी, सुरक्षित और अचूक परीक्षा प्रणाली का निर्माण किया जाए। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

पेपर लीक : सिस्टम को इलाज की जरूरत



सीबीएसई एवं नीट की परीक्षाओं ने देश के युवा को निराश किया है। इस तरह की घटनाएं जब भी होती हैं तो देश के युवा मन में निराशा और अवसाद का एक बीज उपजने लगता है, जिससे उस युवा का समूचा परिवार प्रभावित होता है। सरकार नीतियां निर्धारित करती है, लेकिन उन नीतियों का क्रियान्वयन करने वाले प्रशासनिक अधिकारी, पेपर बनाने वाले एक्सपर्ट वो लोग जिन पर उस पेपर को संभालने और उसकी गोपनीयता कायम रखने की जिम्मेदारी होती है या कोई बड़ा राजनीतिक व्यक्ति जब किसी लालच का शिकार हो जाता है तो पेपर लीक जैसी घटनाएं समाज में घटती हैं। इस तरह की घटनाओं को किसी एक व्यक्ति की गलती के तौर पर देखना पूरे सिस्टम की गंदगी पर पर्दा डालने जैसा होगा। सिस्टम में बैठे लोगों की लापरवाही कोई तकनीकी खामी या किसी व्यक्ति का नैतिक पतन किसी भी परीक्षा के लीक के लिए जिम्मेदार हो सकता है, लेकिन इसके लिए भी सबसे अधिक जिम्मेदारी सरकार की ही बनती है। पेपर लीक का यह मामला पहला नहीं है। कई वर्षों से इस तरह के मामले निरंतर आ रहे हैं, लेकिन उसके लिए कोई ठोस नेटवर्क तैयार न कर पाना दोषी लोगों को कड़ी सजा का प्रावधान न होना, एक निचले स्तर के कर्मचारी से लेकर किसी बड़े अधिकारी तक जिम्मेदारी तय न करना और उसका उल्लंघन होने पर कड़ी सजा का प्रावधान न होना इस सारे घटनाक्रम का कारण बनता है।

संगठित अपराध बना पेपर लीक

लीक होने वाली इन परीक्षाओं के लिए सरकार, प्रशासन और विशेषज्ञ ही जिम्मेदार हैं, ऐसा नहीं है। बात अब इससे बहुत आगे बढ़ चुकी है। पेपर लीक अब एक संगठित अपराध का रूप ले चुका है। इसमें मोटा पैसा, रसूक और माफिया तंत्र का कॉन्कटेल् बन चुका है। समाज के मध्यवर्ग में बैठे कुछ बड़े

कि सी भी देश को आत्मनिर्भर बनाने और उसके सांस्कृतिक, धार्मिक, तकनीकी एवं नैतिक उत्थान को उसके वैश्व तक ले जाने में उस देश की शिक्षा का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान होता है। अगर किसी कारण से शिक्षा व्यवस्था में कोई संघमारी होती है तो यह निश्चित रूप से उस देश के भविष्य के लिए चिंता का विषय है। पिछले कई वर्षों से भारत की कई महत्वपूर्ण परीक्षाएं इस समस्या से जूझ रही हैं। सामान्य परीक्षाओं से लेकर भर्ती परीक्षाएं भी पेपर लीक की शिकार हुई हैं। अगर हालिया वर्ष की बात करें तो सीबीएसई एवं नीट की परीक्षाओं ने देश के युवा को निराश किया है। इस तरह की घटनाएं जब भी होती हैं तो देश के युवा मन में निराशा और अवसाद का एक बीज उपजने लगता है, जिससे उस युवा का समूचा परिवार प्रभावित होता है। सरकार नीतियां निर्धारित करती है, लेकिन उन नीतियों का क्रियान्वयन करने वाले प्रशासनिक अधिकारी, पेपर बनाने वाले एक्सपर्ट वो लोग जिन पर उस पेपर को संभालने और उसकी गोपनीयता कायम रखने की जिम्मेदारी होती है या कोई बड़ा राजनीतिक व्यक्ति जब किसी लालच का शिकार हो जाता है तो पेपर लीक जैसी घटनाएं समाज में घटती हैं। इस तरह की घटनाओं को किसी एक व्यक्ति की गलती के तौर पर देखना पूरे सिस्टम की गंदगी पर पर्दा डालने जैसा होगा। सिस्टम में बैठे लोगों की लापरवाही कोई तकनीकी खामी या किसी व्यक्ति का नैतिक पतन किसी भी परीक्षा के लीक के लिए जिम्मेदार हो सकता है, लेकिन इसके लिए भी सबसे अधिक जिम्मेदारी सरकार की ही बनती है। पेपर लीक का यह मामला पहला नहीं है। कई वर्षों से इस तरह के मामले निरंतर आ रहे हैं, लेकिन उसके लिए कोई ठोस नेटवर्क तैयार न कर पाना दोषी लोगों को कड़ी सजा का प्रावधान न होना, एक निचले स्तर के कर्मचारी से लेकर किसी बड़े अधिकारी तक जिम्मेदारी तय न करना और उसका उल्लंघन होने पर कड़ी सजा का प्रावधान न होना इस सारे घटनाक्रम का कारण बनता है।



अधिकारी, उद्योगपति और कोचिंग संचालक इस पूरी प्रक्रिया से मोटा पैसा खींच रहे हैं। एक तरफ जहां लोगों पर सामाजिक दबाव है, बच्चों को किसी अच्छे कोर्स में डालने का और उन्हें कामयाब होते हुए देखने का, तो दूसरी तरफ अपनी सामाजिक और आर्थिक सत्ता को बचाने का भी दबाव है। इसके चलते पेपर लीक जैसे शॉर्टकट के माध्यम से नालायक बच्चों को भी कामयाब बनाने की कोशिश की जा रही है।

पैसे वाले माता-पिता की इसी मजबूरी और महत्वाकांक्षा का फायदा पेपर लीक माफिया उठा रहा है। लीक पेपर के लाखों रुपये पेरेंट्स से वसूले जाते हैं। लीक पेपर से बना डॉक्टर इंजीनियर या अन्य किसी पद पर बैठा व्यक्ति समाज में कभी नैतिकता के पैमाने पर खरा नहीं उतर सकता। आज बहुत से इंस्टिट्यूट ये दावा करते हैं कि उनके यहां से कोचिंग लेने पर परीक्षा पास करने की सी प्रतिशत गारंटी है।

पेपर लीक : मुख्य कारण

- ठोस नेटवर्क तैयार न कर पाना
- पेपर लीक का मुख्य कारण
- दोषी लोगों को कड़ी सजा का प्रावधान न होना शामिल
- निचले स्तर से बड़े अधिकारी तक जिम्मेदारी तय न करना
- कड़ी सजा का प्रावधान न होना

पूर्णतया रोक लगाने या इस तरह के भ्रामक विज्ञापन बंद करने की आवश्यकता है। आज सरकार और स्वयं पेरेंट्स को यह तय कराना होगा कि हम देश में कैसा तंत्र चाहते हैं। क्या हम एक ऐसे डॉक्टर से इलाज कराना चाहते हैं तो पेपर लीक से डॉक्टर बना है।

तक सिस्टम में बैठे लोगों की जिम्मेदारी तय नहीं होती और जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा का प्रावधान नहीं होता, तब तक इस समस्या से निपटना आसान नहीं है।

साथ ही हमें बच्चों को बेसिक शिक्षा से ही नैतिक मूल्यों की कसौटी पर इस परिपक्वता के साथ ढालना होगा कि वे स्वयं इस तरह के अनैतिक कार्य के विरुद्ध खड़े होकर अपनी आवाज मुखर कर सकें। अगर ये नहीं होता है तो भविष्य में इसके बहुत ही दुखद परिणाम देखने को मिलेंगे। क्योंकि सालों साल मेहनत करने वाला बच्चा जब यह देखता है कि जिस करियर के सपने को सजाकर वह वर्षों से मेहनत कर रहा था, वह परीक्षा लीक हो चुकी है तो उसके मन मस्तिष्क पर इसका ऐसा दुष्प्रभाव पड़ेगा कि वह पूरे जीवन देश की सरकार और सिस्टम पर विश्वास नहीं कर पाएगा। हो सकता है कि यह घटना उसके मानसिक अवसाद का कारण बन जाए।

समाज होता है प्रभावित

इसका एक और दुष्परिणाम यह होगा कि बहुत सारे योग्य बच्चों की जगह अयोग्य बच्चे उन महत्वपूर्ण पदों पर बैठ जाएंगे, जहां से पूरा समाज प्रभावित होता है। यह ऐसी स्थिति होती है जैसे किसी स्वस्थ शरीर में एक अंग का खराब हो जाना, जो आज नहीं तो कल पूरे शरीर के लिए घातक साबित होगा।

तकनीक की चमक में गायब हुई गुणवत्ता



मंथन

डॉ. सुरेंद्र कुमार

स्वतंत्र स्तंभकार

कें द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने परीक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, तेज और निष्पक्ष बनाने के लिए तकनीक का दामन थामा। डिजिटल मूल्यांकन, ऑन-स्क्रीन मार्किंग, बारकोड आधारित उत्तर पुस्तिकाएं और ऑनलाइन मॉडरेशन जैसी आधुनिक व्यवस्थाओं का उद्देश्य सिर्फ एक था, मानवीय भूलों को कम करना और पूरे देश में एक समान मानक स्थापित करना। साल 2026 के 12वीं बोर्ड के नतीजों ने इस पूरी चमक-दमक के पीछे छिपी एक गंभीर वास्तविकता को उजागर कर दिया है। परीक्षा परिणाम आते ही जिस तरह देश भर के छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों ने मूल्यांकन प्रक्रिया पर तीखे सवाल उठाए, उसने एक नई बहस को जन्म दे दिया।

सवाल यह है कि तकनीक के बेहतर इस्तेमाल के बड़े-बड़े दावों के बीच आखिर चुक कहाँ हुई? सबसे जरूरी यह कि आने वाले समय में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए सरकार को क्या कदम उठाने चाहिए? सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली का मूल विचार बहुत प्रतिशोील था, जिसमें शिक्षक कंप्यूटर स्क्रीन पर कॉपियां जांचते हैं ताकि कॉपियों का विवरण आसानी से रखा जा सके और समय पर परिणाम घोषित हों। मगर इस बार के नतीजों ने इस पूरी व्यवस्था पर ही एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। हजारों मेधावी छात्रों ने यह शिकायत की है कि उन्होंने सभी प्रश्नों के पर्याप्त और सही उत्तर लिखे थे फिर भी उन्हें उम्मीद से बहुत कम अंक मिले। सबसे चौंكانे वाली स्थिति कुछ खास विषयों, जैसे फिजिक्स में देखने को मिली, जहां लगभग 58 % छात्रों को फेल या 'रिपीट' की श्रेणी में डाल दिया गया। इतनी बड़ी संख्या में छात्रों का पिछड़ना सीधे तौर पर इस तकनीकी मूल्यांकन की विश्वसनीयता को कटघरे में खड़ा करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विफलता का कारण स्वयं तकनीक नहीं है, बल्कि उसके क्रियान्वयन का तरीका और मशीनों पर हमारी



बोर्ड को मार्किंग स्क्रीन और कॉपियों को देखने की प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता अपनानी होगी, तभी छात्रों का भरोसा वापस जीता जा सकेगा। परीक्षा परिणाम के चलते प्रभावित हुए छात्रों के संकट का तत्काल निवारण करना भी बहुत आवश्यक है।

जुटियों में बदल गई। इसके अलावा, मॉडरेशन और री-वैरिफिकेशन की व्यवस्था भी इस बार बेहद कमजोर साबित हुई। आधुनिक सॉफ्टवेयर होने के बावजूद यह सुनिश्चित नहीं किया जा सका कि हर कॉपी को तय मानकों के अनुसार जांचा जा रहा है या नहीं। परिणाम यह हुआ कि शुरुआती स्तर पर हुई गलतियां बिना किसी रोक-टोक के सीधे फाइनल रिजल्ट तक पहुंच गईं। कॉपियों के डिजिटल होने के बावजूद छात्रों को कोई ऐसा विस्तृत फीडबैक या स्पष्टीकरण नहीं मिला जिससे वे समझ सकें कि उनके अंक आखिर कहाँ और क्यों कटे। इस पारदर्शिकता की कमी ने

छात्रों के असंतोष को गहरे अविश्वास में बदल दिया है। अब सवाल उठता है कि भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए क्या किया जाना चाहिए। तकनीक आज की जरूरत है और इससे पीछे लौटना कोई समाधान नहीं हो सकता; समाधान केवल तकनीक और मानवीय विशेषज्ञता के बीच एक सही संतुलन बनाने में है। इसके लिए सीबीएसई को परीक्षकों के लिए एक अनिवार्य और व्यापक डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करना होगा ताकि वे स्क्रीन पर भी न्यायपूर्ण मूल्यांकन कर सकें। दूसरा, ए आई और



परीक्षा

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

भारत में 'पेपर लीक' की निरंतर बढ़ती घटनाएं केवल प्रशासनिक विफलता या वित्तीय भ्रष्टाचार का मामला नहीं है बल्कि यह देश के भविष्य के साथ होने वाला एक गंभीर क्रूर मजाक है। एक अदद सरकारी नौकरी या प्रतिष्ठित संस्थान में दाखिले के लिए दिन-रात एक करने वाले करोड़ों विद्यार्थियों के लिए यह स्थिति एक मानसिक विभीषिका जैसी है।

हर साल लाखों युवाओं की उम्मीदें, उनके माता-पिता की गाढ़ी कमाई और सालों की तपस्या एक झटके में पेपर लीक के काले बाजार की भेंट चढ़ जाती है। एक सुरक्षित परीक्षा प्रणाली का ढांचा तीन स्तंभों पर टिकता है- गोपनीयता, सत्यनिष्ठा और उपलब्धता। पेपर लीक की घटनाएं दर्शाती हैं कि हमारे तंत्र में इन तीनों ही स्तरों पर गंभीर कमियां हैं। प्रश्नपत्र तैयार होने से लेकर प्रिंटिंग प्रेस, लॉजिस्टिक्स (परिवहन) और परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के बीच कई ऐसे 'लीक प्वाइंट्स' होते हैं, जहां सुरक्षा बेहद कमजोर है। स्थानीय स्तर पर अधिकारियों या निजी एजेंसियों की मिलीभगत से प्रश्नपत्र सोशल मीडिया पर तैरने लगते हैं। दूसरा, पेपर लीक मामले में मजबूत कानून और त्वरित न्याय का अभाव है। राज्य स्तर के कानून इतने लचर हैं कि दोषी कुछ ही दिनों में जमानत पर बाहर आ जाते हैं और दोबारा इसी धंधे में लग जाते हैं। त्वरित और कठोर सजा न होना अपराधियों के हौसले बढ़ाता है। तीसरा परीक्षा लेने वाली एजेंसियों की निजी केंद्रों और आउटसोर्सिंग पर अत्यधिक निर्भरता भी इसका बड़ा कारण है। परीक्षा कराने वाली नोडल एजेंसियों में भी कर्मचारियों की भारी कमी है, जिससे वे बाहरी वेंडर्स पर निर्भर हो जाती हैं। मनोविज्ञान के नजरिए से देखें तो परीक्षा की तैयारी का दौर अपने आप में एक उच्च-तनाव की अवधि होती है। जब इस तनाव के बीच पेपर लीक या परीक्षा रद्द होने की खबर आती है तो

विद्यार्थी का मानसिक संतुलन बुरी तरह डगमगा जाता है। नीट पेपर लीक के बाद देशभर के राज्यों में जिस तरह से युवा-युवतियों के आत्महत्या करने की घटनाएं सामने आईं, वे मानसिक असंतुलन और दबाव का ही परिणाम हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र महीनों, सालों तक 'क्रॉनिक स्ट्रेस' यानी लगातार बने रहने वाले तनाव से गुजरते हैं। जब परीक्षा रद्द हो जाती है तो छात्र 'बर्नआउट' की स्थिति में पहुंच जाते हैं। बर्नआउट का अर्थ है मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक रूप से पूरी तरह टूट



परीक्षा की तैयारी का दौर एक उच्च-तनाव की अवधि होती है। जब परीक्षा रद्द होने की खबर आती है तो विद्यार्थी का मानसिक संतुलन बुरी तरह डगमगा जाता है। नीट पेपर लीक के बाद जिस तरह से युवाओं के आत्महत्या करने की घटनाएं सामने आईं, वे मानसिक असंतुलन का ही परिणाम हैं।

जाना, जिसके बाद दोबारा ऊर्जा जुटाना असंभव सा लगने लगता है। मनोविज्ञान में मार्टिन सेलिंगमैन का 'लर्नड हेल्पलेसनेस' का सिद्धांत यहां सटीक बैठता है। जब छात्रों को लगता है कि उनकी कड़ी मेहनत, बुद्धिमता और प्रयासों का परीक्षा के परिणाम से कोई लेना-देना नहीं है क्योंकि अंततः पेपर तो पैसे वाले ही खरीद लेंगे तो वे मान लेते हैं कि परिस्थितियां उनके नियंत्रण से बाहर हैं। यह सोच उन्हें गहरे डिप्रेशन की ओर धकेलती है और वे प्रयास करना ही छोड़ देते हैं। पेपर लीक होने पर जब सालों की मेहनत शून्य हो जाती है तो छात्रों में 'आईडेंटिटी क्राइसिस' पैदा

होता है। इसके साथ ही रिश्तेदारों और समाज के ताने, 'इतने साल से क्या कर रहे हो?' जैसी बातें उनके आत्मसम्मान को पूरी तरह नष्ट कर देती हैं। यही कारण है कि कोटा से लेकर प्रयागराज तक, छात्रों में आत्महत्या की प्रवृत्ति डराने वाले स्तर तक बढ़ गई है। पेपर लीक होने पर सरकारों अक्सर परीक्षा रद्द करके 'दोबारा परीक्षा' की घोषणा कर देती हैं। प्रशासनिक रूप से यह एक समाधान लग सकता है, लेकिन एक विद्यार्थी के धरातल पर यह एक नई प्रताड़ना की शुरुआत है। अधिकांश छात्र ग्रामीण या निम्न-मध्यम वर्गीय

परिवारों से आते हैं जो शहरों में किराए के कमरों या लॉज में रहकर, कर्ज लेकर कोचिंग और रहने का खर्च उठाते हैं। कई परिवारों के पास दोबारा परीक्षा तक छात्र को बाहर रखने के पैसे ही नहीं होते। मानव मस्तिष्क किसी एक लक्ष्य के लिए एक निश्चित समय तक ही उच्चतम एकाग्रता बनाए रख सकता है। परीक्षा के दिन छात्र का मानसिक स्तर चरम पर होता है। परीक्षा टलने या रद्द होने पर वह मानसिक लय टूट जाती है। जब देश की मेधावी युवा शक्ति व्यवस्था से निराश होकर अवसाद और क्रोध में डूबने लगेंगी तो राष्ट्र निर्माण की नींव भी कमजोर होगी।

स्कूली शिक्षा के अनुरूप हों प्रतियोगी परीक्षाएं



व्यवस्था

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

दे श में प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पिछले कुछ वर्षों में गंभीर प्रश्नों के घेरे में आई है। विशेष रूप से मेडिकल प्रवेश परीक्षा जैसे नीट से जुड़े विवादों ने लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों को चिंता में डाल दिया है। लाखों की संख्या में छात्रों द्वारा दी गई इस परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक होने, असामान्य रूप से बड़ी संख्या में छात्रों के अत्यधिक अंक प्राप्त करने तथा परीक्षा संचालन में अनियमितताओं के आरोप लगे। राश्ट्र ही विभिन्न राज्यों में शिक्षक भर्ती, पुलिस भर्ती, रेलवे भर्ती तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने की घटनाएं सामने आती रही हैं। ऐसे मामलों ने न केवल युवाओं का विश्वास कमजोर किया है

बल्कि परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पेपर लीक की समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि प्रतियोगी परीक्षाओं को लगातार अत्यधिक कठिन बनाया जा रहा है। जेईई एडवांस्ड और नीट जैसी परीक्षाओं में कई प्रश्न ऐसे पूछे जाते हैं जो भले ही औपचारिक रूप से पाठ्यक्रम के अंतर्गत हों, लेकिन उनकी जटिलता सामान्य विद्यालयी शिक्षा के स्तर से कहीं अधिक होती है। राश्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की पुस्तकों पर आधारित होने का दावा करने वाली परीक्षाओं में भी अनेक ऐसे प्रश्न देखने को मिलते हैं, जिनके समाधान के लिए विशेष कोचिंग की आवश्यकता पड़ती है। इस संदर्भ में यह प्रश्न प्रासंगिक हो जाता है कि जब चयन प्रक्रिया का अंतिम आधार मरिट ही है, तब प्रश्नपत्रों की कठिनाई का स्तर इतना अधिक रखने की आवश्यकता क्यों महसूस की जाती है?

यदि किसी परीक्षा में दस लाख विद्यार्थी शामिल होते हैं और केवल पांच हजार का चयन होना है, तो अपेक्षाकृत संतुलित और पाठ्यक्रम आधारित प्रश्नपत्र में भी श्रेष्ठ विद्यार्थियों की पहचान की जा सकती है। कठिनाई बढ़ाने से चयन प्रक्रिया अधिक निष्पक्ष नहीं हो जाती, बल्कि यह उन छात्रों को अतिरिक्त लाभ देती है जिनहें महंगे कोचिंग संस्थानों तक पहुंच उपलब्ध है। भारत में शायद इस्वीलिए भी कोचिंग उद्योग का आकार लगातार बढ़ रहा है। राजस्थान का कोटा, तेलंगाना का हैदराबाद तथा दिल्ली का मुखर्जी नगर जैसे क्षेत्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के बड़े केंद्र बन चुके हैं। अनेक परिवार अपने बच्चों की तैयारी पर लाखों रुपये खर्च करने के लिए विवश हो जाते हैं। दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्र इस प्रतिस्पर्धा में पीछे छूट जाते हैं। यह स्थिति शिक्षा में समान अवसर के सिद्धांत के विपरीत है। यदि किसी छात्र ने अपने विद्यालय में पूरी लगन से पढ़ाई की है और बोर्ड के निर्धारित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, तो उसे केवल इसलिए नुकसान नहीं होना चाहिए कि उसने किसी महंगे कोचिंग संस्थान में प्रवेश नहीं लिया।

प्रतियोगी परीक्षाओं का उद्देश्य विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता को प्रोत्साहित करना होना चाहिए, न कि उसे अप्रासंगिक बनाना। सरकार और परीक्षा संचालित करने वाली संस्थाओं को इस विषय पर गंभीरता से पुनर्विचार करना चाहिए। नीट और जेईई जैसी परीक्षाओं का पाठ्यक्रम देश के विभिन्न शिक्षा बोर्डों के पाठ्यक्रमों के अनुरूप होना चाहिए। प्रश्नों का स्तर ऐसा हो जो अवधारणात्मक समझ की जांच करे, लेकिन विद्यालयों में पढ़ाए जाने वाले विषयों की सीमा से बाहर न जाए। यदि किसी प्रश्न को हल करने के लिए छात्र को अतिरिक्त कोचिंग सामग्री या विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता पड़ती है, तो यह परीक्षा की मूल भावना के विरुद्ध माना जाना चाहिए। इसके साथ ही परीक्षा प्रणाली को सुरक्षा को भी मजबूत करना आवश्यक है। प्रश्नपत्रों की डिजिटल सुरक्षा, एन्क्रिप्टेड वितरण प्रणाली, परीक्षा केंद्रों की निगरानी, दोषियों के विरुद्ध त्वरित कड़ी कार्यवाही तथा पारदर्शी जांच व्यवस्था को और सशक्त बनाया जाना चाहिए।

पेपर लीक केवल एक प्रशासनिक विफलता नहीं है, बल्कि यह लाखों मेहनती छात्रों के सपनों पर चोट है। एक छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम करता है, जबकि कुछ लोग अवैध तरीकों से उस मेहनत का मूल्य समाप्त कर देते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रतियोगी परीक्षाओं को कठिन बनाने की बजाय निष्पक्ष, पारदर्शी और विद्यालयी शिक्षा के अनुरूप बनाया जाए। यदि प्रश्नपत्र पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे, तो छात्रों का कोचिंग संस्थानों पर निर्भरता कम होगी, आर्थिक असमानता घटेगी। परीक्षा प्रणाली सुरक्षित और विश्वसनीय होगी तो युवाओं का विश्वास भी मजबूत होगा। भारत जैसे युवा देश के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि प्रतिभा का चयन अवसरों की समानता और ईमानदार प्रतिस्पर्धा के आधार पर हो, न कि कोचिंग की उपलब्धता, आर्थिक क्षमता या पेपर लीक जैसी विकृतियों के आधार पर। शिक्षा व्यवस्था का लक्ष्य प्रतिभा को पहचानना होना चाहिए, उसे अनावश्यक दबाव और असमानताओं के जाल में फंसाना नहीं।

योग्यता पर प्रहार, भविष्य पर वार

कर्नाटक में कैबिनेट गठन के साथ ही सामने आई तनातनी तो तमिलनाडु में विजय की फिर विजय

यह मामला सीएम शिवकुमार ने कहा- यहां सब कुछ ठीक राजनीतिक चुनौती बन गया चल रहा, लेकिन रामलिंगा रेड्डी इस्तीफे पर अड़े

एजेंसी ►►बेंगलुरु

कर्नाटक की नई कांग्रेस सरकार के गठन के महज 3 दिन बाद ही मंत्री रामलिंगा रेड्डी के इस्तीफे को लेकर पैदा हुआ विवाद सरकार के लिए पहली बड़ी राजनीतिक चुनौती बन गया है। शनिवार को रेड्डी ने संकेत दिए कि वह अपने इस्तीफे पर अंतिम फैसला लेने से पहले कांग्रेस नेतृत्व और मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच चल रही बातचीत के नतीजे का इंतजार करेंगे। रेड्डी का बयान ऐसे समय में आया है जब सीएम शिवकुमार ने बताया कि मामला सुलझ गया है। शिवकुमार ने यह भी कहा कि रेड्डी उनके मित्र हैं।



सीएम शिवकुमार से मिलते नेतागण

उन्हें दिया गया आश्वासन पूरा नहीं किया

रेड्डी ने उस समय इस्तीफे की घोषणा कर दी थी, जब उन्हें बेंगलुरु विकास विभाग के बजया प्रमुख व मध्यम सिंचाई विभाग (मेजर एंड मीडियम इर्रिगेशन) का प्रभार सौंपा गया। उन्हें जो आश्वासन दिया गया था, उसके पूरा नहीं होने से वह निराश हैं।

शिवकुमार ने रेड्डी के इस्तीफे को स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इसे चर्चाओं के जरिए सुलझाया जाएगा। हालातों को शांत करने के कांग्रेस नेतृत्व के प्रयासों के बीच शिवकुमार की यह टिप्पणी सामने आई है। हम किसी भी परिस्थिति में हम उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं करेंगे। डीके ने कहा, रेड्डी का इस्तीफा मिला है, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि कोई भी फैसला लेने से पहले चर्चाएं जारी रहेंगी।

तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा उलटफेर

चेन्नई। तमिलनाडु में अभिनेता विजय की पार्टी तमिलनाा वेत्री कडगम यानी टीवीके को शुक्रवार को एक बड़ी ताकत मिली। पुरानी और बड़ी पार्टियों के 5 बड़े नेता टीवीके में शामिल हो गए। इनमें से 4 नेता एआईएडीएमके के पूर्व मंत्री हैं और एक डीएण्के के पूर्व विधायक हैं। टीवीके के नायक हैं विजय। अब तक विजय सिर्फ फिल्मों में थे, लेकिन उन्होंने राजनीति में भी कदम रखा और सीधे मुख्यमंत्री बन गए। 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में टीवीके ने शानदार प्रदर्शन किया और कुछ अन्य दलों की मदद से प्रदेश में सरकार बना ली।

टीवीके में एआईएडीएमके के 4 पूर्व मंत्री डीएमके के पूर्व विधायक हो गए शामिल एआईएडीएमके कई वर्षों तक सत्ता में रही



सीएम विजय

पार्टी ने किया उनका स्वागत एआईएडीएमके से 4 नेता टीवीके में आए हैं। एआईएडीएमके तमिलनाडु की सबसे पुरानी और बड़ी पार्टियों में से एक है। इस पार्टी की सरकार पहले तमिलनाडु में रह चुकी है। ये हैं एमसी संपत, एनआर शिवापति, कडंबूर सी राजू और उदुमलाई के राधाकृष्णन। ये चारों एआईएडीएमके की सरकार में मंत्री रह चुके हैं यानी इनका राजनीतिक अनुभव बहुत लंबा है और तमिलनाडु की जनता इन्हें जानती है। पार्टी के महासचिव आनंद और चुनाव प्रबंधन महासचिव आदव अर्जुन ने उनका स्वागत किया। 2026 के विधानसभा चुनावों में उदुमलाई राधाकृष्णन उदुमलपेट सीट से हार गए थे। कदंबूर राजू कोविलपट्टी से चुनाव हार गए और संपथ चिदंबरम में तीसरे स्थान पर रहे।

खबर संक्षेप

राबड़ी देवी की तबीयत खराब, तेज प्रताप मिले

पटना। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की तबीयत खराब हो गई है। उनके बड़े बेटे एवं



जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव शनिवार दोपहर को उनसे मिलने पहुंचे। तेज प्रताप

ने कहा कि उनकी माँ बीमार हैं, इसलिए मिलने आए। दूसरी ओर, लालू परिवार ने सुबह सरकार की ओर से मुहैया कराई गई सुरक्षा को वापस कर दिया।

ब्लास्ट मामले में टीएमसी का पूर्व विधायक गिरफ्तार

कोलकाता। भांगर ब्लास्ट के मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी ने टीएमसी के पूर्व विधायक सौकल



मोल्ला को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले एजेंसी ने ब्लास्ट मामले में मोल्ला को भगौड़ा घोषित

किया था। इसके बाद उसकी गिरफ्तारी के लिए टीएमसी कार्यालय और मोल्ला के तमाम ठिकानों पर छापेमारी की थी। पहले 8 ठिकानों पर रेड की गई थी।

शाह से मिले अमिरंदर कई मुद्दों पर की बात

नई दिल्ली। भाजपा से नाराजगी और कांग्रेस में जाने की अटकलों के बीच पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ



भाजपा नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री

जेपी नड्डा से मुलाकात की। कैप्टन ने एक्स पर लिखा शाह के साथ बैठक की और पंजाब से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। पार्टी के जनाधार बढ़ाने पर चर्चा की।

कोटा में सोते हुए महंत की चाकू से हत्या की

कोटा। कोटा शहर के बोरखेड़ा थाना क्षेत्र में चंद्रसेल मठ के महंत की अज्ञात बदमाशों ने देर रात



चाकू से गोद गोदकर हत्या कर दी। बदमाशों ने सोते हुए महंत पर ताबड़तोड़ चाकू से वार किया और मौके

से फरार हो गए। इस हमले में चंद्रसेल गांव स्थित मठ में मायापुरी अखाड़े के 35 वर्षिया महंत देवानंद महाराज की मौके पर ही मौत हो गई। इससे सनसनी फैली है।

वायनाड के स्कूल में 150 छात्र बीमार

वायनाड। केरल के वायनाड में कोयल्लाडी स्थित एक एडेड अपर प्राइमरी स्कूल के लगभग 150 छात्र



पिछले 3 दिन से बुखार और उल्टी का इलाज करा रहे हैं। ये बच्चे मार बेसेलियस एडेड अपर प्राइमरी स्कूल के

छात्र हैं और इनमें से 38 बच्चों को, जिन्हें लगातार परेशानी हो रही थी, बाथेरी तालुक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिंता करने की कोई बात नहीं है।

एजेंसी ►►कोलकाता

पश्चिम बंगाल में पिछले महीने ही पहली बार भाजपा सरकार बनी है। सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बंगाल सरकार को लेकर बड़े ऐलान हो रहे हैं। शनिवार को बंगाल में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अहम घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि दिल्ली से सिलीगुड़ी के बीच प्रस्तावित बुलेट ट्रेन का उद्देश्य समय में कमी लाना है। ये सिलीगुड़ी को नई दिल्ली से सिर्फ 6 घंटे में जोड़ देगा। वैष्णव ने कहा कि बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट बंगाल के लिए प्रस्तावित है। यह दिल्ली से सिलीगुड़ी को वाया लखनऊ, वाराणसी, पटना जोड़ेगा। वैष्णव ने शनिवार को घोषणा की कि अगले 5 वर्ष में कोलकाता मेट्रो के लिए नई पीढ़ी की 60 ट्रेन शुरू की जाएंगी।

बंगाल में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को लेकर रेल मंत्री वैष्णव ने अहम घोषणाएं कीं

अब बंगाल का किया जाएगा कार्याकल्प

रेल प्रोजेक्ट समय पर होंगे पूरे



बैठक में हाथ मिलाते मंत्री वैष्णव और सीएम सुवेंदु

सुवेंदु ने रेलवे परियोजनाएं के लिए जमीन देने की घोषणा की

सुवेंदु ने कहा कि आने वाले वर्षों में राज्य में लगभग एक लाख करोड़ की रेलवे परियोजनाएं लागू की जाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को इन परियोजनाओं के लिए भूमि रेलवे को सौंपने की टाइम टेबल तैयार करने का निर्देश दिया। वैष्णव के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया।

ममता सरकार में टकराव था : वैष्णव ने कहा कि ममता सरकार के दौरान राज्य और केंद्र के बीच टकराव की स्थिति थी। बंगाल में रेलवे विकास लगभग ठप हो गया था। अब यह समस्या दूर हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के लिए लगभग एक लाख करोड़ की रेलवे परियोजनाएं प्रस्तावित हैं और राज्य के प्रत्येक जिले को रेलवे नेटवर्क से जोड़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने राज्य से आतंकवाद खत्म करने का दिया मोरोसा

बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने शनिवार को उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में टीएमसी के एक नेता से जुड़े तालाब से बड़ी मात्रा में हथियार और कारतूस बरामद किए। ये हथियार कथित तौर पर तालाब में छिपाकर रखे गए थे। एसटीएफ ने संदेशखाली और आसपास के इलाकों में छापेमारी की। पूर्व तृणमूल क्षेत्रीय अध्यक्ष रॉबिन दास से जुड़े एक तालाब से बड़ी संख्या में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए।

संदेशखाली में टीएमसी नेता के तालाब से हथियारों का जखीरा बरामद

दोनों माई छापेमारी से पहले फरार



तालाब से हथियार बरामद करती टास्क फोर्स

एसटीएफ ने केंद्रीय बलों के साथ मिलकर आसपास के अन्य इलाकों में भी सर्च ऑपरेशन किया। अधिकारियों ने बताया कि फरार दोनों भाइयों की तलाश के लिए बड़े स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। भाजपा विधायक सजल घोष ने आरोप लगाया कि आम लोगों खतरे में डाल रहे थे।

सुवेंदु ने की तारीफ

सुवेंदु ने इस कार्रवाई को अवैध हथियारों के नेटवर्क के खिलाफ बड़ी सफलता बताया और पुलिस की सराहना की। सुवेंदु ने कहा कि कुमराखाली, बसंती और संदेशखाली में व्यापक छापेमारी की और शांति भंग करने के उद्देश्य से छिपाकर रखे बड़ी मात्रा में अवैध हथियार जब्त किए।

पंजाब के फिरोजपुर में सड़क हादसा पिकअप और ट्रॉली की टक्कर में 9 की मौत, 15 लोग घायल

एजेंसी ►►फिरोजपुर



पंजाब के फिरोजपुर में फाजिल्का रोड पर शनिवार सुबह एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसे ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। जंगा वाले मोड़ के निकट

एक पिकअप गाड़ी और घोड़ा ट्राला के बीच हुई आमने-सामने की भीषण टक्कर में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में कई की

हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पिकअप गाड़ी में सवार लोग परिजन की अस्थियां विसर्जित करने के लिए जा रहे थे। यात्रा के दौरान जब वाहन जंगा वाले मोड़ के पास पहुंचा तो सामने से आ रहे घोड़ा ट्राला के साथ उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि पिकअप गाड़ी का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें बैठे कई लोग अंदर ही फंस गए। अंशप्रीत ने बताया कि सुबह 3:30 बजे वह घर से अस्थियां लेकर करीब 30 लोग रवाना हुए थे।

कोचिंग संस्थान में फायरिंग का मामला खान सर ने नहीं किया सरेंडर अग्रिम जमानत याचिका देंगे

एजेंसी ►►पटना

फैजल खान उर्फ खान सर पर प्राथमिकी दर्ज हुए 24 घंटे बीत गए, लेकिन पटना पुलिस उनको गिरफ्तार नहीं कर पाई। अब खान के वकील पटना सिविल



कोर्ट पहुंचे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे सरेंडर नहीं करेंगे। पटना पुलिस ने गलत आरोप लगाकर उन पर प्राथमिकी दर्ज की है। पूरी एफआईआर ही गलत है।

उन्होंने गोली चलाने का आदेश भी नहीं दिया है। हम कोर्ट में अग्रिम जमानत की याचिका दायर करेंगे। उनकी वजह से गोली भी नहीं चली। उन्हें फंसाया जा रहा है। इसलिए वे सरेंडर नहीं करेंगे। वकील ने अग्रिम जमानत याचिका दायर करने की कोशिश की लेकिन समय खत्म होने के कारण वह आज ऐसा नहीं कर पाए। इसलिए सोमवार को जमानत याचिका दायर कर सकते हैं। पटना पुलिस के पास खान सर को गिरफ्तार करने का विकल्प खुला है। अब गिरफ्तारी पर सवाल अटका हुआ है।

लुधियाना रेलवे स्टेशन पर बड़ा हादसा टला दो हिस्सों में बंटी नई दिल्ली-कटड़ा ट्रेन धमाके के साथ टूटा स्लीपर का टॉयलेट

जान बचाने लोग इधर-उधर भागे

एजेंसी ►►लुधियाना

यहां के रेलवे स्टेशन पर शनिवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा होने से हड़कंप मच गया। नई दिल्ली से श्री माता वैष्णो देवी कटरा जा रही स्पेशल ट्रेन (04081) जैसे ही स्टेशन से रवाना होने लगी, अचानक 2 डिब्बों को आपस में जोड़ने वाली कपलिंग टूट गई। कपलिंग टूटने से जोरदार धमाका हुआ और स्लीपर कोच का टॉयलेट



क्षतिग्रस्त हो गया। इससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए यहां-वहां भागने लगे। हालांकि लोगों का कहना है कि धमाके की आवाज से डिब्बा टूटा है।

धमाके की आवाज से सहम गए यात्री

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शनिवार सुबह जब न्यू दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्पेशल ट्रेन लुधियाना स्टेशन से अभी चलना शुरू ही हुई थी कि अचानक एक जोरदार आवाज सुनाई दी। यह आवाज इतनी तेज थी कि यात्रियों को किसी अनहोनी का अंदेशा हुआ। कपलिंग टूटने के झटके के कारण स्लीपर कोच का शौचालय बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले

शुभम की न्यायिक हिरासत बड़ी मनीषा पर फैसला 9 को होगा

एजेंसी ►►नई दिल्ली

नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को बड़ा फैसला सुनाते हुए आरोपी शुभम खेरनार की न्यायिक हिरासत 15 जून तक बढ़ा दी।

मामले की एक अन्य आरोपी मनीषा वाघमारे की जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने अपना फैसला 9 जून के लिए सुरक्षित रख लिया है। सीबीआई ने वाघमारे की जमानत का कड़ा विरोध करते हुए उन्हें पूरे षड्यंत्र की अहम साजिशकर्ता बताया है।



धन का लेन-देन भी किया गया

विशेष सीबीआई न्यायाधीश अजय गुप्ता की अदालत में वाघमारे की ओर से अधिवक्ता श्रेयस गच्छे और सीबीआई की ओर से वरिष्ठ लोक अभियोजक नीतू सिंह ने पक्ष रखे। इस दौरान धन के लेन-देन की भी बात सामने आई।

खुशखबर...देर से ही सही, लेकिन दुरुस्त आ रहा मानसून

तेजी से बढ़ रहा, महाराष्ट्र और गोवा में झमाझम शुरू

अगले 7 दिन तक इन राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट



आंध्र, कर्नाटक और तेलंगाना में भी होगी

6-12 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल में, 12 जून को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में, 8-12 जून के दौरान दक्षिणी कर्नाटक में, 6-11 जून के दौरान रायलसीमा में, 6-10 जून और 12 जून को तेलंगाना में बारिश होने वाली है। 6-12 जून के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल, माहे, लक्षद्वीप, 6-11 जून के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में बारिश होगी।

आंधी-तूफान बिजली कड़कने की भी संभावना

दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं आंधी तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाओं का अनुमान है। 7 जून को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में तेज हवाएं चलेंगी। 6-7 जून के दौरान केरल, माहे, लक्षद्वीप में, 6-10 जून के दौरान तटीय कर्नाटक में कहीं-कहीं आंधी तूफान और बिजली कड़केगी।

अमेरिकी सेना ने 6 मिसाइलों को हवा में किया नष्ट

एजेंसी ►►तेल अवीव/तेहरान

अमेरिका ने कहा है कि उसकी सेना ने गोरुक और केशम आइलैंड पर ईरानी रडार साइट्स पर हमला किया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के मुताबिक, पहले होर्मुज में ईरान के 4 अटैक ड्रोन मार गिराए गए, फिर आगे के हमले रोकने के लिए रडार साइट्स को निशाना बनाया गया। इसके जवाब में ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उसने होर्मुज स्ट्रेट के पास दुश्मन ठिकानों पर मिसाइल हमला किया। वहीं, सेंटकॉम के मुताबिक ईरान ने कुवैत और बहरीन की ओर 7 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिनमें 6 को हवा में ही रोक दिया गया, जबकि सातवीं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी।

खबर संक्षेप

भारतीय ‘गेम डिजाइनर्स अवार्ड’ की सूची में

लंदन। ब्रिटेन के एक विश्वविद्यालय में पढ़ रहे एक भारतीय छात्र को भारत के एक कारखाने में काम



करने वाले मजदूर के जीवन पर आधारित गेम के लिए ‘बाफ्टा यंग गेम डिजाइनर्स अवार्ड’ के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। स्कॉटलैंड के ग्लासगो स्थित ‘स्ट्रेथक्लाइड’ विश्वविद्यालय के कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान विभाग में प्रथम वर्ष के छात्र डारसी डांडा को उनके गेम ‘माया’ के लिए 15-18 वर्ष के आयु वर्ग में नामांकित किया गया। यह गेम एक धिमावी की कहानी पर आधारित है, जो कपड़े के कारखाने में लंबे समय तक काम करती है।

न्यूयॉर्क में योग दिवस का नेतृत्व एचआर नागेन्द्र करेंगे

वॉशिंगटन। पीएम नरेंद्र मोदी के योग गुरु एचआर नागेन्द्र 21 जून को न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित टाइम्स स्क्वायर



पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का नेतृत्व करेंगे। वे न्यूयॉर्क के मॉडिसेलो में एक विशेष योग और कल्याण शिविर का भी उद्घाटन करेंगे जो 12 से 14 जून तक आयोजित किया जाएगा। इसका आयोजन राजस्थान एंजोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (आरएनए), बीआरयूएचयूडी एनवाई सीनियर्स और जयपुर फुट यूएएफ द्वारा किया जा रहा है। शिविर में एस शिविर में योग सत्र, ध्यान, तनाव से निपटने संबंधी व्याख्यान दिए जाएंगे।

कांगो में इबोला वायरस से 82 लोगों की मौत

नई दिल्ली। कांगो में इबोला के मामले में बड़ी बढ़ोतरी हुई है। इकांगो के स्वास्थ्य मंत्रालय की



ओर से जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला के कंफर्म मामलों की संख्या 452 हो गई है, जिनमें 82 लोगों की जान चली गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने 4 जून को इतुरी और नॉर्थ किबु प्रांतों में 71 नए मामलों की जानकारी दी थी, जिनमें 21 लोगों की मौत हो गई थी। यह वायरस बुंदिबुग्यो स्ट्रेन के लगातार कम्युनिटी ट्रांसमिशन का संकेत है।

हवाई में 29वीं भारत-अमेरिका सैन्य वार्ता आयोजित द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने और रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने पर हुई बात

एजेंसी ►► नई दिल्ली

अमेरिका के हवाई में 29वीं भारत और अमेरिका ने ‘आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ वार्ता’ आयोजित की, जिसमें दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई।

साथ ही, दोनों पक्षों ने अपने रणनीतिक साझेदारी संबंधों को और गहरा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस बैठक की सह-अध्यक्षता उप सेना प्रमुख (रणनीति) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई और अमेरिकी सेना प्रशांत के उप कमांडिंग जनरल लेफ्टिनेंट जनरल जोएल वोवेल ने की।

ईरान ने कुवैत व बहरीन पर 7 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं अमेरिका ने ईरानी रडार साइट्स पर किया जवाबी हमला

बहरीन ने मिसाइल हमले की निंदा करते हुए इसे देश की संप्रभुता का खुला उल्लंघन और खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा के लिए खतरा बताया

◀ होर्मुज में ईरान के 4 अटैक ड्रोन मार गिराए गए

◀ कुवैत में संपत्तियों को पहुंचा नुकसान लोग सुरक्षित



अमेरिका का ईरानी रडार साइट्स पर हमला

ईरान की मिसाइलों को रोका: **कुवैत**

कुवैत के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि शनिवार सुबह देश की सेना ने कुवैत के हवाई क्षेत्र में दाखिल हुई ईरान की सात बैलिस्टिक मिसाइलों का इंटरसेप्ट कर लिया। मंत्रालय के अनुसार, इन मिसाइलों को रियायशी इलाकों के ऊपर ही रोक लिया गया। हालांकि, उन्हें नष्ट करने के बाद उनका कुछ मलबा जमीन पर गिरा, जिससे कुछ जगहों पर संपत्ति को नुकसान पहुंचा। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस घटना में किसी भी व्यक्ति की मौत या घायल होने की खबर नहीं है।



हमले का जायजा लेते अधिकारी

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल के साथ हुई बैठक में बोले एस. जयशंकर

स्टार्टअप, सूचना, तकनीक, एआई और नवीकरणीय ऊर्जा में संबंधों को देंगे गति

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल के नेतृत्व वाली सरकार नई दिल्ली के साथ मौलिक रूप से उद्देश्यपूर्ण ढंग से जुड़ने के लिए तैयार है। नेपाल, भारत को अपने एक अति महत्वपूर्ण साझेदार देश के रूप देखता है, हम अपने संबंधों को शीर्ष प्राथमिकता देते हैं

हरिभूमि ब्यूरो ►►नई दिल्ली

बीते कुछ वक्त से सीमा विवाद और शीर्ष राजनीतिक नेपाली नेतृत्व के बयानों की वजह से भारत-नेपाल संबंधों में बना हुआ तनाव का दौर फिलहाल खत्म होता हुआ नजर आ रहा है। शनिवार को नई दिल्ली में दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच एक उच्च-स्तरीय द्विपक्षीय-प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक हुई है। जिसमें डॉ. एस. जयशंकर ने नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल को आपस में मिलजुल कर कार्य करने को ही भारत का काठमांडू को दिया गया साफ संदेश बताया। इसे उन्होंने (सहयोग और सहकार्य) जैसे दो शब्दों के साथ परिभाषित भी किया है। यह जानकारी डॉ. जयशंकर ने इस बैठक को लेकर एक्स पर एक ऑडियो-वीडियो पोस्ट के जरिए दी है। उधर, इस बैठक के पूर्व में नेपाल के विदेश मंत्री ने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल से भी मुलाकात की है। यहां बता दें कि इस साल के मध्य में नेपाल में नई सरकार गठित की गई है।

►►भारत को बताया नेपाल का बेहद महत्वपूर्ण साझेदार ईधन-उर्वरकों की सप्लाई के लिए जताया आभार

►►साझा हितों को लेकर द्विपक्षीय संबंधों पर की बातचीत



बैठक के दौरान शिशिर खनाल और जयशंकर प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत करते हुए

अतीत के बोझ से कोई वास्ता नहीं: खनाल

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बैठक में कहा कि हमारे पीएम बालेंद्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार नई दिल्ली के साथ मौलिक रूप से उद्देश्यपूर्ण ढंग से जुड़ने के लिए तैयार है। नेपाल, भारत को अपने एक अति महत्वपूर्ण साझेदार देश के रूप देखता है, नई दिल्ली के साथ हम अपने संबंधों को शीर्ष प्राथमिकता देते हैं। पश्चिम-एशिया संकट के बीच की गई

ईधन (डीजल), उर्वरकों की सप्लाई के लिए हम भारत का धन्यवाद करते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हम अपने कंधों पर अतीत के किसी बोझ को लाये हुए नहीं हैं। काठमांडू की सता पर काबिज हुई पुरानी सरकारों ने क्या किया, पहले के समय में कौन से विवाद रहे हैं? उनसे हमारा कोई सरोकार नहीं है। पीएम बालेंद्र शाह किसी भी तरह की

पुरानी कड़वाहट में अपना वक्त नहीं गंवाना चाहते हैं। बल्कि वह नेपाल के निकट पड़ोसी और एक अहम साझेदार भारत के साथ अपने संबंधों के एक युग के लिए प्रतिबद्ध है। विदेश मामलों के जानकारों के मुताबिक, नेपाल के इस बयान से कहीं न कहीं चीन को साफ शब्दों में यह संदेश चला गया है कि वो जितनी चाहे कोशिश कर ले।

जरूरत पड़ने पर नहीं छोड़ा साथ

जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के बीच विशेष संबंध हैं। जिनकी बुनियाद सीमा पार संपर्क, सांस्कृतिक-धार्मिक मामलों और हमारे आम जनमानस के बीच बने हुए संबंधों की नींव पर टिकी हुई है। इसमें आपसी विश्वास, सद्भावना, और साझा हितों की भी काफी महत्वपूर्ण भूमिका है। बैठक में हमने द्विपक्षीय संबंधों को लेकर विस्तार से चर्चा की है।

सीमा सुरक्षा पर निकटता से करेंगे काम

उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल के बीच लंबी अनेखी और खुली हुई सीमा मौजूद है। जिस पर सुरक्षा को बनाए रखने के लिए दोनों देश निकटता से एक-दूसरे के साथ काम करेंगे। जयशंकर ने विश्वास जताते हुए कहा कि आज की इस वार्ता से दोनों देशों के संबंधों में बदलाव लाने और उनकी पूर्ण क्षमता को समझने का मौका मिला है। हमारी इस बातचीत से भारत, नेपाल संबंध और अधिक उज्ज्वल होंगे।

यूएन में पाक ने उठाया कश्मीर का मुद्दा भारत बोला- ये हमारा आंतरिक मामला, यहां ‘झूठ’ न फैलाएं

एजेंसी ►►न्यूयॉर्क

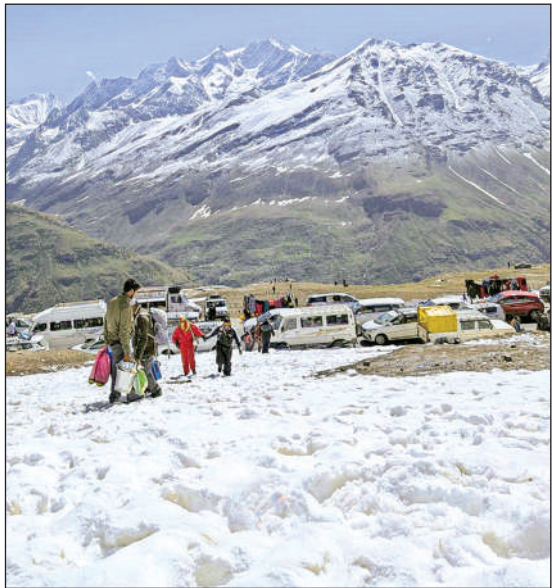
संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक बार फिर भारत ने पाकिस्तान को जमकर लताड़ा। दरअसल, महासभा में



पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाकर भारत को घेरने की कोशिश की, लेकिन भारत ने तुरंत कड़ा जवाब देते हुए उसे फटकार लगा दी। भारत ने साफ कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्यता

कोई राजनीतिक प्रचार का मंच नहीं है और इसका इस्तेमाल झूठे और पक्षपातपूर्ण दावे फैलाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने दो टूक कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और इस सच्चाई को कोई नहीं बदल सकता। उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद की सदस्यता बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है और इसे झूठे प्रचार का मंच नहीं बनाया जा सकता। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा।

जून में हिमाचल में बर्फबारी, झूम उठे पर्यटक



शिकुला व रोहतांग दर्रे में गिरे बर्फ के ढाहे

शिमला। जून महीने के विलचिलते तापमान के बीच मनाली के पर्यटन स्थलों में पहुंच रहे पर्यटकों का स्वागत बर्फ के ढाहों से हो रहा है। दो दिन से मौसम सुहावना हो गया। रोहतांग सहित शिकुला व बारालाचा में पर्यटकों ने बर्फ के ढाहों में मस्ती कर अपने ट्रक को यादगार बनाया। सप्ताहांत के चलते शुक्रवार को साढ़े तीन हजार से अधिक पर्यटक वाहन मनाली पहुंचे हैं। छोटे और बड़े होटल पैक हो गए हैं। मनाली सहित लाहुल के समस्त पर्यटन स्थलों में रौनक के गुनगुन हो गई हैं। 10 से 15 जून ऊंची बर्फ की दीवारें और फ्रेश स्नो देखने को मिला। जून महीने में उंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ के ढाहे सैलानियों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

फ्रांस ने राफेल लड़ाकू विमानों को दिलाई ‘सुपर ताकत’

नई एनजी मिसाइल का सफल परीक्षण, स्टेल्थ जेट भी नहीं बचेगे

दुश्मन के विमानों, हेलिकॉप्टरों, ड्रोन, मिसाइलों को निशाना बनाने की क्षमता

एजेंसी ►►पेरिस

फ्रांस ने राफेल लड़ाकू विमान के लिए बनाई गई नई और आधुनिक एमआईसीए एनजी मिसाइल का सफल परीक्षण किया है।

खास बात यह है कि इस मिसाइल को पहली बार राफेल से बहुत तेज यानी सुपरसोनिक गति में दागा गया और यह स्टेल्थ फाइटर जेट्स को भी निशाना बना सकता है। मिसाइल बनाने वाली कंपनी एमबीडीए के मुताबिक, एमआईसीए एनजी को भविष्य के युद्धों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

जून 2025 में किया गया था पहला परीक्षण



राफेल विमान से दागी गई एनजीए मिसाइल

कंपनी के मुताबिक, यह मिसाइल दुश्मन के लड़ाकू विमानों, हेलिकॉप्टरों, ड्रोन, स्टेल्थ फाइटर जेट और तेज रफ्तार क्रूज मिसाइलों को भी निशाना बना सकती है। स्टेल्थ विमान वे होते हैं जिन्हें रडार पर पकड़ना काफी मुश्किल होता है। यह एमआईसीए एनजी का राफेल विमान से दूसरा परीक्षण था। पहला परीक्षण जून 2025 में किया गया था। इस बार इसे ऐसी स्थिति में परखा गया जब विमान ध्वनि की गति से भी ज्यादा तेज उड़ रहा था। इतनी तेज गति पर तापमान बहुत बढ़ जाता है, जिससे लक्ष्य को पहचानना मुश्किल हो जाता है।

गर्मी पहचानकर निशाना लगाती है मिसाइल

परीक्षण के दौरान मिसाइल के इन्फ्रारेड सेंसर की जांच की गई। यह तकनीक दुश्मन के विमान या मिसाइल से निकलने वाली गर्मी को पहचानकर उसमें टैंक करती है। परीक्षण में यह साबित हो गया कि बेहद कठिन परिस्थितियों और अधिक तापमान में भी यह प्रणाली सही तरीके से काम कर सकती है। इसके जरिए लड़ाकू विमान दुश्मन के विमानों को रोकने, हवाई लड़ाई लड़ने और अपनी सुरक्षा करने में ज्यादा सक्षम होंगे।

114 नए राफेल जेट खरीदना चाहता है भारत

मिसाइल का एक दूसरा संस्करण जहाजों और जमीन पर महत्वपूर्ण ठिकानों की सुरक्षा के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकेगा। भारत ने हाल ही में फ्रांस को 114 नए राफेल लड़ाकू विमान खरीदने का प्रस्ताव भेजा है। इस सौदे की अनुमानित कीमत करीब 3.25 लाख करोड़ रुपये बताई जा रही है। प्रस्ताव के अनुसार 114 में से 94 राफेल विमान भारत में ही बनाए जाएंगे। इन्हें फ्रांस की कंपनी डिसॉल्ट एविएशन और एक भारतीय कंपनी मिलकर तैयार करेंगी।

ट्रंप ने की मौजताब से मुलाकात की पेशकश

अराघवी बोले- असल दुनिया में नहीं जी रहे राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मौजताबा खामेनेई से मुलाकात करने की इच्छा जताई है। इस पर ईरान के विदेश मंत्री

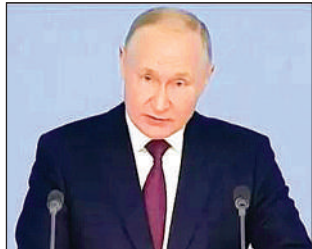


अब्बास अराघवी ने तंज कसा है। अराघवी ने कहा कि मैंने वह रिपोर्ट देखी है जिसमें ट्रंप ने मुलाकात की इच्छा जताई है। लेकिन मेरा मानना है कि हमें व्यावहारिक होना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति को हवा में बातें करने के बजाय असली दुनिया में सोचना और जीना चाहिए। बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा था कि अगर तेहरान के साथ कोई ठोस समझौता होता है, तो वह ईरान के नए सर्वोच्च नेता मौजताबा खामेनेई से मिलने के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने यहां तक कहा कि इस मुलाकात से वह सम्मानित महसूस करेंगे।

वार्षिक सेंट पीटर्सबर्ग फोरम 2026 में बोले पुतिन भारत पर प्रतिबंध का असर नहीं धमकी देने वाले भुगतेंगे अंजाम

►► भारत संग रिश्ते राजनीतिक उतार-चढ़ाव से प्रभावित नहीं होते

एजेंसी ►►सेंट पीटर्सबर्ग



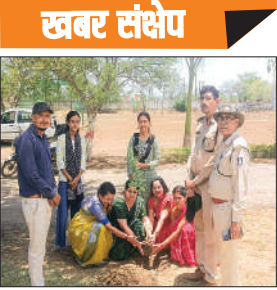
भारत-रूस अपनी प्रतिबद्धताओं

पर कायम

रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के साथ केमेलिन का सहयोग किसी भी तरह के राजनीतिक माहौल के अधीन नहीं है और मॉस्को भारत जैसे अपने मरोसेमंद भागीदारों को दो बड़े प्रतिबद्धताओं पर हमेशा कायम रहेगा। भारत के साथ हमारा सहयोग, हमारे बाकी सभी भागीदारों की तरह, राजनीतिक उतार-चढ़ाव से प्रभावित नहीं होता है। कोई हमें यह जिदेंश नहीं दे सकता कि हम भारत को क्या आपूर्ति करें और क्या नहीं। कोई भी हमें विदीर्षित नहीं कर सकता और कोई ऐसा करने को कोशिश भी नहीं करेगा।

आईटी उद्योग का दिग्गज है भारत

डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की भूमिका की सराहना करते हुए रूसी राष्ट्रपति ने भारत को एक प्रमुख भागीदार बताया। उन्होंने कहा कि हमारा एक और प्रमुख भागीदार, भारत, आईटी उद्योग में अग्रणी खिलाड़ियों में से एक है। वैश्विक सॉफ्टवेयर बाजार में भारत की बहुत बड़ी और महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। बता दें, आपकी बात दें कि भारत साल 2026 में ब्रिक्स देशों के वार्षिक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। व्लादीमीर पुतिन इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए 12 और 13 सितंबर को भारत की यात्रा पर आने वाले हैं।



विश्व पर्यावरण दिवस पर किया पौधरोपण

औबेदुल्लागंज। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्लोबल स्कूल ऑफ़ एक्सलेंस में अपशिष्ट प्रबंधन एवं सतत पर्यावरण पर वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्था सेनसेड द्वारा मध्यप्रदेश परिषद विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी भोपाल के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रातापानी वन विभाग के रेंज अधिकारी कांतिकेय शुक्ला ने पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन एवं पौधरोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी नागरिकों से प्रकृति संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर हेमलता तिवारी ने महिला प्रतिभागियों को पुराने समाचार पत्रों से पेपर बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया तथा प्लास्टिक उपयोग को कम करने के लिए वैकल्पिक उपाय अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया गया।

मीडिया प्रबंधन विषय पर विशेष प्रशिक्षण आयोजित भोपाल। विश्व प्रसिद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक महापर्व सिंहस्थ-2028 के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन को दृष्टिगत रखते हुए भोपाल पुलिस कमिश्नरेट द्वारा आयोजित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत अतिरिक्त प्रशिक्षणार्थियों को सोशल मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं प्रिंट मीडिया प्रबंधन तथा अफवाह नियंत्रण विषय पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

स्व. कोठारी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित



औबेदुल्लागंज। भाजपा के वरिष्ठ नेता स्व. विजय कोठारी की शनिवार को पुण्यतिथि पर उनके पुत्र मीडिया प्रभारी पंकज कोठारी ने मंदिर में प्रार्थना की और पिता के मार्गदर्शन पर चलने की शपथ ली। स्व. विजय कोठारी को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विधायक सुरेंद्र पटवा, वरिष्ठ नेता सुरजीत सिंह गिल, डॉ. भूपेंद्र नागर, दीपू परमार, आशीष दीक्षित, दशरथ गुर्जर, रामकिशोर चौहान, बाबूलाल, आरती यादव, व्यापार महासंघ के जगदीश चन्दानी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक अनूप, पार्षद हेमलता चौरसिया, पुरुषोत्तम शर्मा, मनोज चौरसिया, विक्रम धाडी, मुकेश श्रीवास्तव, गोल्ड चौरसिया, संदीप मेहरा, गुलाब सिंह आदि ने माल्यार्पण कर श्रद्धा समन अर्पित की।

शुभक			
कल्याण:	1736		
दिन:	456	50	280
रात:	150	60	578
तारा:			
दिन:	890	77	467
रात:	360	93	148



मप्र स्वर्णकार समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष व सदस्यों ने किया पौधरोपण।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित मप्र स्वर्णकार समाज ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को एक पेड़ मां के नाम पौधरोपण कार्यक्रम के अंतर्गत मप्र स्वर्णकार समाज कल्याण समिति के तत्वावधान में स्वर्णकार उद्यान रवीन्द्र भवन के सामने में पौधरोपण किया गया। इस मौके पर समाज के

बुल्गारिया सम्मेलन में एम्स भोपाल के शोधों ने फॉरेंसिक जांच के नए आयाम दिखाए

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

फॉरेंसिक साइंस को अक्सर सिर्फ पोस्टमार्टम तक सीमित समझा जाता है, लेकिन एम्स भोपाल के शोधकर्ताओं ने इसे एक नए नजरिए से दुनिया के सामने रखा है। बुल्गारिया के सोफिया में आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ़ फॉरेंसिक साइंसेज (आईएफएएस) की बैठक में एम्स भोपाल के विशेषज्ञों ने शोधों ने यह दिखाया कि मौत के बाद भी शरीर कई 'साइलेंट क्लू' देता है, जरूरत है उन्हें सही तरीके से पढ़ने की।



एम्स भोपाल के शोधकर्ता।

घात की उम्र से लेकर दिमाग की चोट तक, फॉरेंसिक में नई सगझ

डॉ. जयंती यादव के शोध में बताया कि किसी घात की उम्र कितनी है, इसे सिर्फ सतही जांच से नहीं, बल्कि इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री जैसी तकनीकों से ज्यादा सटीक तरीके से जाना जा सकता है। फॉरेंसिक अब सिर्फ चाकू-छुरी नहीं, टेक्नोलॉजी का खेल है डॉ. राघवेंद्र कुमार विदुआ के शोधों ने यह साफ किया कि फॉरेंसिक तेजी से टेक्नोलॉजी-ड्रिवन हो रहा है। फॉरेंसिक अब सिर्फ चाकू-छुरी नहीं, टेक्नोलॉजी का खेल है।

काम से हटवाने की आशंका के चलते पिछले कुछ दिनों से चल रहा था विवाद पत्नी के साथ जा रहे युवक से दो सगे भाइयों ने मारपीट कर ऑपरेशन ब्लेड से किया हमला

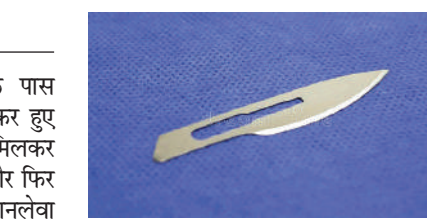
►► युवक के गाल व गले के पास आई गंभीर चोट, अस्पताल में चल रहा इलाज

►► पुलिस ने हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

कोहेफिजा स्थित दुर्गा मंदिर के पास लालघाटी इलाके में काम को लेकर हुए विवाद के चलते दो सगे भाइयों ने मिलकर एक युवक के साथ मारपीट की और फिर ऑपरेशन करने वाले ब्लेड से जानलेवा हमला कर दिया। युवक के गाल व गले के पास गंभीर चोट आई है। पुलिस ने हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक मूलरूप से बनी गांव राजगढ़ निवासी जितेंद्र मोंगिया दुर्गा मंदिर के पास लालघाटी चौराहे पर फुटपाथ पर झुग्गी



बनाकर पत्नी के साथ रहता है। दोनों पति-पत्नी मेहनत-मजदूरी करता है। उसी गांव के दो सगे भाई मिथुन व मोहित भी वहीं फुटपाथ पर रहकर मजदूरी करते हैं। कुछ दिनों से उनका जितेंद्र से काम को लेकर विवाद चल रहा है। पुलिस का कहना है कि मिथुन और उसके भाई मोहित पूर्व में जितेंद्र

के साथ किसी जगह काम करते थे। किसी कारणवश मोहित व मिथुन का काम छूट गया। दोनों भाइयों को लगता था कि जितेंद्र मोंगिया ने ही कुछ गड़बड़ की है, जिसकी वजह से उन्हें काम से हटा दिया गया। इसी बात को लेकर शुक्रवार सुबह मोहित व मिथुन का जितेंद्र से विवाद हो गया। उस समय वह पत्नी के साथ कहीं जा रहा था। विवाद बढ़ने पर झुमाझटकी हुई और उसी दौरान मिथुन ने अपनी जेब से ऑपरेशन करने वाली ब्लेड निकाल कर जितेंद्र पर जानलेवा हमला कर दिया। कान के पास विवाद चल रहा है। पुलिस का कहना है कि अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

त्व्रित कार्रवाई से टीकमगढ़ के डायल-112 की टीम ने सड़क दुर्घटना में घायलों को शीघ्र उपचार मिला

भोपाल। टीकमगढ़ जिले के थाना दिगौड़ा क्षेत्र में डायल-112 जवानों की तत्पर एवं संवेदनशील कार्रवाई से सड़क दुर्घटना में घायल दो युवतियों एवं एक युवक को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया। इस त्वरित कार्रवाई से घायलों को शीघ्र चिकित्सकीय सहायता मिल सकी। 5 जून को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना दिगौड़ा क्षेत्र के तहत मेन रोड

बर्माताल के पास एक अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटर साइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई है, जिसमें दो युवतियां एवं एक युवक घायल हो गए हैं तथा तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही दिगौड़ा थाना क्षेत्र में तेजात डायल-112 वाहन को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। डायल-112 स्टॉफ सउनि कल्याण सिंह यादव एवं पायलट आशीष यादव ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। डायल-112 जवानों ने

तत्परता एवं मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए सभी घायलों को तत्काल डायल 112 वाहन की सहायता से जिला चिकित्सालय, टीकमगढ़ पहुंचाया। डायल-112 की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई से सभी घायलों को समय पर उपचार उपलब्ध हो सका। डायल-112 हीरोज श्रृंखला के तहत यह घटना दर्शाती है कि मप्र पुलिस की डायल-112 सेवा आपात परिस्थितियों में आमजन की सहायता हेतु सदैव सजग, संवेदनशील एवं प्रतिबद्ध है।



मानव संसाधन विकास केन्द्र के पास पौधरोपण करते भेल के अधिकारी।

बीएचईएल के अधिकारी और कर्मचारियों ने किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बीएचईएल के मानव संसाधन विकास केन्द्र के पास आरिफ अहमद सिद्दीकी, अपर महाप्रबंधक (मासर्विके), उपेन्द्र कुमार सिंह, अपर महाप्रबंधक (प्रचार एवं जनसंपर्क), विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ऑफ़िस प्रशिक्षुओं की मौजूदगी में

पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर मानव संसाधन विकास केन्द्र की गतिविधियों से जुड़े कर्मचारियों और कॉलेज के छात्रों को सिद्धकी द्वारा पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। अपने संबोधन में उन्होंने प्रतिभागियों को अपने निजी, पेशेवर जीवन में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार आदतें अपनाने एवं अपना भविष्य बनाने में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

दंपती को कुचलने वाले बस चालक पर मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित पिपलिया हस्नाबाद रोड पर शुक्रवार सुबह बुजुर्ग दंपती की बस के चपेट में आने से मौत हो गई थी। उक्त मामले में पुलिस ने बस चालक पर मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। परिजन ने बताया कि दंपती अपनी 7 साल की नातिन के साथ गांव से बैरसिया डॉक्टर के पास इलाज कराने जा रहे थे, तभी पिपलिया हस्नाबाद रोड पर बस के ड्राइवर ने तेजी और लापरवाही पूर्वक बस चलाते हुए उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक सवार दंपती और सात साल की मासूम सड़क पर गिरे थे। बस का पहिया बुजुर्ग महिला के सिर से होता हुआ गुजर गया, जबकि बाइक चला रहे बुजुर्ग के सिर और हाथ पैर में गंभीर चोट थी। इस हादसे में दंपती की मौत हो गई थी, जबकि सात साल की नातिन का इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार सड़म खान (55) गोंडीपुरा में रहते थे। शुक्रवार सुबह वह बाइक से गोंडीपुरा से बैरसिया अपनी पत्नी कल्लो बी (50) का इलाज कराने जा रहे थे। उनके साथ उनकी 7 साल की नातिन जिकरा पिता नसीम खान थीं।

■ बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित पिपलिया हस्नाबाद रोड पर हुआ हादसा

गांव में नहीं है पानी निकासी के लिए नाली पहले से बनी नाली के ऊपर फिर नाली बनाने से ग्रामीण नाराज



हरिभूमि न्यूज ►►तामोठ

नगर के हाई स्कूल के समीप पहले से बनी हुई नाली के ऊपर पुनः नई नाली का निर्माण किए जाने को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिस स्थान पर नाली की वास्तविक आवश्यकता है, वहां पिछले कई वर्षों से निर्माण कार्य नहीं कराया गया, जबकि पहले से मौजूद नाली पर ही

दोबारा निर्माण कराया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले लगभग पांच वर्षों से गांव के कई हिस्सों में जल निकासी की समस्या बनी हुई है। अनेक बार शिकायत किए जाने के बावजूद क्षेत्रों में नाली निर्माण नहीं कराया गया। इसके विपरीत हाई स्कूल के पास पहले से कार्यरत नाली के ऊपर नई नाली का निर्माण शुरू कर दिया गया है, जिससे निर्माण कार्य की आवश्यकता पर सवाल उठ रहे हैं। जनपद सदस्य सुलेखा चौहान ने बताया कि तामोठ की पंचायत क्या करती है क्या नहीं जनपद सदस्यों को जानकारी नहीं देते और ना बैठक में बुलाते हैं। एसडीओ उमाकांत आर्य ने कहा कि तामोठ में निर्माण कार्य की कई शिकायत आ रही है मैं स्वयं इसकी जांच करूंगा

साई संजय देव ने दिया आशीर्वाद जय महाराज के मंत्रोच्चार पर 51 बच्चों का हुआ जनेऊं संस्कार



हरिभूमि न्यूज ►►संतनगर

पूज्य सुखराम दास मसंद अहमदाबाद दरबार के गादिनशिन साई संजय देव मसंद साहेब ने कहा है कि जरूरतमंदों की सेवा करने वाला ही सच्चा सुख पाता है। साई जी यहां पर दो दिवसीय यात्रा पर भोपाल आए थे, उन्होंने विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम में उपस्थिति देकर यहां के जनमानस को लाभाविनत किया। संत नगर में 51 बच्चों के जनेऊ संस्कार के कार्यक्रम में उन्होंने बच्चों को आशीर्वाद दिया। ट्रस्ट के गोप मूलानी व प्रकाश वीधानी ने बताया कि सत्संग सन्नी मूलचंदानी नवसारी वालों और गिरीश विधानी जुनागढ़ वालों का संपन्न हुआ उसके बाद साई संजय देव मसंद साहेब के आशीर्वाद वचन सत्संग हुआ। पण्डित जय कुमार शर्मा द्वारा विधि विधान से जनेऊं कराए गए।



मप्र स्वर्णकार समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष व सदस्यों ने किया पौधरोपण।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित मप्र स्वर्णकार समाज ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को एक पेड़ मां के नाम पौधरोपण कार्यक्रम के अंतर्गत मप्र स्वर्णकार समाज कल्याण समिति के तत्वावधान में स्वर्णकार उद्यान रवीन्द्र भवन के सामने में पौधरोपण किया गया। इस मौके पर समाज के

अध्यक्ष ओपी सोनी, अखिलेश सोनी, जितेंद्र सोनी, देवदत्त सोनी, डॉ. मीनाक्षी सोनी, शानवी सोनी एवं शिवाय सोनी सहित अन्य लोग मौजूद थे। समाज के अध्यक्ष ओपी सोनी ने पौधरोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की।

13 एवं 14 जून को भरे जाएंगे नामांकन फार्म 21 जून को नवयुवक समा भवन में प्रातः 8 से 2 बजे तक होगी वोटिंग धर्म प्रकाश मोटवानी एवं आयलदास साधवानी होंगे सहचुनाव अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ►►संतनगर

पूज्य सिंधी पंचायत संत हिरदाराम नगर बैरागढ़ भोपाल के त्रिवार्षिक चुनाव का कार्यक्रम घोषित किया गया। चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही यहां पर चुनावी माहौल गरमा गया है। समझा जा रहा है कि यह पंचायत चुनाव नगर निगम चुनाव की तरह ही होंगे। इस चुनाव में दो पैनल आमने सामने होंगे। चुनाव अधिकारी बसंत चलानी ने बताया कि 10 से 12 जून तक प्रातः 11 से दोपहर 1 बजे तक नामांकन फॉर्म नवयुवक सभा स्कूल



के अस्थाई कार्यालय से प्राप्त किए जा सकेंगे। 13 एवं 14 जून को नामांकन फार्म चुनाव अधिकारी को प्रस्तुत किए जा सकेंगे। 15 जून को प्रत्याशियों की सूची सूचना पटल पर चस्पा की जाएगी। नाम वापसी की अवधि 17 जून दोपहर 12 बजे तक रहेगी एवं इसी दिन ही प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी की जाएगी।

आवश्यक होने पर 21 जून को नवयुवक सभा भवन में प्रातः 8 से 2 बजे तक वोटिंग करवाई जाएगी तथा उसी दिन चुनाव के तत्काल बाद वोटों की गणना भी की जाएगी एवं परिणाम घोषित किया जाएगा। चुनाव निष्पक्ष एवं पारदर्शी करने के लिए चुनाव अधिकारी बसंत चेलानी के साथ धर्म प्रकाश मोटवानी एवं आयलदास साधवानी सहचुनाव अधिकारी सहयोग के रूप में रहेंगे। इसके अलावा चुनाव प्रक्रिया में सहयोग करने वालों की सूची जल्दी जारी की जाएगी।

रेलवे भर्ती के फर्जी विज्ञापनों से सावधान भोपाल मंडल ने सोशल मीडिया पर ठगी से बचने की दी सलाह

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

भोपाल मंडल ने युवाओं और अभिभावकों को सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे फर्जी रेलवे भर्ती विज्ञापनों से सतर्क रहने की सलाह दी है। रेलवे के अनुसार, इन भ्रामक विज्ञापनों के माध्यम से बेरोजगार युवाओं से आर्थिक ठगी का प्रयास किया जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में जारी चेतावनी में स्पष्ट किया गया है कि रेलवे में सभी भर्तियां केवल रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) और रेलवे भर्ती सेल (आरएससी) के माध्यम से निर्धारित प्रक्रिया और पूर्ण पारदर्शिता

के साथ की जाती हैं। रेलवे द्वारा किसी भी पद पर प्रत्यक्ष भर्ती, बिना परीक्षा नियुक्ति अथवा निजी एजेंसियों के माध्यम से चयन की कोई व्यवस्था नहीं है। रेल ने बताया कि बिना परीक्षा भर्ती, डायरेक्ट जॉइनिंग, तुरंत नियुक्ति, सीमित योग्यता पर सरकारी नौकरी और निश्चित चयन जैसे दावे पूरी तरह फर्जी और भ्रामक हैं। ऐसे विज्ञापनों में रेलवे का नाम, लोगो तथा विभिन्न रेलवे स्टेशनों के नामों का अनधिकृत उपयोग कर युवाओं को गुमराह किया जाता है। भोपाल मंडल ने अपील की है कि भर्ती संबंधी किसी भी सूचना की पुष्टि केवल आधिकारिक स्रोतों से ही करें।

आत्महत्या के मामलों में शरीर के अंदर छिपे संकेत

डॉ. अबन्ना के अध्ययन ने आत्महत्या के मामलों में एक नया आयाम जोड़ा। उन्होंने पीनियल, पिट्यूटरी और एंड्रिनल ग्रंथियों में होने वाले बदलावों को हार्मोनल और मनोवैज्ञानिक पहलुओं से जोड़कर देखा। इसका मतलब है कि भविष्य में फॉरेंसिक सिर्फ 'कैसे मौत हुई' नहीं, बल्कि 'क्यों हुई' के करीब भी पहुंच सकता है।

अब प्रोटिओमिक्स बताएगा सच पीएचडी शोधार्थी अरुण कोरी का काम खास इसलिए माना गया क्योंकि उन्होंने मृत्यु के समय (पोस्टमार्टम इंटरवल) के अनुमान में प्रोटिओमिक्स तकनीक के इस्तेमाल पर काम किया।

पोस्टमार्टम माइक्रोबायोलॉजी: बैक्टीरिया भी देंगे गवाही अस्विनी चंद्रन के शोध ने यह दिखाया कि शरीर में मौजूद सूक्ष्मजीव (माइक्रोब) भी मौत के कारण को समझने में मदद कर सकते हैं।

पुलिस बदमाशों का पता लगाने में जुटी आईएसबीटी पर दो कार के कांच तोड़कर हजारों का सामान चोरी

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित आईएसबीटी पर खड़ी दो अलग-अलग कार के कांच तोड़कर चोर हजारों रुपए की नगदी और दस्तावेज समेत अन्य सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने दोनों मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से बदमाशों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

जानकारों के अनुसार आईएसबीटी स्थित एक निजी बैंक में नौकरी करने वाली रोजलीना पन्ना ने अपनी कार बैंक के पास ही सड़क किनारे खड़ी की थी। शुक्रवार की शाम को ड्यूटी खत्म होने के बाद वह घर जाने के लिए कार के पास पहुंची तो देखा कि कार का कांच टूटा हुआ है। अंदर चैक करने पर कार में रखे हुए दस्तावेज और 50 हजार रुपए नगदी गायब थी। इसके बाद उन्होंने थाने पहुंचकर मामलों की शिकायत की।



कार से थैरेपी मशीन लेकर चंपत हो गया बदमाश करीब आधे घंटे के भीतर इसी तरह की दूसरी वास्तव रातीबड स्थित निजी कॉलेज में बतौर प्रोफेसर काम करने वाले डॉक्टर दर्पण गोयल एक परिचित से मिलने के लिए आईएसबीटी स्थित होटल पहुंचे थे। वह अपनी कार होटल के पास पार्किंग में खड़ा करके अंदर चले गए। करीब आधे घंटे बाद वापस आए तो उन्हें कार की खिड़की का कांच टूटा मिला। अज्ञात व्यक्ति ने कार का कांच तोड़ा तथा पीछे की सीट पर रखी हुई थैरेपी मशीन लेकर चंपत हो गया था। मशीन की कीमत करीब 18 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने दोनों मामलों में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गिल से मिलने पहुंचे विधायक पटवा

औबेदुल्लागंज। पूर्व जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष, भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं समाजसेवी सुरजीत सिंह गिल के निवास पर पहुंचकर विधायक सुरेंद्र पटवा ने आत्मीय भेंट की। इस दौरान विभिन्न समसामयिक विषयों पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर नारायण सिंह सेन, मंडल अध्यक्ष डॉक्टर भूपेंद्र नागर, माधव यादव, मनोज चौरसिया, लोकेश परमार आदि मौजूद थे।



लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी का सबसे बड़ा हब मप्र

हरिभूमि न्यूज़ ॥भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारे पास 1.25 लाख एकड़ से अधिक का रेडी-टू-यूज लैंड बैंक उपलब्ध है। आज मप्र लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी का सबसे बड़ा हब बन चुका है। प्रदेश में 5 लाख किमी से अधिक के सुदृढ़ सड़क नेटवर्क और अत्याधुनिक रेल व हवाई कनेक्टिविटी ने यातायात को सुगम बना दिया है। अगले 5 सालों में हम 6 प्रमुख औद्योगिक कॉरिडोर विकसित करेंगे, जो मालवा से बुंदेलखंड और निमाड़ से विंध्य तक रोड कनेक्टिविटी को और मजबूत करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंडिया-एलएसी ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट फोरम-2026 के उद्घाटन सत्र में शामिल हुए।

उन्होंने मप्र की खासियत के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन व्यापार एवं निवेश मंच में हो रहा मंथन दोनों क्षेत्रों के आर्थिक संबंधों को एक नई दिशा देगा। इस मंच से निकलने वाले सार्थक सुझावों और अमृत संदेशों को राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता, क्षमता और दक्षता के साथ आत्मसात कर धरातल पर उतारेंगी, जिससे मप्र वैश्विक व्यापार और निवेश के मानचित्र पर और अधिक मजबूती से उभरेगा।

मप्र में 1.25 लाख एकड़ से अधिक का रेडी-टू-यूज लैंड बैंक उपलब्ध

हरिभूमि न्यूज़ ॥भोपाल

■ मुख्यमंत्री इंडिया-एलएसी ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट फोरम-2026 के उद्घाटन सत्र में हुए शामिल

■ अगले 5 साल में 6 प्रमुख औद्योगिक कॉरिडोर करेंगे विकसित

■ मप्र वैश्विक व्यापार और निवेश के मानचित्र पर मजबूती से उभरेगा



उद्योगपतियों और निवेशकों से चर्चा करते मुख्यमंत्री।

ग्लोबल साउथ को समृद्ध करना और इसकी सम्प्रभुता को भी मजबूत बनाना प्रमुख उद्देश्य

ग्लोबल इंडिया बिजनेस फोरम के फाउंडर और ग्लोबल प्रेसीडेंट डॉ. जितेंद्र जोशी ने कहा कि भारत और लैटिन अमेरिका केवल समुद्री तौर पर अलग हैं, लेकिन एक साझा लक्ष्य के लिए साथ मिलकर काम कर रहे हैं। भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट फोरम-2026 का मूल उद्देश्य ग्लोबल साउथ को समृद्ध करना और इसकी सम्प्रभुता को भी मजबूत बनाना है। मप्र औद्योगिक निवेश के लिए सर्वाधिक गतिशील राज्य है, जहां

फार्मास्युटिकल, मैनुफैक्चरिंग, एग्रीकल्चर, सर्विस इंडस्ट्री, ऑटोमोबाइल पार्ट्स सहित अन्य उत्पाद भी तैयार किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के दूरदर्शी विजन से ही मप्र में 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 और रीजनल इंस्टिट्यूटल कॉन्क्लेव सहित आज हो रहा यह आयोजन संभव हुए हैं। उन्होंने बताया कि आज भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट फोरम में 15 देशों के व्यापार प्रतिनिधि शामिल हुए हैं।

खबर संक्षेप

तनय शर्मा की एनएसयूआई में हुई दोबारा वापसी

भोपाल। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ द्वारा जारी आदेश के माध्यम से पूर्व प्रदेश प्रवक्ता तनय शर्मा का निष्कासन निरस्त कर उन्हें पुनः संगठन में सक्रिय भूमिका के साथ शामिल किया गया है। उल्लेखनीय है कि जनवरी 2026 में तनय शर्मा को एनएसयूआई मध्यप्रदेश का प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया गया था। इसके बाद संगठनात्मक अनुशासन एवं पार्टी दिशा-निर्देशों के पालन से संबंधित आरोपों के आधार पर उन्हें संगठन से निष्कासित कर दिया गया था। तनय शर्मा के अनुसार मामले की समीक्षा के बाद राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा उनके निष्कासन को निरस्त करते हुए संगठन में पुनः वापसी हुई है। तनय शर्मा ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे कांग्रेस की विचारधारा, संगठनात्मक अनुशासन एवं छात्र हितों के प्रति पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करते रहेंगे।

साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में युवाओं का हुआ कौशल संवर्धन

भोपाल मप्र स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा उद्योग साझेदार एवं एसएसआरजीएसपी के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय साइबर सुरक्षा एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हुआ। कार्यक्रम में 400 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान कर प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में लक्ष्मी नारायण कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, बल्लभ इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, ओरिएंटल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड साइंस और एआईएसईसीटी इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य साइबर सुरक्षा और एआई एवं एमएल जैसे उभरते क्षेत्रों में युवाओं के कौशल का विकास करना और उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा, विधायक जनकल्याणकारी कार्यों का पखवाड़ा भी मनाएं

हरिभूमि न्यूज़ ॥भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में विकास कार्यों का कारवां चल रहा है। इस कारवां को अभियान चलाकर विधायक अपने-अपने क्षेत्र में आगे बढ़ाते हुए जनता तक पहुंचाएं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने विधायक अपने-अपने क्षेत्र में जनकल्याणकारी कार्यों का पखवाड़ा भी मनाएं।

यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को आयोजित हुई भाजपा विधायक दल की बैठक को संबोधित करते हुए कही। भाजपा विधायक दल की बैठक को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा प्रत्याशी तरुण चुघ एवं राज्यसभा प्रत्याशी रजनीश अग्रवाल ने संबोधित किया।

चौहान ने कैसर जांच शिविर का किया शुभारंभ विदिशा में टाटा मेमोरियल कैसर अस्पताल की इकाई होगी स्थापित

हरिभूमि न्यूज़ ॥भोपाल

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने शनिवार को विदिशा मेंडिकल कॉलेज में दो दिवसीय निःशुल्क कैसर जांच शिविर का शुभारंभ किया। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि, आज पूरा विदिशा यहाँ इकट्ठा है, मैं आप सबका हृदय से स्वागत करता हूँ। यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानव सेवा का महायज्ञ है। भारतीय संस्कृति और सभी धर्मों में प्ररोपकार को सर्वोच्च धर्म माना गया है और दूसरों की सेवा से बड़ा कोई पुण्य नहीं होता। ऐसे सेवा कार्य समाज में संवेदनशीलता, सहयोग और मानवता की भावना को

मजबूत करते हैं। केंद्रीय मंत्री चौहान ने बताया कि, आने वाले समय में देश के सबसे प्रतिष्ठित कैसर संस्थान टाटा मेमोरियल अस्पताल की एक इकाई विदिशा में स्थापित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ेगी और डे-केयर सुविधा का संचालन 15 अगस्त के बाद शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि, हमारी कोशिश है कि कैसर मरीजों को इलाज के लिए मुंबई या दूसरे शहरों का रुख न करना पड़े। बाहर इलाज कराने में किराया, रहने और अन्य खर्चों के कारण परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यदि बेहतर सुविधाएं यहीं उपलब्ध होंगी तो मरीजों और उनके परिजनों को बड़ी राहत मिलेगी।

राज्यसभा चुनाव: हर हाल में जीतेंगी मीनाक्षी नटराजन: प्रदेशाध्यक्ष पटवारी

हरिभूमि न्यूज़ ॥भोपाल

भोपाल में कांग्रेस विधायक दल की बैठक आयोजित की गई, जिसमें कुछ विधायक वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। बैठक में राज्यसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की गई और पार्टी नेताओं ने एकजुटता का संदेश दिया।

बैठक के बाद नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंधार ने कहा कि यदि भाजपा तीसरा उम्मीदवार की उतारती है, तब भी कांग्रेस चुनाव जीतेगी। उन्होंने बताया कि विधायक दल की बैठक में सभी विधायकों ने पार्टी उम्मीदवार के समर्थन का भरोसा दिलाया है। उनका कहना था कि कांग्रेस पूरी एकजुटता के साथ हर परिस्थिति में राज्यसभा चुनाव जीतेगी।



कांग्रेस ने महिला सशक्तिकरण के तहत मीनाक्षी को उम्मीदवार बनाया

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन गांधीवादी विचारधारा की प्रतिनिधि हैं और पूरे देश में अपनी साफ-सुथरी छवि तथा वैचारिक प्रतिबद्धता के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी ने महिला सशक्तिकरण की भावना के तहत उन्हें उम्मीदवार बनाया है और वे कांग्रेस नेतृत्व के विश्वास की उम्मीदवार हैं।

भारत सरकार ने इच्छा शक्ति के बल पर लक्ष्यों को किया हासिल

भारत में उरुग्वे के राजदूत अम्ब्रेला ने कहा कि 'इनक्रेडिबल इंडिया' में मध्यप्रदेश ने हमें हमेशा से आकर्षित किया है। भारत सरकार ने अपनी इच्छा शक्ति के बल पर अपने लक्ष्यों को हासिल किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत <'\@>2047 का संकल्प लिया है। उरुग्वे ने भारत के साथ अपने रिश्तों को मजबूत करते हुए व्यापार और निवेश गतिविधियों को बढ़ाया है। अब तेजी से गुड्स प्रोडेक्ट्स साउथ अमेरिका से भारत पहुंचाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी तो सिर्फ शुरुआत है, हमारे बीच व्यापारिक संबंधों का उत्कृष्ट परिणाम आना अभी शेष है। यह आयोजन निश्चित रूप से निवेश और व्यापार को प्रोत्साहन देगा।

भारत में उरुग्वे के राजदूत अल्बर्टो एंटोनियो गुआने अम्ब्रेला, पेरू के राजदूत जेवियर मैनुअल पॉल्लिच वेलादे, पनामा रिपब्लिक के राजदूत अलोंसो कोरिया मिगुएल, अल-सल्वाडोर के राजदूत गुड्मेल्लो रुबियो फुनेस, त्यूबा के राजदूत जुआन कालीस मार्सेन एगुइलेरा, क्वाटेमाला के राजदूत उमर लिस्तेडो कास्टावेडा सोलारेस, गुयाना के

औद्योगिक विकास और अपार निवेश संभावनाओं पर प्रेजेंटेशन दिया

प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेंद्र कुमार सिंह ने मप्र के औद्योगिक विकास और अपार निवेश संभावनाओं पर प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने बताया कि मप्र में लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन देशों के लिए व्यापार एवं निवेश की अपार संभावनाएं हैं। मप्र को 'हार्ट ऑफ इनक्रेडिबल इंडिया' भी कहा जाता है। देश के मध्य में होने के कारण यहां से हवाई, रेल और सड़क परिवहन की सुगम व्यवस्था है। मप्र गेहूं उत्पादन में भारत में दूसरे स्थान पर है। प्रदेश में कुल 340 नोटिफाई इंडस्ट्रियल एरिया हैं। औद्योगिक गतिविधियों के लिए राज्य में पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध है।

निवेशक, बिजनेस टायकून्स, उद्योगपति, फोरम के सदस्य एवं गणमान्य लोग हुए शामिल

हाई कमिश्नर (उच्चायुक्त) धरमकुमार सीराज, इक्वाडोर के राजदूत थियोडोरो माल्दोनाडो, मुंबई स्थित दूतावास में मेक्सिको के महावाणिज्य दूत एडोल्फो गार्सिया एस्ट्राडा समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में निवेशक, बिजनेस टायकून्स, उद्योगपति, फोरम के सदस्य एवं गणमान्य लोग शामिल हुए।

21 जून तक आयोजित होंगे कई कार्यक्रम: खंडेलवाल

खण्डेलवाल ने कहा कि पीएम मोदी के सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने पर पांच जून से 21 जून तक प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 8 जून से 14 जून तक प्रदेशभर में विशेष जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा, जिसमें सभी पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों की सहभागिता हो। 12 से 18 जून तक ब्लॉक स्तर पर जनकल्याण शिविर लगाए जाएंगे।

सभागवार बैठकों, कार्यशाला के साथ सामूहिक योगाभ्यास जैसे आयोजनों में सभी विधायकों की सहभागिता हो।

कार्यक्रमों में सभी विधायकों की सहभागिता : डॉ. महेन्द्र सिंह

भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि देअभियान के तहत चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों में सभी विधायकों की सहभागिता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर जारी आर्थिक अनिश्चितताओं, महंगाई और मंदी के दबाव के बीच भारत ने 7.7 प्रतिशत की प्रभावशाली जीडीपी वृद्धि दर हासिल कर एक बार फिर अपनी आर्थिक मजबूती का परिचय दिया है।

सेवा, सुशासन के मूल मंत्र को लेकर समाज के बीच जाना: चुघ

भाजपा राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा प्रत्याशी तरुण चुघ ने कहा कि मप्र देश का हृदय प्रदेश है और विकसित भारत के निर्माण में इसका खास महत्व है। हमें सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के मूल मंत्र को लेकर

समाज के बीच जाना है। पीएम मोदी के नेतृत्व, भाजपा कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत और देशवासियों के सहयोग से वर्ष 2047 तक भारत विश्व के सबसे विकसित, समृद्ध राष्ट्रों में अग्रणी स्थान प्राप्त करेगा।

कोलार में ब्लॉक कांग्रेस की बैठक में बनी रणनीति विधायक और महापौर का विरोध कर कांग्रेस वार्ड में करेगी सफाई सत्याग्रह

मंडलम-बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त एवं मजबूत बनाने पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज़ ॥भोपाल

जिला कांग्रेस कमेटी भोपाल शहर के कोलार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के वार्ड 80, 81, 82 और 83 वार्ड के कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की संगठनात्मक बैठक शनिवार को हुई। शहर प्रभारी रवि जोशी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मंडलम और बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त एवं मजबूत बनाने पर चर्चा की गई।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना ने बैठक में कांग्रेसजनों ने संगठन निर्माण को गति देने तथा



बूथ स्तर तक कांग्रेस की विचारधारा को मजबूत करके अन्याय के खिलाफ पूरी ताकत से विरोध करने का संकल्प लिया। कोलार कांग्रेस अध्यक्ष राहुल सिंह राठौड़ ने बताया कि कोलार के सभी वार्डों में विधायक और महापौर का विरोध कर सभी वार्डों

में 'सफाई सत्याग्रह' कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाएगा। जिसकी शुरुआत वार्ड 82 से होगी। अवनीश भार्गव, सुखलाल ठाकुर, मंगल सिंह यादव, प्रतिभा सिंह तोमर, ज्ञानेंद्र दुबे, महक राणा, शारदा तिवारी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

सुनो शहर सरकार

प्रतिनियुक्ति पर जमे अधिकारियों का निगम से नहीं हो रहा मोह भंग

नगर निगम में प्रतिनियुक्ति पर आए अधिकारी-कर्मचारियों का निगम से मोह ही भंग नहीं हो रहा है। एक अधिकारी ने तो कौन दूसरी बार अपनी प्रतिनियुक्ति बढ़वा ली, लेकिन अब बताया जा रहा है कि वो समय-सीमा भी निकल गई है, लेकिन साहब अभी भी जमे हैं। और ऐसा हो भी क्यों न। छोटे पद से बड़े पद का प्रभार जो है। इसी तरह अन्य कई अधिकारी भी प्रतिनियुक्ति पर निगम में सेवाएं दे रहे हैं। हालांकि पांच माह पहले निगम प्रशासन ने प्रतिनियुक्ति पर आए अधिकारी-कर्मचारियों को वापस उनके मूल विभाग भेजने की तैयारी तो की, लेकिन फिलहाल उस पर ब्रेक लगा हुआ है। अब देखना यह है कि प्रतिनियुक्ति पर जमे अधिकारियों की अपने मूल विभाग वापसी कब होती है।

हाउसिंग फॉर ऑल में एजेंट सक्रिय

शहर में लंबे समय से हाउसिंग फॉर आल के तहत बनकर तैयार हुए या निर्माणाधीन भवनों की आवंटन प्रक्रिया यूं तो पारदर्शी है। इसके लिए बाकायदा निर्धारित प्रक्रिया के तहत चयन हाता है, लेकिन बोते

दिनों एक हितग्राही के साथ अजीबो-गरीब मामला सामने आया। दरअसल वे अचानक गंगा नगर हाउसिंग प्रोजेक्ट के तहत बने आवास को देखने पहुंच गए। जब उन्होंने यहां आवास खाली होने की बात मौजूद कुछ कर्मचारियों से पूछी तो उन्हें बताया गया कि रुकिए जिन्हें जानकारी है उन्हें बुलाते हैं। मोबाइल से कॉल करके एक व्यक्ति को बुलाया गया। उसने बहुमंजिला भवन में किस फ्लोर पर कौन सा आवास खाली है और कितने का है यह तक बता दिया। बड़ी हैरानी की बात है कि यह सब कुछ साइट पर चल रहा है तो निगम के जिम्मेदारों को इसकी खबर नहीं!

कुर्सी बड़ी, काबिलियत छोटी!

नगर निगम में पद और जिम्मेदारी का गणित तो काफी पुराना है। हालांकि बोते कुछ सालों में इस परंपरा पर ब्रेक सा लगा है। वरन छोटे-छोटे कर्मचारियों को बड़ी जिम्मेदारी मिलना तो आम बात थी। हालांकि यह विषय अब भी चर्चा में है। कई ऐसे कर्मचारी अब भी हैं, जिनकी मूल नियुक्ति तो छोटे पदों पर है, लेकिन वे प्रभारी अधिकारी बनकर अपना जलवा बिखेर रहे हैं। खासकर अतिक्रमण शाखा में, जिन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंप दी गई हैं, जबकि उनकी योग्यता और अनुभव को लेकर सवाल उठते रहे हैं। दिलचस्प यह है कि साहब वाला रुतबा भी पूरा दिखाई देता है। यह चर्चा भी गर्म है कि इन व्यवस्थाओं के पीछे राजनीतिक पकड़ भी बताई जा रही है।

-एमएम सिद्धीकी

सभी जिलों में यूरिया और एनपीके की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध

कृषि, उद्यानिकी, सहकारिता के प्रयासों से किसानों को दें सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज़ ॥भोपाल

कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक बर्णवाल ने खरीफ की आगामी फसलों के संबंध में किसानों की आय बढ़ाने के लिए बाजार की मांग आधारित फसलों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कृषि, सहकारिता और उद्यानिकी विभाग की योजनाओं को प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए।

इन सामूहिक प्रयासों से किसानों को बेहतर गुणवत्ता के साथ अच्छी फसल मार्केट में उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी और किसानों की आय भी बढ़ेगी। उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए भी सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए। एपीसी बर्णवाल शनिवार को सिंहस्थ मेला कार्यालय उज्जैन के सभागार में आयोजित संभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। कृषि कल्याण विभाग के सचिव निशांत बरबडे ने बताया कि प्रदेश में यूरिया और एनपीके का पर्याप्त मात्रा में भंडारण है। किसी भी जिले में कोई कमी नहीं है।

जिलों में खाद्य प्रसंस्करण और कोल्ड स्टोरेज की क्षमता बढ़ाएं, फलों को पकाने वाली आधुनिक यूनिट स्थापित करें

कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक बर्णवाल ने उज्जैन में संभागीय समीक्षा में दिए निर्देश

उद्यानिकी फसलों का अलग से पंजीयन किया जाए

बर्णवाल ने जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए कि खाद्य वितरण केंद्रों पर व्यापक इंतजाम हो। किसानों के बैठने की व्यवस्था, पीने का पानी, छांव की व्यवस्था करना सुनिश्चित करें। उद्यानिकी विभाग के आयुक्त सह संचालक अरविंद्र कुमार दुबे ने बताया कि उद्यानिकी फसलों का अलग से

पंजीयन किया जाए और गिरदावरी के समय भी इन फसलों का अलग से उल्लेख हो जिससे कि वास्तविक आंकड़े उपलब्ध रहें। साथ ही किसानों को उद्यानिकी फसलों से जोड़ने के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार करने के संबंध में भी कलेक्टर को निर्देशित किया गया।



समीक्षा बैठक में निर्देश देते कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक बर्णवाल।

करीब 250 हेक्टेयर क्षेत्र में फूलों की खेती कराने का लक्ष्य

कृषि उत्पादन आयुक्त बर्णवाल ने निर्देश दिए कि कोल्ड स्टोरेज, राइजिंग चैबर की क्षमताओं को बढ़ाएं। सभी जिलों में कम से कम एक राइजिंग चैबर आवश्यक रूप से हो जिससे फसलों को पकाने के लिए सही तरीके का उपयोग हो सके। उज्जैन कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सिंहस्थ महापर्व को दृष्टिगत रखते हुए फूलों की खेती के लिए रकबा बढ़ाने और करीब 250 हेक्टेयर क्षेत्र में फूलों की खेती कराने के लक्ष्य से अवगत कराया।

मप्र जनजातीय संग्रहालय में पांच दिवसीय महुआ महोत्सव का शुभारंभ

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ शिल्प-व्यंजन मेला और कठपुतली प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण भी दिया

हरिभूमि न्यूज ►► मोपाल

जनजातीय संग्रहालय की स्थापना के 13वें वर्षगांठ समारोह के अवसर पर आयोजित पांच दिवसीय 'महुआ महोत्सव' के शुभारंभ दिवस पर सोनू कुशवाहा एवं साथी, बैतूल द्वारा कोरकू जनजातीय गदली नृत्य की प्रस्तुति दी गई। गदली नृत्य विवाह के अवसर पर किया जाने वाला कोरकू खियों का नृत्य है। पुरुष बांसुरी, अलगोड़ा, ढोल, ढोलक, टिमकी और झांझ बजाते हैं। बांसुरी और अलगोड़ा की लोक धुन पर स्त्रियां हाथों में चिटकोरा बजाती हुई विभिन्न मुद्राओं में बहुत ही आकर्षक व मनमोहक नृत्य करती हैं। जैसे-जैसे वाद्यों की गति बढ़ती है, नृत्य में भी उतना निखार आता गया।



जनजातीय संग्रहालय की स्थापना के 13वें वर्षगांठ पर आयोजित महुआ महोत्सव में सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति देते कलाकार।

राजा लोहगुंडी की मनभावन प्रस्तुति

अगले क्रम में राजा लोहगुंडी गोंडवानी आख्यान आधारित नृत्य-नाट्य की प्रस्तुति हुई। नृत्य-नाट्य का निर्देशन सतीश व्याम, भोपाल, आलेख योगेश तिवारी, रीवा एवं संगीत एच.अनिल सिंह द्वारा किया गया है। नृत्य नाट्य में बताया गया कि राजा लोहगुंडी ने अपने शौर्य पराक्रम से गोंडवाना राज्य का विस्तार किया एवं प्रजा का पालन किया।

राजा पंचनारायण की कहानी कहती नाट्य प्रस्तुति

राजा का विवाह बाल अवस्था में राजा पंचनारायण की पुत्री हीरोली कन्या से हो गया था परंतु दुष्ट राजा रामदरबाई हिरोली कन्या को अगवा कर बंदी बना लेता है, तो राजा लोहगुंडी अपने बल बुद्धि से जादुई राजा रामदरबाई को पराजित कर कन्या हिरोली को वापस ले आते हैं और अपने राज्य का विस्तार करते हैं। नाटक में 11 दृश्य रहे और कुल अवधि 1:20 मिनट की रही।

• बांस, धातु, कपड़ा, खराद, मिट्टी की प्रदर्शनी महोत्सव के अंतर्गत पारंपरिक शिल्पियों को आमंत्रित किया गया है, जिसमें बांस, धातु, कपड़ा, खराद, मिट्टी एवं अन्य शिल्प शामिल हैं। स्वाद अंतर्गत देशज व्यंजन में मध्यप्रदेश, उड़ीसा, त्रिपुरा, असम के व्यंजन, उल्लास अंतर्गत विभाष उपाध्याय एवं साथी, छत्तीसगढ़ द्वारा बच्चों के लिए कठपुतली प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण का भी संयोजन किया गया है।



रवींद्र भवन में लिखंदरा कला समिति का आयोजन बच्चों की रचनात्मकता और कलात्मक अभिव्यक्ति को मंच देती बाल चित्रकला प्रदर्शनी

हरिभूमि न्यूज ►► मोपाल

मेरी मां भी मुझे इसी तरह प्यार करती थीं, मेरा ख्याल रखती थीं। उनकी यादें आज भी मेरे मन में जीवित हैं और मैंने उन्हीं एहसासों को अपनी पेंटिंग में उतारने की कोशिश की है.... यह कहना है 15 वर्षीय निधि देशमुख का, जिन्होंने हाल ही में अपनी मां को खो दिया। ममता, देखभाल और निस्वार्थ प्रेम की गहराई झलकती निधि की पेंटिंग में मां और बेटी के इसी रिश्ते को दर्शाती पेंटिंग एरजीबिट की गई बाल कला प्रदर्शनी में। बच्चों की रचनात्मकता और कलात्मक अभिव्यक्ति को मंच देने के उद्देश्य से रवींद्र भवन में, लिखंदरा कला समिति द्वारा आयोजित इस प्रस्तुति में देशभर से लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया।



निधि देशमुख अपनी पेंटिंग के साथ।

लाइव आर्ट, स्टोरीटेलिंग, फेस पेंटिंग को किया प्रदर्शन

रवींद्र भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान चित्रकला प्रदर्शनी, लाइव आर्ट, स्टोरीटेलिंग, फेस पेंटिंग, पॉन्टरी मेकिंग, चलो गीत गाए, केरिकेचर, लाइव पोर्ट्रेट और द 90 अड्डा जैसी आकर्षक गतिविधियों ने भी दर्शकों का खूब मनोरंजन किया।

30 मिनट में तैयार किया भगवान गणेश का स्केच



पटियाला से आए 10 वर्षीय अर्णव सिंह ने मात्र 30 मिनट में भगवान गणेश की बेहद सुंदर और आकर्षक स्केचिंग तैयार की। अर्णव बताते हैं कि किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत भगवान गणेश के आशीर्वाद और आह्वान से होती है, इसलिए उन्होंने अपनी प्रस्तुति के लिए गणेश जी का चित्र बनाना चुना। उनका कहना है कि भगवान गणेश से उन्हें धैर्य, बुद्धिमानि और सकारात्मक सोच की प्रेरणा मिलती है।



कमल जैन राष्ट्रीय सम्मान बीएम शाह 2022 से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ►► मोपाल

वरिष्ठ रंगकर्मी कमल जैन को अभिनय एवं रंगमंच के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दिए जाने वाला राष्ट्रीय सम्मान 'बीएम शाह 2022', से लखनऊ में सम्मानित किया गया। संगीत नाटक अकादमी अवार्ड 2011 से सम्मानित कमल जैन पिछले 45 वर्षों से नाटक, फिल्मों, धारावाहिकों एवं टेलीफिल्मों में सक्रिय हैं। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित समारोह में उपमुख्यमंत्री ने 51 विशिष्ट कला साधकों को संगीत, नृत्य, नाटक एवं लोककलाओं में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया।



उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान प्राप्त करते रंगकर्मी कमल जैन।

त्रिकर्षि के 'रंग पिता' समारोह में बच्चों ने बिखेरी अभिनय की छटा

कर्ण के संघर्ष और मोबाइल के जाल को उतारा मंच पर

हरिभूमि न्यूज ►► मोपाल

विद्या नगर स्थित ख्याल कला प्रेमियों में त्रिकर्षि नाट्य संस्था द्वारा एक दिवसीय बाल नाट्य समारोह 'रंग पिता 2026' में शनिवार की शाम बच्चों द्वारा तैयार नाटक 'वासु के सवाल' और 'मुस्कान खो गई' का मंचन किया गया। वासु के सवाल में महान योद्धा दानवीर कर्ण के बचपन के अनछुए पहलुओं को दर्शाया गया। बाल कलाकारों ने बेहद सजीव अभिनय के माध्यम से दिखाया कि कैसे बालक कर्ण अपने माता-पिता से अपने जन्म, शरीर पर जन्मजात मौजूद कवच-कुंडल और अपनी असंमित शक्तियों को लेकर मासूमियत भरे, लेकिन गंभीर सवाल करता है। तो वहीं 'मोबाइल के जाल' को खोई मुस्कान को नाटक 'मुस्कान खो गई' के माध्यम से दिखाया। 13 वर्षीय बाल निर्देशक प्रंजल द्वारा लिखित और निर्देशित इस नाटक में मोबाइल की आभासी दुनिया में खोते रिश्तों और इंंसानी मुस्कान को प्रतीकात्मक अंदाज में दर्शाया गया।

'वासु के सवाल' और 'मुस्कान खो गई' नाटक का किया मंचन



नाटक 'वासु के सवाल' का मंचन करते बाल कलाकार।

नाटक में मोबाइल की आभासी दुनिया में खोते रिश्तों और इंंसानी मुस्कान को प्रतीकात्मक अंदाज में दर्शाया गया



नाटक 'मुस्कान खो गई' का मंचन करते कलाकार।

भारत मवन में आयोजित भावानुभाव नाट्य समारोह के दूसरे दिन हुई कई प्रस्तुतियां

ओडिसी और कथक नृत्य में दिखे भक्ति श्रृंगार और आध्यात्मिक चेतना के रंग

हरिभूमि न्यूज ►► मोपाल

भारत भवन के अंतरंग सभागार में आयोजित तीन दिवसीय नृत्य समारोह 'भावानुभाव' के दूसरे दिन शनिवार को शास्त्रीय नृत्य की अद्भुत छटा बिखरी। ओडिसी और कथक नृत्य शैलियों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भक्ति, प्रेम, दर्शन और आध्यात्मिक अनुभूति के ऐसे संसार में पहुंचा दिया, जहाँ कला केवल अभिव्यक्ति नहीं बल्कि साधना का रूप प्रतीत हुई। श्रीकृष्ण के जीवन, उनके अवतारों और उनके बहुआयामी व्यक्तित्व को केंद्र में रखकर प्रस्तुत किए गए नृत्य रूपकों ने दर्शकों को देर तक भाव-विभोर बनाए रखा।



भारत भवन में आयोजित तीन दिवसीय नृत्य समारोह 'भावानुभाव' के अंतर्गत नृत्य की प्रस्तुति देती कलाकार।

गीत गोविंदम् की मनोहारी प्रस्तुति ने मोहा मन

कार्यक्रम की पहली प्रस्तुति में प्रसिद्ध ओडिसी नृत्यांगन कृत्य नरसिंह राणा और उनके साथी कलाकारों ने 'गीत गोविंदम्' की मनोहारी प्रस्तुति दी। प्रस्तुति का आरंभ पारंपरिक मंगलाचरण से हुआ।



लयकारी का सुंदर संगम देखने को मिला

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में कथक नृत्यांगना क्षमा मालवीय ने अपनी एकल प्रस्तुति 'अष्टपदी' से दर्शकों का मन मोह लिया। 'निरत बनावारी' शीर्षक इस रचना में वृंदावन के नृत्यमय वातावरण और

श्रीकृष्ण की चपल लीलाओं का मनोहारी चित्रण किया गया। पद्मश्री डॉ. पुरु दधीच द्वारा रचित इस प्रस्तुति में कथक की नजाकत, भावाभिव्यक्ति और लयकारी का सुंदर संगम देखने को मिला।

दशावतार में दिखे विष्णु के दस अवतार



इसके बाद प्रस्तुत 'दशावतार' ने दर्शकों को भगवान विष्णु के दस दिव्य अवतारों की यात्रा पर ले गया। भक्त कवि जयदेव के प्रसिद्ध दशावतार स्तोत्र पर आधारित इस प्रस्तुति में मत्स्य, कूर्म, वराह, नरसिंह, वामन, परशुराम, राम, बलराम, बुद्ध और कल्कि अवतारों का प्रभावशाली अभिनय किया गया।

स्मृति शेष

पहलाज निहलानी की सफलता से अधिक याद आती है उनकी सादगी

पहलाज निहलानी जी जितने अच्छे फिल्म निर्माता निर्देशक थे उतने ही अच्छे ईंसान भी थे। भारत सरकार में उन्हें केंद्रीय फिल्म प्रमाणन सेंसर बोर्ड का अध्यक्ष भी बनाया गया। बोर्ड के अध्यक्ष के नाते भी उन्होंने यादगार पारी खेली। गोविंदा और चंकी पांडे जैसे कितने ही नायकों को बॉलीवुड में स्थापित करने में आपका योगदान रहा है। आपसे वर्ष 2007 में साक्षात्कार करने का अवसर मिला जो गुजरात के सिंधी टीवी चैनल पर प्रसारित हुआ। जुलाई 2007 की सुबह सवेरे मैं राजेश को अपने स्टॉफ को निर्देशित किया। पारंपरिक सिंधी नाश्ता दही और पराठा दस मिनट में सामने था। राजेश को उन्होंने ये भी कहा कि एक्टिंग में आना हो तो कुछ महीने यहीं रहो। ट्राय कीजिए, मैं साथ हूँ, लेकिन मुझे उन्होंने ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं दिया जिसके लिए मैं तब लालायि भी था। खैर यह तो भाग्य और अवसर की बात है।

मैंने उन्हें उनके असली नाम का प्रयोग करने के लिए बधाई दी, वरना कई तो बॉलीवुड में हरि से हैरी और सिपाहमलानी से सिप्पी बन गए हैं। वे बोले, नाम बदलना कहां की समझदारी है। जो हैं सो हैं। फिल्म जगत की रीतियों, सिंधी सिनेमा, भाषायी फिल्मों, नए नायक, नायिकाओं के फिल्मों में पदार्पण, लोक संगीत के फिल्मों में प्रयोग आदि विषयों पर उनसे एक घंटे तक बातचीत हुई। सागर से गुजराती नमकीन के कुछ पैकेट लाए थे जो मुलाकात करने वालों को हम भेंट करते थे, वो पहलाज जी को बहुत पसंद आया था। उन्होंने भी हमारी खातिरदारी में कोई कमी नहीं रखी थी। हम खुशी खुशी वहां से लौटे। अगला पड़ाव मैक मोहन जी का निवास मूवी अपार्टमेंट था। वहां लंच हमारी प्रतीक्षा कर रहा था। पहलाज जी उड़ता पंजाब में कट्स लगवाने को लेकर चर्चा में थे, उसी समय भोपाल यात्रा में उन्होंने सीबीएफसी अध्यक्ष के नाते बड़े टीवी चैनल्स को लेकर क्या संधे हुए जवाब दिए थे, मानना पड़ेगा। तब मैं उनको भोपाल यात्रा में एस्कॉर्ट कर रहा था। फोन पर वे सदैव उपलब्ध रहते थे। झीलों के शहर भोपाल को देख बहुत आनंदित हुए थे। सेंसर बोर्ड अध्यक्ष के पद पर वे प्रधानमंत्री मोदी जी की निकटता के कारण पदस्थ हुए थे। पहले गुजरात विधानसभा और फिर 2014 के लोकसभा चुनाव ने उनके दिए नारे बहुत लोकप्रिय हुए थे। उनकी आत्मीयता को याद करते हैं, आज भी।



श्रद्धा से नमन पहलाज निहलानी जी को। अशोक मनवानी, फिल्म समीक्षक, भोपाल



48 देशों के 1248 खिलाड़ी, फीफा वर्ल्ड कप-2026 को हासिल करने के लिए आगामी 11 जून से 19 जुलाई तक एक-दूसरे से मुकाबला करेंगे। इस दौरान सिर्फ आयोजक देशों में ही नहीं पूरी दुनिया में रोमांच और जुनून का सुरूर छाया रहेगा। इस ग्रैंड ग्लोबल स्पोर्ट इवेंट में इस बार क्या कुछ होगा खास, क्या होगा पहली बार, इसके तमाम पहलुओं पर एक नजर।

कवर स्टोरी

साथा

इसी सप्ताह 11 जून से फुटबॉल के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन फीफा वर्ल्ड कप का आगाज हो रहा है, जो 19 जुलाई 2026 तक चलेगा। 11 जून से 19 जुलाई 2026 के बीच दुनिया फुटबॉल के रंग में रंगी रहेगी। भले भारत की फुटबॉल टीम अब तक के बेस्ट 48 टीमों वाले विश्व कप का हिस्सा न हो, लेकिन भारत भी इस जुनून का हिस्सा होगा। भारत में इस दौरान तूफानी दिन नहीं रातें होंगी, क्योंकि अमेरिका और लैटिन अमेरिका में फीफा वर्ल्ड कप के मैच जब खेले जाएंगे, उस समय भारत में दिन नहीं रात होगी।

दिखेगा खेलेप्रेमियों का उमंग

फुटबॉल के इस विश्व कप को लेकर पूरी दुनिया में गहमा-गहमी अपने चरम पर पहुंच चुकी है। क्योंकि फुटबॉल के तूफान का रिश्ता सिर्फ खेल भर से नहीं होता, वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था, संचार, तकनीक, वैश्वीकरण, पर्यटन आदि से भी इसका उतना ही संबंध होता है, जितना खेल से। यही कारण है कि दुनिया की धड़कनें फुटबॉल को लेकर बहुत तेज हो चुकी हैं। आने वाले दिनों में स्टेडियमों की रोशनी आसमान को बार-बार चमकाती दिखाई देगी। सड़कों पर रात-रात भर जश्न होगा। करोड़ों और कई बार तो अरबों लोग एक साथ टीवी स्क्रीन से चिपके होंगे।

जुनून का महाविस्फोट

केवल रियल वर्ल्ड में ही नहीं सोशल मीडिया पर भी आगामी दिनों में हर दिन नया इतिहास लिखा जाएगा और ऐसा हो भी क्यों न? दुनिया का सबसे बड़ा खेल महाकुंभ के आयोजन में ऐसा होना स्वाभाविक ही है। जानकार जानते हैं कि यह सिर्फ फुटबॉल के रोमांच की उमंग भर नहीं होगी, इसमें

फीफा वर्ल्ड कप 2026

रोमांच-जुनून का ग्रैंड इवेंट



होंगे नए मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस

आकार में यह फुटबॉल विश्व कप अब तक सबसे बड़ा आयोजन होगा, क्योंकि इसमें 48 टीमों भाग ले रही हैं, जिनके 104 मुकाबले होंगे। इसके हर मुकाबले को देखने के लिए लाखों दर्शक स्टेडियमों में और करोड़ों टीवी स्क्रीन से सटे होंगे। अरबों लोग इसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फॉलो करेंगे और हां, इस बार के फुटबॉल विश्व कप को जितने विज्ञापन मिले हैं और जितनी स्पॉन्सरशिप इस कप को मिली है, उतने विज्ञापन और स्पॉन्सरशिप आजतक दुनिया के किसी भी बड़े से बड़े टूर्नामेंट को नसीब नहीं हुए।

यह सचमुच फीफा के इतिहास का मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस होगा। यह ऐसा विश्व कप होगा, जिसमें एआई



फुटबॉल टीमों एक साथ विश्व कप को जीतने मैदान में नहीं उतरी थीं। सिर्फ यही इस महाकुंभ की खासियत नहीं होगी बल्कि पहली बार इस खेल महाकुंभ का आयोजक कोई देश या दो देश नहीं बल्कि तीन देश होंगे। जी हां, जून 2026 से शुरू हो रहे फीफा वर्ल्ड कप फुटबॉल के मेजबान अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको होंगे यानी सही मायनों में यह रोमांच का ग्लोबल कर्नवाल होगा।

होंगे नए मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस

आकार में यह फुटबॉल विश्व कप अब तक सबसे बड़ा आयोजन होगा, क्योंकि इसमें 48 टीमों भाग ले रही हैं, जिनके 104 मुकाबले होंगे। इसके हर मुकाबले को देखने के लिए लाखों दर्शक स्टेडियमों में और करोड़ों टीवी स्क्रीन से सटे होंगे। अरबों लोग इसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फॉलो करेंगे और हां, इस बार के फुटबॉल विश्व कप को जितने विज्ञापन मिले हैं और जितनी स्पॉन्सरशिप इस कप को मिली है, उतने विज्ञापन और स्पॉन्सरशिप आजतक दुनिया के किसी भी बड़े से बड़े टूर्नामेंट को नसीब नहीं हुए।

यह सचमुच फीफा के इतिहास का मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस होगा। यह ऐसा विश्व कप होगा, जिसमें एआई



आधारित कैमरे, रियल टाइम डेटा एनालिसिस, स्मार्ट स्टेडियम और अत्याधुनिक प्रसारण तकनीक बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होगी यानी दर्शक सिर्फ मैच नहीं देखेंगे डिजिटल



फुटबॉल के रोमांच से भी दो-चार होंगे। शायद इसलिए अब कहा जा रहा है फुटबॉल खेल नहीं, अब यह एक विश्व संस्कृति बन चुकी है और ऐसा हो भी क्यों न, फुटबॉल के अलावा और भला कौन-सा ऐसा खेल है, जो अमीर-गरीब, भाषा-धर्म और सीमाओं से उठकर लोगों को जोड़ देता है। ब्राजील की गलियों से लेकर अफ्रीका के गांवों तक यूरोप के पर्वों से लेकर भारत के कस्बों तक इस आगामी एक महीने तक हर जगह फुटबॉल का यह जुनून दिखेगा।

इकोनॉमी को मिलेगा बूम

इस बार का विश्व कप अरबों डॉलर फुटबॉल इकोनॉमी का मॉडल भी होगा यानी, यह केवल खेल नहीं बल्कि विशाल आर्थिक इंजन भी होगा। विशेषज्ञों के मुताबिक 2026 का फुटबॉल विश्व कप पर्यटन उद्योग, होटल व्यवसाय, एयरलाइंस, विज्ञापन, स्पोर्ट्स मर्चेन्डाइज और डिजिटल स्ट्रीमिंग में रिकॉर्ड कारोबार पैदा करेगा।

भारत में भी बढ़ रही दीवानगी

खुशी की बात यह है कि भारत में भी फुटबॉल करवट ले रहा है। पिछले दशक में फुटबॉल का जुनून तेजी से बढ़ा है। इंडियन सुपर लीग और यूरोपीय क्लब फुटबॉल की लोकप्रियता में युवाओं में इस खेल को लेकर एक नई तरह की दीवानगी पैदा हुई है। केरल, पश्चिम बंगाल, गोवा और उत्तर-पूर्व के राज्यों में तो विश्व कप के दौरान किसी त्योहार के माफिक माहौल हो जाता है।

कई गांवों में तो ब्राजील और अर्जेंटीना के झंडे तक दिखाई देते हैं। यह राष्ट्रवाद के साथ कोई विश्वासघात नहीं बल्कि फुटबॉल के जुनून का नशा है। इस दौरान भारत में भी पुरे समय फुटबॉल का जुनून देखने को मिलेगा। दर्शकों और डिजिटल व्यूअरशिप की एक महाशक्ति है अपना देश, इस लिहाज से भारत भी इस विश्व कप का बड़ा और अंतरंग हिस्सा होगा। *

रोनाल्डो का होगा आखिरी वर्ल्ड कप!

2022 के फुटबॉल विश्व कप को लोगों ने लियोनेल मैसी के जादू के रूप में याद रखा। लेकिन 2026 का विश्व कप शायद नई पीढ़ी के उदय का मंच होगा। यह वह महाकुंभ होगा, जहां नई पीढ़ी अपने आगाज का शंखनाद करेंगी और इस बार दुनिया की नजरे खासतौर पर इन खिलाड़ियों पर रहेंगी- क्वालियम मबापे, जुजु बेर्लिंगम, एर्लिंग हालैंड और विनीसियस जुनियर। फुटबॉल के जानकार मान रहे हैं कि 2026 का फीफा विश्व कप पोस्ट मैसी-रोनाल्डो युग की असली शुरुआत होगा। हालांकि करोड़ों प्रशंसकों की उम्मीद है कि क्रिस्टियानो रонаल्डो आखिरी बार विश्व कप में दिखेंगे। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह सौ फीसदी उम्मीद है कि रонаल्डो अपना आखिरी विश्व कप खेलेंगे, जो कि संभवतः उनके करियर का आखिरी वर्ल्ड कप होगा। उनके होने की अभी तक उम्मीद इसलिए बरकरार है, क्योंकि वह लगातार पुर्तगाल की टीम का हिस्सा बने हुए हैं और पुर्तगाल ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। हाल में ईफा नेशनल लीग में भी रонаल्डो ने शानदार प्रदर्शन किया है। इससे भी उनके होने की उम्मीद बनती है और ऐसा हुआ तो वह रिकॉर्ड छठा फीफा वर्ल्ड कप खेलेंगे। इसके पहले वह 2006, 2010, 2014, 2018 और 2022 का विश्व कप भी खेल चुके हैं। तो उम्मीद करिए कि यह रонаल्डो की अंतिम महान यात्रा हो। पुर्तगाल के कप्तान ब्रून्गे फर्नांडिस ने भी कहा है कि टीम रонаल्डो को विश्व कप ट्रॉफी देकर विदा करेगी। दो दशकों से अधिक से रонаल्डो इस महान खेल का हिस्सा हैं, उन्होंने खेल से मिलने वाली लगभग हर चीज हासिल कर ली है। विभिन्न देशों के लीग खिताब, चैंपियंस लीग, बैलोन डि'ओर, अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड और एक ऐसा करियर जो 25वें सीजन तक फैला हुआ है और एक हजार गोलों की ओर बढ़ रहा है।



कविता

पुरुषोत्तम व्यास

पारिजात के फूल

बड़ा अजीब-सा महसूस करता
जब से उनके बारे में
जान पाया
निशा में खिलते
भोर में जाते झर
लगता
निशा में कोई उनसे अनुराग भरी
बातें करता होगा

सुबर फिर मिलने का वादा कर
गला जाता होगा
उसी प्रेम की याद में झर जाते होंगे
फिर भी
खिलते-खिलते मनभावन ख़ुशबू लेकर
स्वर्ग लोक के फूल।

लघुकथा / संजीव ठाकुर

दुकानदार

वह कपड़ों की दुकान थी, जिसमें ज्यादातर पुरुषों के लिए पैट और शर्ट के कपड़े मिलते थे। एक ग्राहक अकसर उस दुकान पर आया करता था। एक बार जब वह अपने लिए पैट-शर्ट के कपड़े खरीद चुका, दुकानदार बोला, 'और कुछ चाहिए सर? हमारे यहाँ ओढ़ने-बिछाने की चादरें भी मिलती हैं। आप देखना चाहेंगे? शहर की किसी भी दुकान की तुलना में यहां चादरें आपको सस्ती पड़ेगी! डबल बेड की चादरें दिखाऊं?' ग्राहक बहुत दिनों से ओढ़ने की चादरें लेना चाह रहा था, लेकिन उसे ढंग की चादरें नहीं मिल रही थीं। वह बोला, 'डबल बेड की तो रहने दीजिए, ओढ़ने की दिखाइए।' दुकानदार ने अपने स्टैफ से चादरें मंगवाई और चादरों की तारीफ

हैं सर!' चादरों की कीमत सुनकर ग्राहक को सुखद आश्चर्य हुआ। सचमुच इतनी कम कीमत में चादरों का मिलना मुश्किल था। उसने दुकानदार से पचास रुपए कम करवाकर चादरें ले लीं। कुछ महीनों बाद उसी ग्राहक को बिछाने की चादरों की दरकार हुई। वह उसी दुकान पर पहुंच गया। डबल बेड की दो चादरें लेने के बाद उसने सिंगल बेड पर बिछाने की चादरें दिखाने को कहा। दुकानदार ने चादरें मंगवाई। ग्राहक उन्हें देखते ही बोला, 'ये बिछाने की हैं? पिछली बार तो आपने इसे ओढ़ने की कहकर मुझे दिया था?' 'ये चीज ही ऐसी है सर कि इसे ओढ़ने, बिछाने, दोनों कामों में लाया जा सकता है।' दुकानदार ने कहा और अपनी खीसों निपोर दीं! *

लंगर / विनोद कुमार विक्की

गहन शोध, आधे-अधूरे निष्कर्ष और पूरे आत्मविश्वास के साथ यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि एक फिल्म का लोकप्रिय गीत 'मुस्कुराने की वजह तुम हो' वाला 'तुम' कोई इंसानी काया नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली, किंतु भावशून्य उपकरण है। नब्बे फीसदी इंसान सिर्फ इसी उपकरण के सामने मुस्कुराते हैं। यह उपकरण कुछ और नहीं बल्कि कैमरा है। जी हां, वही कैमरा, जिसके सामने आते ही इंसान अपने समस्त दुःख-दर्द को ऐसे समेट लेता है, जैसे आम चुनाव के भाषण में नेताजी पिछले वर्ष की अधूरी घोषणाओं को समेट लेते हैं, और सरकार वित्तीय बजट में घाटा समेटती है। जैसे ही पेशेवर स्टूडियो के फोटोग्राफर द्वारा 'स्माइल प्लीज' का निर्देश प्राप्त होता है, या सेल्फी स्टिक पर टिके मोबाइल का फ्रंट कैमरा ऑन होता है, चेहरे पर जमी चिंता की धूल झट से उड़ जाती है और होंठों पर 3 से 5 सेंटीमीटर की मानक मुस्कान स्वतः चिपक जाती है।

यह मुस्कान इतनी अनुशासित होती है कि जाति, धर्म, लिंग, रंग, सब सीमाएं पार कर जाती हैं। नर, मादा, अन्य, काला, गोरा, सांवला आदि सबके चेहरे पर एक समान 'फोटो फ्रेंडली' लोकतंत्र दिखाई देता है। परंतु विडंबना देखिए, यह मुस्कान उतनी ही टिकाऊ होती है, जितने चुनावी वादे।

क्लिक होते ही मुस्कान का पुष्पक विमान सीधे वास्तविकता की शोक-वाटिका में क्रैश लैंडिंग कर देता है। फोटो में हम जितने खुश दिखते हैं, असलियत में उतने ही ईशमआई, महंगाई और बाँस के च्वाट्सएप मैसेज से त्रस्त होते हैं। उग्र से पहले ही जिम्मेदारी और

परेशानियों के कारण चेहरे पर झुर्रियों की लक्ष्मण रेखाएं खिंच जाती हैं। सच तो यही है कि आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में मुस्कुराना एक 'इवेंट' बन चुका है, जो मुख्यतः कैमरे के सामने ही आयोजित होता है। लगता है जैसे भाग-दौड़ भरी जिंदगी और अति व्यस्तता के बीच मुस्कान ने स्वेच्छिक अवकाश ले रखा है।

कार्यालय में काम का दबाव, वरीय पदाधिकारी का तनाव, घर में 'घरेलू प्रेशर', बाजार की महंगाई और बैंक की ईशमआई, इन सबने मिलकर होंठों की नैसर्गिक पहचान यानी,

रिष्ठ साहित्यकार नवनीत मिश्र के छोटे-छोटे संस्मरणों की किताब 'कितना कुछ तो है' हाल में प्रकाशित होकर आई है। इसमें उन्होंने अपने बचपन से लेकर वर्तमान समय तक की छोटी-छोटी मधुर स्मृतियों की कतरनों को बहुत सलीके से संजोया है। इससे गुजरते हुए यह साबित होता है कि उनके भीतर का सजग लेखक हमेशा, गहन संवेदनशीलता के साथ अपने जीवन में घटित होने वाली घटनाओं और लोगों को देखता, महसूसता और उनके संग जीता रहा है। इन संस्मरणों को लिखने का अंदाज कहीं भी बनावटी नजर नहीं आता है। अपने भीतर के कमजोर पक्षों को भी

कैमरा ऑन, स्माइल प्लीज!

अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको कोई खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा।

मुस्कान को जैसे गिरवी रख दिया है। ऐसे में बेचारा इंसान जब-तब मुस्कुराने के लिए अवसर ढूँढ़ता फिरता रहता है। तभी संकटमोचक बनकर प्रकट होता है, कैमरा! वह बिना किसी शर्त के प्रेमी-प्रेमिका की भूमिका निभाते हुए सामने खड़ा हो जाता है और कहता है, 'आओ, लल्ला कुछ सेकेंड के लिए थोबड़े पर मुस्कुराहट लाओ ताकि हम उस छवि को कैद कर सकें।' बस फिर क्या, जो मुस्कान बेमियादी हड़ताल पर थी, वह भी तुरंत एक्टिव हो जाती है और चेहरे पर 'इमरजेंसी स्माइल' आ जाती है।

मुस्कान को जैसे गिरवी रख दिया है। ऐसे में बेचारा इंसान जब-तब मुस्कुराने के लिए अवसर ढूँढ़ता फिरता रहता है। तभी संकटमोचक बनकर प्रकट होता है, कैमरा! वह बिना किसी शर्त के प्रेमी-प्रेमिका की भूमिका निभाते हुए सामने खड़ा हो जाता है और कहता है, 'आओ, लल्ला कुछ सेकेंड के लिए थोबड़े पर मुस्कुराहट लाओ ताकि हम उस छवि को कैद कर सकें।' बस फिर क्या, जो मुस्कान बेमियादी हड़ताल पर थी, वह भी तुरंत एक्टिव हो जाती है और चेहरे पर 'इमरजेंसी स्माइल' आ जाती है।

उन्होंने पूरी ईमानदारी से स्वीकार किया है। 'बहिन जी', 'चोर पकड़ा गया' और 'एक थे पल्लाही बाबू' उनके बचपन की मासूमियत भरी छवि उजागर हुई है तो युवावस्था में कार्यक्षेत्र में 'रहमान साहब' जैसे लोगों ने उनको प्रभावित किया। इसी तरह रियायतों के बाद कार ड्राइविंग सीखने के दौरान प्रशिक्षक

कितना कुछ तो है

नवनीत मिश्र

से मिला अनुभव 'बैकव्यू मिरर' भी वे भूल नहीं पाए।

आमतौर पर साहित्यिक संस्मरण प्रसिद्ध हस्तियों पर केंद्रित होते हैं, लेकिन इस पुस्तक के संस्मरणों में जिस तरह से लेखक ने अपने जीवन में शामिल रहे सामान्य लोगों को सहृदयता से याद किया है, वह उनके भावुक व्यक्तित्व का परिचायक है। अपनी कहानियों की ही तरह बहुत सरल, सहज शैली में लिखे उनके ये संस्मरण, मन को खू लेते हैं। यह भी कह सकते हैं कि इन संस्मरणों में नवनीत जी की आत्मकथा स्पष्ट तौर पर झंकाती हुई नजर आती है। *

पुस्तक: कितना कुछ तो है (संस्मरण), लेखक: नवनीत मिश्र, मूल्य: 450 रुपये, प्रकाशक: भावना प्रकाशन, दिल्ली



कठिन समस्याएं अब न होंगी

क्यूक सच्ची सहेली में हैं **67** खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।
24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in



67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

Helps in:

- कठिन दर्द
- चिड़चिड़ापन
- थकान
- कमजोरी
- कमर कटना
- इम्यूनिटी



सच्ची सहेली

किराए पर लगजरी गाड़ियां लगवाने का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश ठग गिरोह से एक करोड़ 10 लाख रुपए के वाहन जब्त, एक आरोपी को धरदबोचा

बाग सेवनिया थाना पुलिस ने गैंग से किए 9 वाहन बरामद

सरगना समेत साथियों की तलाश किराए पर वाहन लेकर बेच देते थे



हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

बाग सेवनिया थाना पुलिस ने किराए पर लगजरी गाड़ी लगवाने का झांसा देकर गाड़ी गिरवी रखने अथवा बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर 9 लगजरी गाड़ियां बरामद की हैं। बरामद गाड़ियों की कीमत एक करोड़ 10 लाख रुपए बताई जा रही है। गिरोह के सरगना समेत अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस के मुताबिक आक्टलकुंज श्रीकृष्णापुरम मिसरोद निवासी सिद्धार्थ मिश्रा (20) की दिसंबर 2025 में पिज्जा हट्स बाग सेवनिया पर सौरभ तिवारी के माध्यम से सैय्यद जमीर से मुलाकात हुई थी। वह भी किराए पर वाहन लेने-देने का काम करता था। जमीर ने बताया कि वह भी कार रेंटल कंपनी चलाता है। उसके पास पुरानी गाड़ियां हैं और उसे नई गाड़ियों की जरूरत है। जब भी आवश्यकता हो, नई गाड़ी उपलब्ध करा देना। जनवरी में एक-दो बार जमीर ने सिद्धार्थ से गाड़ियों की मांग और उसका जो रेंट बनता था, उसको विधिवत रूप से चुका दिया। फरवरी माह की 20 तारीख को उसने कुछ कारों का किराया कुछ दिन दिया। तब सिद्धार्थ मिश्रा ने उससे कहा कि कुछ दिन के लिए गाड़ी किराए पर ले गए थे, अब मेरी गाड़ी वापस करो। इस पर जमीर बोला कि तुम्हें किराए से मतलब है। तब सिद्धार्थ ने कहा कि तुम तो पूरा किराया भी नहीं दे रहे हो।

वारदात को अंजाम देने की फिराक में खड़े थे आरोपी दो बदमाशों से दो पिस्टल व एक कारतूस जब्त

इस साल 9 पिस्टल, दो रायफल, दो देशी कट्टे व 9 कारतूस जब्त कर चुकी है क्राइम ब्रांच



हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

अवैध हथियार के ख़ोत के संबंध में पूछताछ जारी

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम शेख फैजान (28) निवासी लक्ष्मीगंज गल्ला मंडी के पीछे थाना जहांगीराबाद का होना बताया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी। आरोपी से अवैध हथियार के ख़ोत, सप्लायर और उससे जुड़े अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी उक्त हथियार का उपयोग किसी आपराधिक गतिविधि में करने वाला था अथवा नहीं। आरोपी शेख फैजान के खिलाफ जहांगीराबाद, गौतम नगर व क्राइम ब्रांच में जुआ एक्ट व आर्म्स एक्ट के तहत कुल सात प्रकरण दर्ज हैं।

गंजबासौदा के युवक से अवैध पिस्टल बरामद

क्राइम ब्रांच के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली कि सुशाष नगर रेलवे ओवरब्रिज के नीचे एक संदिग्ध युवक देशी पिस्टल लिए किसी गंभीर अपराध को अंजाम देने की फिराक में खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने मुखबिर के बताए स्थान पर घराबंदी की और संदिग्ध को धर दबोचा। पूछताछ में युवक ने अपना नाम काहना सेन (19) निवासी रेलवे कॉलोनी गंजबासौदा बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध देशी पिस्टल बरामद हुई। पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है।

अवैध पिस्टल, दो रायफल, दो देशी कट्टे, 9 कारतूस व एक कार बरामद की है। पुलिस के मुताबिक भ्रमण के दौरान क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि जनसंवेदना कार्यालय के पास जेल पहाड़ी रोड थाना जहांगीराबाद क्षेत्र में एक संदिग्ध युवक अवैध देशी पिस्टल लेकर खड़ा है और किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदिग्ध को हिरासत में ले लिया। तलाशी लेने पर उसकी कमर में छिपाकर रखा अवैध देशी पिस्टल और पेंट की जेब से एक कारतूस बरामद हुआ।

काकड़ा अभिनव होम्स के पास अयोध्या नगर में वारदात की थी भाई की मदद करने पहुंचे युवक पर जानलेवा हमला करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार



हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

देर रात कार का पेट्रोल खत्म होने पर भाई की मदद करने पहुंचे युवक पर दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए चार बदमाशों ने डंडे व धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। हमला करने के बाद आरोपी फरार हो गए थे। पुलिस ने उन्हें बैतूल व छिंदवाड़ा से गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी देर रात गाड़ियों पर निकल कर उत्पात मचाते थे और राहगीरों पर जानलेवा हमला कर फरार हो जाते थे। सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

पुलिस के मुताबिक पीस वैली नरेला शंकरा निवासी अरुण योगी (23) विगत 26 मई की रात करीब तीन बजे को उसके भाई तरुण ने फोन कर बताया कि उसकी कार में पेट्रोल समाप्त हो गया है। इस पर अरुण अपनी स्कूटी से पेट्रोल लेकर काकड़ा अभिनव होम्स के सामने रोड पर पहुंचा। तभी दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार लड़के वहां पहुंचे और अरुण के साथ गाली-गलौज कर विवाद करने लगे। विरोध करने पर आरोपी पास पड़े डंडे से मारपीट करने लगे।

छिंदवाड़ा व बैतूल से आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा

बीच-बचाव करने आए अरुण के भाई तरुण व उसके दोस्त शिवोम के साथ भी बदमाशों ने मारपीट की। मारपीट के दौरान ही एक बदमाश ने धारदार हथियार से भी जानलेवा हमला कर दिया। इस बीच पुलिस की गाड़ी का सायरन सुनते ही आरोपी वहां से भाग खड़े हुए। पुलिस ने अरुण योगी की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का प्रयास समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी। विवेचना के दौरान पुलिस ने विभिन्न तकनीकी और अन्य साक्ष्यों के माध्यम से अज्ञात फरार आरोपियों की पहचान की और छिंदवाड़ा व बैतूल क्षेत्र के संभावित स्थानों पर लगातार दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के नाम समीर उर्फ शम्भू आरसे (19) निवासी जैसमीन अपार्टमेंट अयोध्या नगर, सत्यम धनंजय तिवारी (20) निवासी अयोध्या नगर, शिवम पिंजारे (20) निवासी अयोध्या नगर व अक्षत डेहरिया उर्फ रौनक (20) निवासी अयोध्या नगर बताए गए हैं। इनमें से तीन आरोपी छिंदवाड़ा और एक आरोपी बैतूल का रहने वाला है।

नर्मदा परिक्रमा के आध्यात्मिक अनुभव सुनाएं श्रीवास्तव



भोपाल। कायस्थम के सलाहकार और सदस्य तथा पूर्व आईएएस ओमप्रकाश श्रीवास्तव 13 जून को शिवाजी नगर स्थित दुष्यंत संग्रहालय में अपनी नर्मदा परिक्रमा के आध्यात्मिक अनुभव सुनाएंगे। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी भारती श्रीवास्तव भी उपस्थित रहेंगी। भारती श्रीवास्तव ने भी 10 दिसंबर 2025 से 5 मई 2026 तक अपने पति ओमप्रकाश श्रीवास्तव के साथ नर्मदा पथ की यात्रा की है। स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत पत्नी भारती श्रीवास्तव ने भी उसी दौरान सेवानिवृत्ति ले ली थी। कायस्थम द्वारा नर्मदा परिक्रमा के धार्मिक महत्व और आध्यात्मिक अनुभव विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में ओमप्रकाश श्रीवास्तव और उनकी धर्मपत्नी यात्रा के संस्मरण सुनाकर प्रश्नों के उत्तर भी देंगे।

निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन



हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

शनिवार को सेवा भारती शिवपुरी एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम खौरघार में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच की गई तथा शुगर परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई गई। साथ ही आवश्यकतानुसार मरीजों को निःशुल्क औषधियों का वितरण भी किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में लगभग 150 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर शिविर का लाभ प्राप्त किया।

ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच निःशुल्क औषधियों का वितरण

लू से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी

कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपस्थित चिकित्सक द्वारा वर्तमान समय में चल रही भीषण गर्मी एवं लू से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। उन्होंने सभी को पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, धूप में अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने तथा शरीर को ठंडा रखने वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करने की सलाह दी।

पौष्टिक खाद्य सामग्री का अधिक उपयोग की सलाह

चिकित्सक ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए हमें अपनी रसोई में उपलब्ध प्राकृतिक एवं पौष्टिक खाद्य सामग्री का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए। संतुलित आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है कार्यक्रम में शंभू दयाल पाठक, ऋषिपाल, अर्जुन सिंह दांगी विभाग समन्वयक शिवपुरी, जय सिंह सेन, समस्त ग्रामवासी, सेवा भारती शिवपुरी एवं आयुष विभाग के कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। ग्रामीणों को शिविर का लाभ मिला।

श्री कुचेरा भैरव की महाआरती एवं भंडारा का आयोजन आज



भोपाल। अधिकमास के महापर्व पर 7 जून को पीपली नाका स्थित अतिप्राचीन श्री कुचेरा भैरव मंदिर पर महाआरती और भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय पुजारी महासंघ राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश पुजारी और विशिष्ट अतिथि उज्जैन विकास प्राधिकरण अध्यक्ष रवि सोलंकी रहेंगे। जानकारी देते हुए शास. पुजारी दुर्गा मंगल पुजारी ने बताया कि प्रत्येक तीन वर्ष में आने वाले अधिक मास में विश्व कल्याण, विश्व शांति और भक्तों पर श्री कुचेरा भैरव की कृपा के लिए महाआरती और विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। आयोजक मंडल के प्रमुख मंगल पुजारी, शिव कुमार पप्पू भैया और पर्वत सिंह चौहान ने सभी धर्मपरायण भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में महाआरती और भंडारे में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ लेने और प्रसाद ग्रहण करने की अपील की है।

हर माह रेलवे के पास आ रही खाने की गुणवत्ता को लेकर 2 से 3 शिकायतें 18 माह बाद भी रेलवे क्लस्टर किचन बनाने का काम नहीं हो सका शुरू, अफसर बोले- टेंडर जारी हो गया, जल्द काम होगा प्रारंभ

प्रमुख स्टेशनों पर 19 क्लस्टर किचन बनाए जाने थे

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

रेलवे की ओर से ट्रेनों में खाने संबंधी हर महीने दो-तीन शिकायतें आने के बाद विभिन्न स्थानों पर छोटे-छोटे क्लस्टर किचन (छोटे-छोटे बेस किचन) बनाने की 18 माह पहले घोषणा की गई। लेकिन अब तक इस योजना का काम शुरू नहीं हो सका है। यह काम इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) की ओर से किया जाना था। इसका उद्देश्य यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना है, ताकि मांसरोड संबंधी शिकायतों में कमी लाई जा सके। हालांकि, जमीनी स्तर पर काम शुरू न होने से इस पहल पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार ट्रेन में यात्रियों को परोसे जाने



वाले भोजन की गुणवत्ता की शिकायतों पर रोक लगाने रेलवे प्रशासन ने क्लस्टर किचन बनाने का निर्णय लिया था। इसके तहत भोपाल, इटारसी सहित अन्य प्रमुख स्टेशनों पर कुल 19 क्लस्टर किचन बनाए जाने थे। भोपाल रेलवे स्टेशन पर इस योजना की शुरुआत अक्टूबर 2024 में होनी थी, लेकिन जून 2026 में भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। ऐसे में यह योजना फिलहाल कागजों तक ही सीमित नजर आ रही है।

अभी ऐसी है खाना सफाई की व्यवस्था

वर्तमान व्यवस्था में प्रीमियम ट्रेनों का भोजन बेस किचन में तैयार किया जाता है और फिर मिनी पेंट्रीकार के जरिए यात्रियों को परोसा जाता है। एक ही स्थान पर बड़ी मात्रा में खाना बनने के कारण उसकी गुणवत्ता और स्वच्छता पर प्रभाव भी निर्यंत्रण नहीं हो पाता। इसी कमी को दूर करने के लिए रेलवे ने बेस किचन की जगह क्लस्टर किचन स्थापित करने की योजना बनाई थी, ताकि कम मात्रा में नजदीकी स्तर पर भोजन तैयार हो और उसकी नियमित निगरानी संभव हो सके।

भोपाल रेलवे स्टेशन पर बनने हैं छह किचन

रेलवे की ओर से इटारसी और झांसी जैसे बड़े स्टेशनों पर बड़े बेस किचन संचालित किए जाते हैं। अब इन्हीं बेस किचन को छोटे-छोटे क्लस्टर किचन में बदला जा रहा है। योजना के तहत भोपाल स्टेशन क्षेत्र में 6, इटारसी में 10, गुना में 2 और बीना में 1 क्लस्टर किचन बनाया जाना है। रेलवे सूत्रों के अनुसार खान-पान से जुड़ी कुल शिकायतों में से लगभग 60 प्रतिशत शिकायतें प्रीमियम ट्रेनों से संबंधित होती हैं। भोपाल से संचालित बंदे भारत ट्रेनों में भी समय-समय पर यात्रियों द्वारा शिकायतें दर्ज कराई जाती रही हैं। इनमें अधिकतर मामले सब्जी में कीड़े, भोजन की खराब गुणवत्ता या कॉफ़रोच मिलने जैसी समस्या जुड़ी रही हैं।

टेंडर जारी, कब बनेंगे? अफसरों को पता नहीं

आईआरसीटीसी के एक अधिकारी ने बताया कि क्लस्टर किचन बनाने की प्रक्रिया जारी है। इसके लिए टेंडर भी जारी किए जा चुके हैं। लेकिन किचन कब तक पूरी तरह तैयार होंगे, इसकी जानकारी फिलहाल उपलब्ध नहीं है। पश्चिम मध्य रेलवे के तीनों मंडलों में कुल 79 क्लस्टर किचन बनाए जाने प्रस्तावित हैं।

अखिल भारतीय मंदिर मठ सनातन धर्म मोर्चा की मांग महाकाल मंदिर में प्रोटोकॉल व्यवस्था को समाप्त किया जाए

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

महाकालेश्वर मंदिर व देश के समस्त मंदिर आम भक्तों के लिए तीर्थ स्थल है और आम भक्त से ही तीर्थों का विकास हुआ है। महाकालेश्वर मंदिर में पचास साल से नंदी हॉल में प्रोटोकॉल के नाम से एकाधिकार कर दर्शन लाभ लिया जा रहा है, जो कि आम भक्तों के साथ अन्याय है। इसलिए नंदी हॉल की प्रोटोकॉल व्यवस्था समाप्त की जाना चाहिए। सिलिब्रेटी के नाम से आए दिन महाकाल मंदिर में अव्यवस्था फैल रही है। आगे बिठाते से लेकर, फोटो खिंचवाने के चक्कर में आम भक्त दर्शन से विमुख होता जा रहा है। मंदिर समिति से अखिल भारतीय मंदिर मठ सनातन धर्म मोर्चा अध्यक्ष किशोर कुशवाह ने मांग की है कि महाकाल मंदिर में प्रोटोकॉल व्यवस्था को समाप्त किया जाए और

जो लोग प्रोटोकॉल के नाम से वर्षभर प्रत्येक सोमवार, प्रत्येक त्यौहार, शिवरात्रि आदि पर्वों में साल में कई बार अनुमति प्राप्त कर भस्मरती में बैठते हैं उसे बंद किया जाना चाहिए, क्योंकि इससे आम भक्तों के सनातन अधिकार पर कुठाराघात हो रहा है। जिन सिलिब्रेटी महाकाल मंदिर समिति द्वारा प्रोटोकॉल देते हुए उन्हें विशेष दर्शन और स्वागत सम्मान कर सुविधा देती है उन्होंने आज तक महाकाल मंदिर को कोई दान नहीं दिया तो इनकी इतनी आव भगत क्यों? अखिल भारतीय मंदिर मठ सनातन धर्म मोर्चा के अध्यक्ष किशोर सिंह कुशवाह ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर मांग की है कि महाकाल मंदिर समिति के भस्मरती, नंदीहॉल के एकाधिकार व्यवस्था को समाप्त किया जाए।